सूर्योदय 6:51 सूर्यास्त 5:22

आज का तापमान

| | | |
|---|---|---|
| शिमला | 10 न्यू | 19 अधि |
| धर्मशाला | 13 न्यू | 24 अधि |

बाजार

| | |
|---|---|
| सेंसेक्स | 84,950 |
| निफ्टी | 26,013 |
| सोना | 1,22,714 |
| चांदी | 1,54,130 |

www.anantgyaan.in

# अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 18 नवंबर 2025 | 3 मार्गशीर्ष, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 321, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

VIVEKANAND SUPER-SPECIALITY HOSPITAL PALAMPUR

New Additions
- Department of Neurology
- Department of Urology
- Department of Pulmonology
- Department of Nephrology & Dialysis
- Department of Critical Care& Emergency

Facilities
- Lab (All Blood Test)
- Bronchoscopy.
- Angiography, Angioplasty
- Joint Replacement (Knee & HIP)
- Plastic Surgeries.
- EEG, MRI.
- Laser Lithotripsy, PCNL, URSL.
- Device Implantation (Pacemaker, AICD, CRTD)
- All Laparoscopic Surgeries.

24 X 7 EMERGENCY & TRAUMA CARE

Vivekanand Medical Institute, Mohal Holta, Palampur, Kangra, HP-176062
01894-236010/12, 98177-86177, www.vmipalampur.com

ECHS & TPA FACILITY AVAILABLE

# पंचायतों के पुनर्गठन पर रोक

## राज्य चुनाव आयोग का सरकार को झटका, अब नहीं बदलेंगी पंचायतों की सीमाएं

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

हिमाचल के स्टेट इलेक्शन कमीशन ने राज्य सरकार को झटका देते हुए पंचायतों के पुनर्गठन (री-ऑर्गेनाइज) पर रोक लगा दी है।

जानकारी के अनुसार, राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि सरकार अब पंचायतों या नगर पालिकाओं का पुनर्गठन नहीं कर सकेगी। सभी विभागों व प्रशासनिक अधिकारियों को हिदायत जारी की गई है कि वे आयोग के आदेशों का कड़ाई से पालन करें। चुनाव शेड्यूल जारी होते ही आदर्श आचार संहिता पूरी तरह लागू हो जाएगी, लेकिन उससे पहले भी ढांचे में बदलाव पर रोक लग चुकी है।

बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष अनुमति याचिका संख्या 22468 और 22469/2024 में स्पष्ट किया है कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव उनकी पांच वर्षीय अवधि समाप्त होने से छह माह पहले आरंभ हो जाने चाहिए। कोर्ट के इस निर्देश ने हिमाचल में चुनावी प्रक्रिया को समयबद्ध करने का दबाव और बढ़ा दिया है, जिसके चलते आयोग लगातार सरकार को समय पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए पत्राचार कर रहा था। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पंचायतीराज संस्थाओं का कार्यकाल 31 जनवरी को समाप्त हो रहा है। इसी तरह प्रदेश के 50 शहरी स्थानीय निकाय 18 जनवरी को और चार नगर निगम धर्मशाला, पालमपुर, मंडी और सोलन 13 अप्रैल को अपनी अवधि पूर्ण कर लेंगे। ऐसे में चुनाव में देरी की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है, क्योंकि बचे हुए समय की संख्या अब 75 दिनों से भी कम है। निर्वाचन आयोग के फैसले के बाद प्रदेश में चुनावी बयार और तेज हो गई है।

**आदेश के बाद प्रदेश में चुनावी रंग चढ़ना शुरू**

### आचार संहिता का एक क्लॉज लागू

**स्टेट** इलेक्शन कमिश्नर अनिल खाची ने बताया कि इस नोटिफिकेशन के साथ ही प्रदेश में आदर्श चुनाव आचार संहिता का एक क्लॉज लागू हो गया है। इस क्लॉज के लागू होने के बाद पंचायतों के वार्ड की बाउंड्री चेंज नहीं होगी। पूरे तौर पर आचार संहिता उस दिन लागू होगी, जब इलेक्शन कमीशन पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव की तिथियां घोषित करेगा।

### 3548 पंचायतों में वोटर लिस्ट तैयार

**आयोग** के अनुसार 3,577 ग्राम पंचायतों, 90 पंचायत समितियों, 11 जिला परिषदों और 71 शहरी स्थानीय निकायों का परिसीमन पूर्ण हो चुका है। 3,548 ग्राम पंचायतों और 70 शहरी स्थानीय निकायों की मतदाता सूचियां अंतिम रूप ले चुकी हैं। शेष 29 पंचायतों और एक नगर निकाय की सूचियां 12 और 7 दिसंबर को अंतिम रूप से प्रकाशित की जाएंगी।

### हाईकोर्ट ने चुनाव में देरी पर सरकार और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

**शिमला।** हिमाचल में पंचायत चुनाव समय पर कराने के लिए सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव में देरी के मामले में दायर एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार और स्टेट इलेक्शन कमीशन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी। एडवोकेट मंदीप चंदेल ने बताया कि एडवोकेट जनरल ने अदालत को भरोसा दिलाया कि 21 जनवरी से पहले पंचायत चुनाव करवा दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि याचिका में अनिश्चितकाल तक डिजास्टर ग्राउंड पर चुनाव टालने की सरकार की मंशा को चुनौती दी गई है, क्योंकि संविधान में पंचायत चुनाव पांच साल पहले होने अनिवार्य है। मुख्य सचिव ने बीते 8 अक्तूबर को डिजास्टर एक्ट का हवाला देते हुए आपदा से हालात सामान्य होने के बाद पंचायत चुनाव कराने की बात कही है। इसके बाद, कैबिनेट ने भी चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले पंचायतों के पुनर्गठन का फैसला लिया है। यही नहीं डीसी ने वोटर लिस्ट बनाने का काम तो पूरा कर लिया है, मगर इलेक्ट्रॉल (वोटर लिस्ट) की पब्लिकेशन रोक दी है। इससे पंचायत चुनाव पर संशय बन चुका है। इसे देखते हुए याचिकाकर्ता ने कोर्ट से हस्तक्षेप करके पूरे प्रदेश में तय समय पर पंचायती राज चुनाव कराने के निर्देश देने का आग्रह किया है।

## न्यूज शॉर्ट्स

### बिहार में 20 को शपथ लेगी नई सरकार

**एजेंसी, पटना।** बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बताया कि नई कैबिनेट में 36 मंत्री होंगे, जिसमें 16 भाजपा से, 15 जदयू से, 3 लोजपा (आर) से, हम और रालोमो से 1-1 मंत्री होंगे। नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर पत्र सौंपा है। इसमें 19 नवंबर को विधानसभा भंग किए जाने की जानकारी दी गई। इससे पहले सूमवार को आखिरी कैबिनेट मीटिंग हुई, जिसमें मौजूदा विधानसभा को 19 नवंबर को भंग भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ। 20 नवंबर को गांधी मैदान में नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। (अनंत ज्ञान)

### आजम खान और बेटे को 7-7 साल की सजा

**एजेंसी, रामपुर।** सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला को फिर 7-7 साल की सजा हुई है। रामपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने फर्जी पैन कार्ड मामले में सोमवार को ही दोनों को दोषी करार दिया। थोड़ी देर बाद सजा सुना दी। कोर्ट ने दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। फैसले के बाद कोर्ट में ही पुलिसकर्मियों ने आजम खान और अब्दुल्ला को हिरासत में ले लिया है। फर्जी पैन कार्ड का मामला 2019 का है। आजम खान 23 सितंबर यानी 2 महीने पहले ही सीतापुर जेल से रिहा हुए थे, जबकि उनके बेटे अब्दुल्ला 9 महीने पहले हरदोई जेल से रिहा हुए थे। अब दोनों फिर से जेल जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

### अनिल दूसरी बार ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए

**एजेंसी, नई दिल्ली।** रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी सोमवार को दूसरी बार भी ईडी के सामने बयान दर्ज कराने के लिए पेश नहीं हुए। उन्होंने ईडी को पत्र लिखकर वर्चुअल या वीडियो रिकॉर्डिंग से स्टेटमेंट देने का प्रस्ताव दिया है। अनिल को फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के तहत 100 करोड़ रुपए के हवाला से जुड़े मामले में पेश होने को कहा गया था। ईडी अनिल अंबानी को दो बार समन भेज चुकी है। (अनंत ज्ञान)

### अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- कश्मीर पंचायत में खनन रिन्यूअल के आवेदन का विरोध -पेज 2
- असंतुलित मौसम से हिलता हिमाचल प्रदेश -पेज 3
- लुटेरी दुल्हन ठग गिरोह ने आधा दर्जन युवाओं को लगाया चूना -पेज 5
- सालों से भगेहड़-लाहड़ सड़क नहीं हुई ठीक, 2500 की आबादी परेशान -पेज 9
- मनाली-लेह सड़क पर अब थम जाएगी वाहनों की आवाजाही -पेज 11

# बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को फांसी की सजा

**एजेंसी, ढाका**

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सोमवार को दो आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई है। उन्हें ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने हत्या के लिए उकसाने और हत्या का आदेश देने का दोषी माना है। ट्रिब्यूनल ने उन्हें जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं का मास्टरमाइंड कहा। ट्रिब्यूनल ने दूसरे आरोपी पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान को भी 12 लोगों की हत्या का दोषी माना और फांसी की सजा सुनाई। वहीं, तीसरे आरोपी पूर्व आईजीपी अब्दुल्ला अल-ममून को 5 साल के जेल की सजा सुनाई। ममून हिरासत में हैं और सरकारी गवाह बन चुके हैं।

इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने हसीना और असदुज्जमान कमाल की प्रॉपर्टी जब्त करने का आदेश दिया है। सजा का ऐलान होते ही कोर्ट रूम में मौजूद लोगों ने तालियां बजाई। बता दें कि शेख हसीना के अलावा पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमान ने 5 अगस्त 2024 को तख्तापलट के बाद देश छोड़ दिया था। दोनों नेता पिछले 15 महीने से भारत में रह रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

**ट्रिब्यूनल ने हत्याओं का दोषी माना**

**हसीना बोलीं- फैसला राजनीति से प्रेरित**

### जिस कोर्ट की स्थापना की, उसी ने सजा सुनाई

**हसीना** को मौत की सजा सुनाने वाले इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल की स्थापना उन्होंने ही की थी। इसे 2010 में बनाया गया था। इस कोर्ट को 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान हुए वॉर क्राइम्स और नरसंहार जैसे मामलों की जांच और सजा के लिए बनाया गया था। हालांकि इस ट्रिब्यूनल को बनाने के लिए 1973 में ही कानून बना दिया गया था, लेकिन दशकों तक प्रक्रिया रुकी रही। इसके बाद 2010 में हसीना ने इसकी स्थापना की ताकि अपराधियों पर मुकदमा चल सके।

# मुख्यमंत्री सुक्खू ने हिमाचल की चंडीगढ़ में 7.19% हिस्सेदारी मांगी

## उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में गृहमंत्री के समक्ष रखी मांग

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

फरीदाबाद में सोमवार को आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के संवैधानिक और आर्थिक अधिकारों को मजबूती से उठाया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के तहत हिमाचल चंडीगढ़ की जमीन और संपत्तियों में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी का कानूनी हकदार है, जिसकी पुष्टि देश की सर्वोच्च अदालत 2011 में कर चुकी है। उन्होंने केंद्र से इस अधिकार को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग रखी।

मुख्यमंत्री ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में हिमाचल के स्थायी प्रतिनिधि की नियुक्ति और राज्य के सभी लंबित बकायों को बिना देरी जारी करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि हिमाचल का हक टलना नहीं चाहिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जलविद्युत क्षेत्र से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर भी स्पष्ट रुख रखा। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा संचालित परियोजनाओं में हिमाचल को 12 प्रतिशत निशुल्क बिजली रॉयल्टी मिलनी चाहिए और जिन परियोजनाओं की लागत वसूली पूरी हो चुकी है, उनमें यह रॉयल्टी बढ़ाकर 50 प्रतिशत की जानी चाहिए। इसके साथ ही केंद्र से आग्रह किया गया कि प्रदेश में 40 वर्ष पूरे कर चुकी सभी परियोजनाओं को वापस राज्य सरकार को सौंपा जाए। जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने आपदा राहत नियमों की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता जताई।

सीमांत इलाकों में हिमालयी शोध केंद्र, आइस हॉकी स्टेडियम और एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रशिक्षण सुविधाएं स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये क्षेत्र पर्यटन और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

### 1500 करोड़ का पैकेज और 10,000 करोड़ रुपए की अन्य आपदा राहत जल्द जारी करें

**सीएम** ने प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1500 करोड़ रुपए के पैकेज और लगभग 10,000 करोड़ रुपए की अन्य आपदा राहत राशि को भी शीघ्र जारी करने की अपील की। जीएसटी क्षतिपूर्ति की समाप्ति के बाद 2023-24 तक के 9,478 करोड़ रुपये के घाटे के निपटान के लिए विशेष कार्यबल बनाने की मांग भी उन्होंने केंद्र के समक्ष रखी।

### आतंकी उमर का एक और साथी गिरफ्तार

**एजेंसी, श्रीनगर।** दिल्ली ब्लास्ट मामले में एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से आतंकी उमर नबी के एक और साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि जसीर आतंकी उमर को टेक्निकल सपोर्ट देता था। विस्फोट के लिए ड्रोन मॉडिफाई करता था और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की थी। एनआईए के मुताबिक, जसीर आतंकी उमर का प्रमुख सहयोगी है। वह अनंतनाग के काजीकुंड का रहने वाला है। दिल्ली ब्लास्ट में इसकी सक्रिय भूमिका रही है। वह डॉ. उमर के साथ मिलकर ब्लास्ट की प्लानिंग में शामिल था। (अनंत ज्ञान)

# ऊना के कलरूही में दो बाइकों की टक्कर में 4 युवकों की मौत

**अनंत ज्ञान, अंब**

ऊना जिले के कलरूही में दो बाइकों की टक्कर से चार युवकों की मौत हो गई। हादसे में एक गंभीर रूप से घायल है। अंब-मुबारिकपुर मार्ग पर कलरूही पुल के पास हादसा उस वक्त हुआ, जब माता श्री चिंतपूर्णी महोत्सव की समाप्ति के बाद बड़ी संख्या में लोग घरों की तरफ वापस लौट रहे थे। रविवार रात के लगभग 10:30 बजे के बाद कलरूही पुल के पास दो तीन बाइक आपस में टकरा गईं। हादसे में महोत्सव से लौट रहे आसब खान (19) निवासी अलोह, उसका भाई इमरान (22) और रोहन(17) पुत्र सुशील कुमार तथा माता बगुलामुखी मंदिर से माथा टेककर चंडीगढ़ लौट रहे अमित पुत्र किरात निवासी 6414/बी सेक्टर 56, निखिल पुत्र जीवन ठाकुर, निवासी सेक्टर 56 चंडीगढ़ गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल अंब ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने आसब खान और निखिल को मृत घोषित कर दिया। हादसे के अन्य घायलों को क्षेत्रीय अस्पताल ऊना व फिर पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया, जहां इमरान और रोहन ने भी दम तोड़ दिया। मृतकों में उपमंडल अंब के अलोह निवासी दो सगे भाई भी शामिल हैं। वहीं, एसपी ऊना अमित यादव ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है।

**मृतकों में अलोह निवासी दो सगे भाई भी शामिल**

# मक्का से मदीना जा रहे 45 भारतीयों की मौत

**एजेंसी, रियाद**

सऊदी अरब में सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई। मक्का से मदीना जाते समय इनकी बस डीजल टैंकर से टकरा गई और इसमें आग लग गई। मृतकों में 18 महिलाएं, 17 पुरुष और 10 बच्चे शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसे में सिर्फ बस का ड्राइवर ही जिंदा बचा। हैदराबाद पुलिस के मुताबिक, 9 नवंबर को 54 लोग हैदराबाद से सऊदी गए थे। वे 23 नवंबर को वापस आने वाले थे। इनमें से 4 लोग रविवार को कार से अलग से मदीना गए थे। वहीं, 4 लोग मक्का में रुक गए थे।

दुर्घटना वाली बस में 46 लोग सवार थे। मृतकों में ज्यादातर हैदराबाद के बताए जा रहे हैं। हादसा मदीना से लगभग 25 किलोमीटर दूर मुहरास के पास भारतीय समयानुसार रात लगभग 1:30 बजे हुआ। उस समय कई यात्री सो रहे थे। उन्हें बचने का कोई मौका नहीं मिला। तेलंगाना सरकार ने कहा है कि वह रियाद में भारतीय दूतावास के संपर्क में है।

राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे दूतावास से नजदीकी तालमेल बनाकर पीड़ितों की पहचान और अन्य औपचारिकताओं में मदद करें। (अनंत ज्ञान)

### असम में एसआईआर करवाने के आदेश

**एजेंसी, नई दिल्ली।** चुनाव आयोग ने सोमवार को असम में वोटर लिस्ट के स्पेशल रिविजन का आदेश जारी कर दिया। फाइनल वोटर लिस्ट 10 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य में स्पेशल रिविजन के लिए क्वालिफाइंग डेट 1 जनवरी, 2026 होगी। यानी इस दिन तक वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जा सकेंगे। (अनंत ज्ञान)

# स्वावलंबन में हिमाचल अव्वल

## अपनी बचत पर भरोसा, सिर्फ 7.4 % लोगों ने ही लिया बैंक लोन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

हिमाचल प्रदेश एक बार फिर वित्तीय अनुशासन और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में देश के लिए मिसाल बना है। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश की 90 प्रतिशत वयस्क आबादी के पास बैंक खाते हैं, जबकि केवल 7.4 प्रतिशत लोगों ने ही बैंक ऋण लिया है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत 14.7 प्रतिशत की तुलना में काफी कम है और बेहतर वित्तीय स्थिति का संकेत देता है। रिपोर्ट बताती है कि हिमाचल प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसके चलते लोगों में कर्ज लेने की प्रवृत्ति कम दिखाई देती है। अधिकांश परिवार जरूरतों को अपनी आय और बचत से पूरा करने में सक्षम हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह हिमाचल की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता का संकेत है। प्रदेश में सरकारी नौकरियों का मजबूत आधार और बेहतर आर्थिक स्थिति लोगों को ऋण के बजाय आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती है।

### प्रति व्यक्ति आय में देश से आगे

**हिमाचल** में प्रति व्यक्ति आय 2,57,212 रुपए है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.6 फीसदी अधिक है। यह राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय 2,34,859 रुपए से भी ज्यादा है। 90 फीसदी वयस्कों के पास बैंक खाते होना राज्य में वित्तीय साक्षरता और बैंकिंग नेटवर्क की मजबूती को दर्शाता है। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार जम्मू-कश्मीर में 91 प्रतिशत और पंजाब में 95 प्रतिशत वयस्कों के पास बैंक खाते हैं। जम्मू-कश्मीर में 9.7 प्रतिशत लोग कर्ज लेते हैं, जबकि पंजाब में यह आंकड़ा 27 प्रतिशत है।

### दिखावे पर खर्च नहीं करते हिमाचली

**अर्थशास्त्री** और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर एनके विष्ट कहते हैं कि हिमाचल के लोग अपनी कमाई से ही खर्च पूरा करते हैं और कर्ज पर निर्भरता कम रहती है। स्थिर आमदनी के साधन तथा सरकारी नौकरियों की मौजूदगी उन्हें आर्थिक सुरक्षा देती है। उन्होंने कहा कि हिमाचली दिखावे पर खर्च नहीं करते, जबकि कई अन्य राज्यों में यह प्रवृत्ति अधिक है। हिमाचल में उच्च शिक्षा और पर्यटन उद्योग की स्थापना के लिए जरूर अधिक ऋण लिया जाता है।

**शख्सियत** जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा ने पांच वर्ष में हर चुनाव में किया उल्लेखनीय प्रदर्शन

# बिलासपुर का सपूत बना राष्ट्रीय राजनीति का मजबूत चेहरा

**अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**बिलासपुर।** हिमाचल प्रदेश के शांत और सरल शहर बिलासपुर से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति में सबसे निर्णायक चेहरा बन चुके भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की कहानी आज भारतीय लोकतंत्र में प्रेरणा के रूप में दर्ज है। छात्र राजनीति से लेकर केंद्र में मंत्री पद और फिर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में 2020 से 2025 तक अभूतपूर्व चुनावी सफलताएं, उनके नेतृत्व का उदाहरण हैं। इन पांच वर्ष में भाजपा ने राज्य, राष्ट्रीय, उपचुनाव और निकाय चुनाव हर स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले 17 जून 2019 को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। यह दायित्व संभालने के बाद नड्डा ने संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया। पूर्वोत्तर, ओडिशा, दक्षिण भारत और दिल्ली तक पार्टी का नेटवर्क बढ़ा। भाजपा का राजनीतिक मानचित्र व्यापक हुआ और पार्टी का जमीनी स्तर और मजबूत हुआ।

### अपने नेतृत्व में बिहार समेत 27 जीतें

**जगत** प्रकाश नड्डा के 5 वर्ष के कार्यकाल पर नजर डालें तो उनके नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा मिलाकर कुल 26 चुनाव जीते थे, लेकिन अब 27वीं जीत उनके बिहार चुनाव जीत के रूप में शामिल हो गई है।

अनंत ज्ञान स्पैशल

### 2020 से 2025 तक प्रमुख चुनावी जीतें

- **बिहार विधानसभा चुनाव 2020:** भाजपा 74 सीटों के साथ एनडीए की सरकार मजबूत करने में सफल।
- **असम विस चुनाव 2021:** भाजपा 60 सीटों के साथ दोबारा सत्ता में लौटी।
- **उत्तर प्रदेश चुनाव 2022:** 255 सीटें- भारी बहुमत के साथ पुनः सरकार।
- **हिंदी पट्टी की तिकड़ी 2023:** मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की निर्णायक जीत।
- **उपचुनाव 2020-2023:** देशभर के 120 में से 73 उपचुनाव भाजपा ने जीते।
- **लोकसभा चुनाव 2024:** एनडीए ने बहुमत हासिल किया, भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत रही।
- **हरियाणा चुनाव 2024:** भाजपा 48 सीटों के साथ तीसरी बार सत्ता में लौटी।
- **दिल्ली विधानसभा 2025:** 70 में से 48 सीटें- राजधानी में भाजपा की अभूतपूर्व प्रगति।
- **बिहार चुनाव 2025:** एनडीए की प्रचंड जीत, भाजपा की निर्णायक भूमिका।
- **छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव 2025:** 173 में से 126 निकाय भाजपा के खाते में।
- **रायपुर नगर निगम 2025:** भाजपा की 60 सीटों पर भारी जीत।

### एक्सटेंशन अवधि में भी दिखाया दमदार नेतृत्व

**यह** नड्डा की क्षमता का सबसे बड़ा प्रमाण है कि अध्यक्ष पद पर एक्सटेंशन मिलने के बाद भी भाजपा ने न सिर्फ चुनावी रफ्तार कायम रखी, बल्कि कई राज्यों में अपनी स्थिति पहले से अधिक मजबूत की। एक्सटेंशन अवधि के दौरान भाजपा ने बड़े राज्यों में सत्ता वापसी, उपचुनावों में मजबूत प्रदर्शन, निकाय स्तर पर निर्णायक बढ़त हासिल कर नड्डा के नेतृत्व की निरंतरता सिद्ध की।

## न्यूज ब्रीफ

### शौर्य की मदद के लिए राजपूत महासभा आई आगे

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर।** आईजीएमसी शिमला में उपचाराधीन शौर्य ठाकुर की आर्थिक तंगी और अस्पताल में सरकारी स्तर पर दवाइयां व अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध न होने पर राजपूत महासभा हमीरपुर ने चिंता व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता प्रदान की है। महासभा के पदाधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर शौर्य और उसके माता-पिता से मुलाकात की तथा भविष्य में भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जिला महासचिव जोगिंदर ठाकुर ने बताया कि शौर्य पिछले महीनों एम्स बिलासपुर में इलाज करवाने के बाद गंभीर स्थिति में आईजीएमसी में भर्ती है। सरकारी मदद न मिलने की जानकारी मिलने पर महासभा के सदस्यों ने मानवीय आधार पर दो दिनों में ही आवश्यक आर्थिक सहयोग एकत्र कर दिया। महासचिव जोगिंदर ठाकुर व लीगल विंग संयोजक दिनेश ठाकुर ने सरकार और राजपूत कल्याण बोर्ड से मांग की है कि गंभीर बीमार मरीजों को दवाइयों और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा ऐसे मामलों के लिए विशेष राहत कोष बनाया जाए। शौर्य के माता-पिता ने भी सरकार से मदद की अपील की है।

### पेपर मूल्यांकन की राशि बढ़ाने की मांग

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर।** राजकीय टीजीटी कला संघ ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से लंबित प्रश्न-पत्र मूल्यांकन राशि को शीघ्र जारी करने और वर्तमान दरों को सीबीएसई की तर्ज पर बढ़ाने की मांग की है। संघ ने कहा कि सीबीएसई कक्षा 10 के लिए 25 रुपये और 10+2 के लिए 30 रुपए प्रति पेपर देती है, इसलिए प्रदेश बोर्ड को भी दरों में वृद्धि करनी चाहिए। संघ ने मांग की कि आगामी परीक्षाओं में हटाए गए पाठ्यक्रम से प्रश्न न पूछे जाएँ और पेपर सेटिंग के लिए चयनित शिक्षकों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाएँ। इसके साथ ही अगले सत्र से किन कक्षाओं का पाठ्यक्रम बदलेगा, इसकी अधिसूचना भी समय पर जारी करने की आवश्यकता जताई गई। टीजीटी कला संघ ने बोर्ड अध्यक्ष व सचिव को ज्ञापन भेजकर सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों की परीक्षा व्यवस्था में भी सुधार की मांग की।

### धनेटा में युवाओं से की मतदान की अपील

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर।** राजकीय महाविद्यालय धनेटा में युवाओं में मतदान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को 'मेरा वोट मेरा अधिकार, एक सशक्त लोकतंत्र की नींव' विषय पर भाषण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ईएल.सी./स्वीप, कॉमर्स सोसायटी और सोशल सोसायटी के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मतदान के महत्व पर अपने विचार रखे, साथ ही युवाओं से अपील की कि वे स्वयं मतदान करें और परिवार व आस-पड़ोस के लोगों को सही उम्मीदवार चुनने के लिए प्रेरित करें। महाविद्यालय की उप-प्राचार्य नीलम अग्निहोत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन यह दर्शाते हैं कि छात्र नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक हैं। कार्यक्रम में डॉ. रजनीश शर्मा, प्रो. मदन पटियाल, डॉ. अजय कुमार, डॉ. अंजना कुमारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

### रंगड़-हमीरपुर रूट की बस खराब, यात्री परेशान

**अनंत ज्ञान, टौणी देवी।** रंगड़ से हमीरपुर वाया सुजानपुर, कक्कड़, टौणी देवी और काले अम्ब जाने वाली बस ब्वाड़ू के पास तकनीकी खराबी के कारण सुबह यात्री परेशान हो गए। इस रूट पर आमतौर पर काफी कर्मचारी और छात्र यात्रा करते हैं। आज बस खराब होने के कारण यात्रियों को टौणी देवी तक पैदल चलना पड़ा। इस रूट पर इसके बाद कोई निजी बस सेवा नहीं होती और अगली बस केवल दोपहर 1 बजे उपलब्ध होती है, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। हमीरपुर बस अड्डा प्रभारी राम लाल ने बताया कि बस में तकनीकी खराबी आ गई थी और इसे कल तक सुचारु कर दिया जाएगा। यात्रियों सुभाष चंद, जगदीश चंद और सुमन देवी ने प्रशासन से कक्कड़-हमीरपुर मार्ग पर अतिरिक्त बस सेवा शुरू करने की मांग की है ताकि भविष्य में इसी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

### विक्रम ने संभाला कॉलेज प्रिंसिपल का कार्यभार

**अनंत ज्ञान, बड़सर।** विक्रम सिंह ठाकुर ने बड़सर गवर्नमेंट कॉलेज के प्रिंसिपल के पद का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पूर्व सिराज कॉलेज में अपनी सेवाएं दे रहे थे, जहां उनके कार्यकाल को अनुशासन, शैक्षणिक सुधार और छात्रों के हित में किए गए प्रयासों के लिए जाना जाता है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कॉलेज स्टाफ से मुलाकात की और संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए सभी से सहयोग करने का आग्रह किया। कॉलेज में स्टूडेंट के लिए बेहतर शिक्षा मिले इसके प्रयासरत रहुंगा।

### डीएवी भड़ोली में पोस्टकार्ड स्पर्धा आयोजित

**शशि सोनल, अनंत ज्ञान, नादौन।** डीएवी सीनियर सेकंडरी स्कूल भड़ोली में डाक विभाग के सौजन्य से पोस्टकार्ड लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 'मेरे रोल मॉडल को पत्र' विषय पर राष्ट्रीय स्तर की ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें डीएवी भड़ोली के कक्षा पांचवीं से दसवीं तक के 750 से ज्यादा बच्चों ने पूरे उत्साह व जोश के साथ भाग लिया। स्कूल के प्रिंसिपल सुरजीत कुमार राणा ने बताया कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों की लेखन क्षमता को निखारने, संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने तथा सकारात्मक अभिरुचि विकसित करने का एक प्रभावी मंच साबित हुई। प्रतियोगियों को अपने विचारों और भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हुए पत्र लिखना था। बच्चों को अपने रोल मॉडल के प्रति आदर और प्रेरणा से भरे विचार गर्व के साथ पोस्टकार्ड के माध्यम से प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

### किशोरावस्था में सही मार्गदर्शन सबसे जरूरी

**अनंत ज्ञान, नादौन।** बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय नादौन ने सोमवार को मर्दन पब्लिक स्कूल मलोटी में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत किशोरियों के लिए तनाव प्रबंधन विषय पर एक जागरूकता शिविर आयोजित किया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए बाल विकास परियोजना अधिकारी संजय कुमार ने उपस्थित किशोरियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में किशोरावस्था वह समय है, जब वह बहुत से शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक परिवर्तनों से गुजरता है। इस दौरान सही समझ तथा उचित मार्गदर्शन से व्यक्ति अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को छू सकता है। इस अवसर पर मनोविज्ञानी शीतल वर्मा ने बच्चों के तनाव से निपटने के लिए उनके शारीरिक स्वास्थ्य के अतिरिक्त मानसिक व भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने पर बल दिया।

### 'अर्न व्हाइल यू लर्न' से छात्र बने आर्थिक रूप से सशक्त

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर।** करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में 'अर्न व्हाइल यू लर्न' कार्यक्रम के तहत छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ आय अर्जित करने का अवसर मिला है। एमसीए की छात्रा अमिता, रिया शर्मा, अर्पूवा ठाकुर और एमबीए छात्र साहिल कुमार ने इस प्लान के तहत 15,000 रुपये प्रतिमाह कमाए। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर छात्रों को 4 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्त किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव गुलशन सधूं ने कहा कि यह योजना छात्रों को उद्योग की वास्तविक मांगों से जोड़ती है, तकनीकी कौशल और रोजगार-योग्यता बढ़ाती है। छात्रों ने कहा कि यह अनुभव उनके करियर और आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। कार्यक्रम का लिए विभाग और प्लेसमेंट सेल की भी सराहना की गई।

### मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

**अनंत ज्ञान, भोटा।** पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोटा में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह मनाया गया। इस समारोह के मुख्यातिथि बड़सर विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष ढटवालिया रहे। बच्चों ने इस समारोह में विभिन्न प्रेरक, सांस्कृतिक व रोचक गतिविधियों की प्रस्तुती दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सनम द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें स्कूल की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण बच्चों के अभिभावकों व आए हुए अतिथि गणों को दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बच्चों की प्रस्तुतियों व विद्यालय को उपलब्धियों की उन्होंने भरसक प्रशंसा की। इसके पश्चात बच्चों की उपलब्धियों के लिए उनको मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सुरजीत कुमार, कुलवंत, सुरेश कुमार, अजीत चौधरी, प्रकाश चंद, कुलदीप व अन्य यदि गणमान्य उपस्थित रहे।

### व्यापारियों को दी जीएसटी की जानकारी

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** जिला मुख्यालय के व्यापारियों को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए राज्य कर एवं आबकारी विभाग ने सोमवार को यहां हमीर भवन में एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विभाग के संयुक्त आयुक्त राकेश भारती ने व्यापारियों को जीएसटी के विभिन्न पहलुओं, इससे संबंधित सभी नियमों और जीएसटी की नई दरों के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। उन्होंने स्थानीय व्यापारियों के सभी सवाल भी किया और उनकी सभी शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त कुलदीप सिंह जम्वाल ने संयुक्त आयुक्त, स्थानीय व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और अन्य व्यापारियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में स्थानीय व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और अन्य व्यापारियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर जीएसटी से संबंधित कई शंकाओं के बारे में संयुक्त आयुक्त के साथ व्यापक चर्चा की। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विभाग का धन्यवाद भी किया।

# कश्मीर पंचायत में खनन रिन्यूअल के आवेदन का ग्रामीणों ने किया विरोध

## जनसमस्या को देखते हुए एडीसी अभिषेक गर्ग ने लिया आवेदन होल्ड का फैसला

**एके शर्मा, अनंत ज्ञान**

**गलोड़।** तहसील गलोड़ की ग्राम पंचायत कश्मीर के तहत बहने वाली मानखड्ड के पुल के पास खनन लीज आवेदन का ग्रामीणों ने जोरदार विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि खनन के कारण आसपास के गांवों के हजारों लोगों को गंभीर दुष्परिणाम झेलने पड़ रहे हैं। खड्ड का जलस्तर खनन के चलते गिर गया है, जिससे क्षेत्र की प्रमुख फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। कभी गन्ने की अच्छी खासी पैदावार होने वाले इस इलाके में अब फसल लगभग समाप्त हो चुकी है और ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है।

इस पुल के पास खनन के लिए जमीन पहले भी लीज पर दी गई थी, जो मई 2025 में समाप्त हो चुकी है। इसके बाद पुनः लीज आवेदन किया गया। आवेदन के बाद माइनिंग विभाग और एसडीसी हमीरपुर मौके पर पहुंचे,

कश्मीर पंचायत में खनन रिन्यूअल के आवेदन का विरोध करते ग्रामीण।

जहां ग्रामीणों ने लीज न देने की बात रखी और खनन के स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की जानकारी दी। ग्रामीणों की आपत्ति के बाद खनन लीज आवेदन को होल्ड कर दिया गया। इसके साथ ही खनन विभाग को निर्देश दिए गए कि क्षेत्र में गार्ड तैनात किया जाए और किसी भी अवैध खनन को रोका जाए। नादौन पुलिस को भी सूचित कर गश्त सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी मानखड्ड पुल के पास खनन के कारण तुहणी, सदोह, कश्मीर और आसपास के अन्य गांव प्रभावित हुए हैं। खनन के चलते जलस्तर गिरने से फसलें बर्बाद हुई और कभी आर्थिक रूप से समृद्ध यह क्षेत्र अब संघर्षरत हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया कि किसी भी सूरत में यहां खनन न होने दिया जाए, अन्यथा मजबूरी में उन्हें प्रशासनिक घेराव करना पड़ेगा। इस विरोध प्रदर्शन में ध्रुव सिंह राणा, धर्मपाल, लोक गायक हंसराज, वार्ड पंच निकू राम, मनजीत कुमार, रमेश चंद, कैप्टर बलवीर सिंह, धोनी चंद, फतेह सिंह, चुन्नी लाल, सतीश कुमार और कैप्टन धर्म सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। खनन विभाग की जिला अधिकारी बिंदिया रानी ने बताया कि खनन लीज आवेदन को होल्ड कर दिया गया है और एडीसी अभिषेक गर्ग ने मौके पर गार्ड तैनात करने के साथ नादौन पुलिस से गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीणों का आक्रोश देखते ही बन रहा था और सभी ने प्रशासन से यह सुनिश्चित करने की मांग की कि भविष्य में किसी भी परिस्थिति में खनन से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और फसल को कोई नुकसान न पहुंचे।

# रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ की टीम ने 158 ओवर में 585 रन बनाकर घोषित की पारी

छत्तीसगढ़ व हिमाचल की टीमें रणजी मैच के दौरान भिड़ंती हुईं।

**शशि सोनल, अनंत ज्ञान**

**नादौन।** नादौन के अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी छत्तीसगढ़ व हिमाचल की टीम के बीच खेला जा रहा है। छत्तीसगढ़ की टीम ने सोमवार को 319 रन से आगे खेलते हुए 158 ओवर में 6 विकेट पर 585 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।

बल्लेबाज अमनदीन खरे ने नाबाद 101 रनों की पारी खेली जबकि संजीत देसाई ने 84 तथा मयंग वर्मा ने 12 रन बनाए। जबकि बल्लेबाज एजी तिवारी ने बीते रोज 162 रन बनाए थे। यह जानकारी देते हुए जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महासचिव अनिल भाटिया व क्रिकेट स्टेडियम नादौन के प्रभारी संजय ठाकुर टिंका ने बताया कि हिमाचल के हिमाचल की टीम की ओर से गेंदबाजी करते हुए गेंदबाज मयंक डागर ने 34 ओवर में 124 रन देकर 2 विकेट झटकी। हिमाचल की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए मैच समाप्त होने तक 11 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 37 रन बनाए। बल्लेबाज अंकुश बैंस 16 व अंकित कलसी 11 रन बनाए।

# हिम अकादमी पब्लिक स्कूल का राष्ट्रीय स्तर पर परचम, 40 छात्र हुए चयनित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर**

हिम अकादमी पब्लिक स्कूल ने चालू सत्र में खेलों के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए जिला और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में छात्रों ने कई पदक, ट्रॉफियां और राष्ट्रीय चयन प्राप्त किए।

एथलेटिक्स में अंडर-14 बालिका वर्ग जिला स्तर पर ओवरऑल रनर-अप रही। प्रियांशी और अहाना राज्य टीम के लिए चयनित हुईं, जबकि प्रियांशी ने राज्य प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भी जीता। अंडर-19 बालिका वर्ग ने ओवरऑल विजेता बनकर 5 कांस्य, 4 रजत और 4 स्वर्ण पदक जीते। प्रज्ञा और दक्षिता राज्य स्म के लिए चयनित हुईं, जबकि दक्षिता को एसजीएफआई राष्ट्रीय स्तर के लिए चुना गया। फुटबॉल में अंडर-19 बालक टीम जिला स्तर पर रनर-अप और राज्य स्तर पर विजेता रही। स्टान्जिन वांगटाक, वर्दान, तौसिफ और धुकजय राज्य टीम में शामिल हुए।

एथलेटिक्स, कुश्ती, बॉक्सिंग और कराटे में हिम अकादमी के छात्रों ने जीते पदक।

कुश्ती में भी टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। यू-19 बालिका टीम ने 3 कांस्य, 4 रजत और 2 स्वर्ण पदक जीते, जबकि यू-19 बालक टीम ओवरऑल विजेता रही। बॉक्सिंग में यू-19 बालिकाओं ने 2 कांस्य, 4 रजत और 6 स्वर्ण पदक जीते।

योग, ताइक्वांडो और कराटे में भी छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यू-19 बालक योग टीम जिला स्तर पर विजेता और राज्य स्तर पर रनर-अप रही, जबकि यशोवर्धन अत्रि और गौरव कुमार राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए। ताइक्वांडो में रुचि, तितिक्षा और आनंदी सूद राज्य स्तर के लिए चयनित हुईं। कराटे में टीम ने 9 स्वर्ण पदक जीते और कई छात्र राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए।

हिम अकादमी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन प्रो. आरसी लखनपाल, निर्देशक पंकज लखनपाल, प्रधानाचार्या इंजिनियर नैना लखनपाल, अकादमिक प्रधानाचार्या डॉ. हिमांशु शर्मा, उपप्रधानाचार्य अश्विनी कुमार और समन्वयिका मनीषा मारवाह ने सभी चयनित और प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। हिम अकादमी की यह सफलता छात्रों की मेहनत और स्कूल के उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिणाम है, जो राष्ट्रीय स्तर पर भी स्कूल का मान बढ़ा रही है।

# पलाही योजना में 'पर्कुलेशन बेल' खाली

## हमीरपुर शहर में पानी की दिक्कत, हालात सुधरने में लगेंगे 2 दिन

**विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान**

**हमीरपुर।** हमीरपुर शहर को पेयजल उपलब्ध करवाने वाली पलाही उठाओ पेयजल योजना के 'पर्कुलेशन बेल' खाली हो गए हैं, उनमें पानी नहीं है। इसलिए हमीरपुर शहर में पिछले कुछ दिनों से पीने के पानी की दिक्कत पैदा हो गई है।

हालांकि जल शक्ति विभाग जैसे तैसे आपूर्ति को नियमित बनाने के लिए मशक्कत तो कर रहा है, मगर प्रेशर बेहद कमजोर होने की वजह से लोगों के घरों की छतों पर रखी गई टंकियों में पानी नहीं चढ़ रहा। अभी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए योजना स्रोत पर काम जारी है। वजह यह है कि जिन दो अंडरग्राउंड रिसाव टैंकों यानी पर्कुलेशन बेल से पानी लिफ्ट किया जाता है, उनमें पानी बेहद कम रह गया है। वह पानी उठाने के बाद तत्काल नहीं भर रहे।

बता दें कि ब्यास नदी ने इस बार बरसात के मौसम में अपना रुख दूसरी तरफ बदल लिया था। यहां पर्कुलेशन बेल है, उधर सूखे जैसे हालात हैं। इसलिए अंडरग्राउंड टैंकों में पानी नहीं है। अब जल शक्ति विभाग आर्टिफिशियल तरीके से पानी की कूहल खोद रहा है। इस कार्य को अंजाम देने के लिए अभी दो दिन और लग जाएंगे। ताकि इन टैंकों के आसपास से होकर जब यह कूहल का पानी आगे जाएगा, तो रिसाव से यह कुएं भर जाएंगे। उसी के बाद इसे पानी लिफ्ट किया जा सकेगा क्योंकि स्रोत स्थल पर इसी व्यवस्था से पानी लिफ्ट किया जाता है। हमीरपुर शहर के ज्यादातर इलाके में इसी योजना का पानी लोगों के घरों तक पहुंचाया जाता है, लेकिन अब विभाग इधर-उधर से पानी लेकर व्यवस्था बना रहा है। शहर में कुछ जगह पर समर्सिबल पंप भी लग चुके हैं, जिनका पानी भी टैंकों में लिफ्ट किया जा रहा है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी लोगों को मिल पाए इसके लिए अभी कुछ और दिन इंतजार करना पड़ेगा।

### समस्या का निकाला जा रहा हल: राजेश धीमान

**जल** शक्ति विभाग के हमीरपुर स्थित एक्सईएन राजेश धीमान का कहना है कि एक-दो दिनों में व्यवस्था रूटीन में बदल जाएगी। फिलहाल जो दिक्कत आई है, उसका हल निकालने के लिए योजना स्रोत पर काम जारी है।

# नन्हे बच्चों ने दादा-दादी व नाना नानी संग मनाया वार्षिक उत्सव

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर**

डीएवी पब्लिक स्कूल हमीरपुर में 2025-26 का वार्षिक उत्सव ग्रैंडपेरेंट्स डे के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पदम श्री करतार सिंह सोंखले और विशेष अतिथि एएसपी विजिलेंस रेणू शर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों का स्कूल पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया और कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि और विशेष अतिथियों को शॉल व टोपी भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों ने नृत्य, गाने और रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। नर्सरी के बच्चों ने वेलकम डांस और आओ जी आयां नूं प्रस्तुत किया, एलकेजी ने जुंबा डांस और ओल्ड सॉन्ग वर्सेस न्यू सोंग्स पेश किए। यूकेजी, पहली और दूसरी कक्षा के छात्रों ने रेट्रो डांस, भांगड़ा और गिद्दा प्रस्तुत किया, जबकि तीसरी, चौथी और पांचवीं कक्षा के बच्चों ने राजस्थानी नृत्य, उत्तराखंडी डांस और कृष्ण लीला जैसी प्रस्तुतियों से तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी।

प्रधानाचार्य महेंद्र सिंह ठाकुर ने सभी दादा-दादी, नाना-नानी, अभिभावकों और स्टाफ को कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बधाई दी। मुख्य अतिथि ने बच्चों को अपने पोते-पोतियों को ज्ञान देने और अभिभावकों से उनकी रुचियों के अनुसार मार्गदर्शन करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और पारिवारिक जुड़ाव को बढ़ावा देने का उत्कृष्ट संदेश दिया।

# दलितों पर बढ़ते हमलों के विरोध में किया प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर।** शोषण मुक्ति मंच की हमीरपुर इकाई ने राज्य इकाई के आह्वान पर दलितों पर बढ़ते हमलों के विरोध में जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। मंच ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हाल के समय में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। संगठन का आरोप है कि प्रदेश में अस्पृश्यता विरोधी कानून को प्रभावी रूप से लागू न किए जाने के कारण समाज और संविधान विरोधी तत्व निर्भीक होकर ऐसे अपराध कर रहे हैं। मंच ने शिमला के जंगला गांव में 12 वर्षीय बच्चे की आत्महत्या, आनी में दलित महिला के बलात्कार व हत्या, तथा सर्वोच्च न्यायालय के दलित न्यायाधीश पर जूता फेंकने की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे स्पष्ट है कि आम जन ही नहीं, ऊंचे संवैधानिक पदों पर आसीन दलित भी सुरक्षित नहीं हैं। जिला संयोजक नवीन कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के अनुसार मोदी शासनकाल में दलितों के उत्पीड़न के मामलों में दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई है। संगठन ने आरोप लगाया कि दलित छात्रों की छात्रवृत्ति बंद होने से अनेक मेधावी बच्चों को भारी मानसिक और आर्थिक संकट झेलना पड़ रहा है। सोमवार को हुए इस प्रदर्शन में नवीन कुमार, कमल कुमार, डॉ. कश्मीर ठाकुर सहित दर्जनों लोगों ने भाग लिया और डीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

# गिरि जी महाराज ने महारल में किया पेट्रोल पंप और सामुदायिक रेडियो 'ढटवाल की आवाज' का शुभारंभ

**एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान**

**बड़सर।** हमीरपुर जिले के ढटवाल स्थित महारल में सोमवार को क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाली दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं-भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के ढटवाल फिलिंग स्टेशन और 88.4 एफएम सामुदायिक रेडियो 'ढटवाल की आवाज' का भव्य शुभारंभ किया गया। दोनों परियोजनाओं का उद्घाटन श्रीश्रीश्री 1008 राजेंद्र गिरि जी महाराज, सिद्धपीठ दियोटसिद्ध ने अपने पावन कर-कमलों से किया।

बिझड़ी-धोड़ी-धबीरी मार्ग पर लगभग 20 किलोमीटर तक पेट्रोल पंप न होने से स्थानीय लोगों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वाहन चालकों और व्यवसायियों को ईंधन भरवाने के लिए दूर जाना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की खपत बढ़ जाती थी। महारल में स्थापित नया ढटवाल फिलिंग स्टेशन इस समस्या का समाधान साबित होगा। मार्ग के लगभग मध्य में स्थित यह स्टेशन अब क्षेत्र के हजारों निवासियों को सुगम ईंधन सुविधा प्रदान करेगा।

गिरि जी महाराज के आशीर्वाद से 88.4 एफएम सामुदायिक रेडियो 'ढटवाल की आवाज' का भी औपचारिक उद्घाटन किया गया। गूगल प्ले स्टोर और ऐप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध यह रेडियो स्टेशन हिमाचल प्रदेश के 6 तथा देश के लगभग 550 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों में शामिल हो गया है। स्टेशन का उद्देश्य स्थानीय जीवन से जुड़े विषयों संस्कृति, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास गतिविधियों को आवाज देना है। शुभारंभ के बाद मुख्य अतिथि ने रेडियो स्टूडियो से क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक रेडियो संवाद और जागरूकता का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरेगा।

### कुलदीप ने विकास पहल में सहयोग व आशीर्वाद के लिए जताया आभार

**भारत** सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय के सेवानिवृत्त प्रधान महानिदेशक कुलदीप सिंह ढटवालिया ने कहा कि विकास की यह पहल उनके माता-पिता, परिजनों और क्षेत्रवासियों के समर्थन और आशीर्वाद से संभव हो सकी है। उन्होंने बीपीसीएल तथा स्थानीय प्रशासन का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सब ईश्वर की कृपा और सामूहिक सहयोग का परिणाम है। ईश्वर हम सभी पर कृपा बनाए रखें।

**घोषणा** विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने पंचायत भवन के उद्घाटन पर की घोषणा

# कुठेड़ा में 10 लाख से बनेगा नया पटवारी भवन

**अनंत ज्ञान, सुजानपुर**

ग्राम पंचायत कुठेड़ा में लगभग दस लाख रुपये की लागत से पटवारी कार्यालय का निर्माण किया जाएगा। यह घोषणा सुजानपुर के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह ने पंचायत भवन के उद्घाटन के अवसर पर की। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर विधायक का ग्राम पंचायत कुठेड़ा के प्रधान और उपप्रधान ने शाल व टोपी पहनाकर भव्य स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने पूजा-अर्चना कर पंचायत भवन का विधिवत उद्घाटन किया।

स्थानीय प्रधान सतपाल ने विधायक का स्वागत करते हुए कहा कि कैप्टन रणजीत सिंह के विधायक बनने के बाद से ही पंचायत में विकास की गंगा बह रही है। उन्होंने बताया कि पंचायत में जो भी मांगें रखी गईं, उन्हें विधायक ने बिना किसी भेदभाव के पूरा किया। उप-प्रधान मंजीत ठाकुर ने भी बताया कि विधायक द्वारा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकासात्मक कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनमें बाहल-कुठेड़ा सड़क, कुठेड़ा मार्केट में पावर टाइल, मुठान-लोहाखड़िया मार्ग पर पैवर, संत राम के घर के पास पुलिया, भूड़ गांव में सड़कों का निर्माण, युवक एवं महिला मंडल भवनों के लिए धनराशि तथा हैंडपंपों के लिए मोटरें आदि शामिल हैं। विधायक कै. रणजीत सिंह ने कहा कि जनता ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका निर्वहन करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वे राजनीति नहीं, सेवा की भावना से काम करते हैं और विकास ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहले काम शुरू होने में वर्षों लग जाते थे, पर अब भूमिपूजन से लेकर उद्घाटन तक का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

सुजानपुर के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह पंचायत भवन का उद्घाटन करते हुए।

विधायक ने बताया कि टौनीदेवी भेजी गई पांच पंचायतें अब फिर से हमीरपुर में ही रहेंगी और इसकी आधिकारिक अधिसूचना जल्द जारी होगी। उन्होंने कहा कि कुठेड़ा में पटवार भवन की लंबे समय से मांग थी, जिसके लिए दस लाख रुपये का बजट जारी हो चुका है। भूमि सरकारी नाम होने के तुरंत बाद निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधान सतपाल, उप-प्रधान मंजीत, ब्लॉक समिति सदस्य नीलम कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष राजिंदर वर्मा, प्यार चंद, सचिन ठाकुर, पूर्व प्रधान अमन जस्वाल, महिला नेता वीनिता देवी, कंचन, बबलू सोनी सहित कई उपस्थित रहे।

**कहा- सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार तेज, कुठेड़ा में चल रहे 60 लाख के प्रोजेक्ट**

# अग्निहोत्री, चमन लाल और जगन कटोच जिला उपाध्यक्ष को नामित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो हमीरपुर**

भाजपा की जिला इकाई ने दिसंबर माह से प्रारंभ होने जा रही संगठनात्मक गतिविधियों एवं अभियान के लिए मंडल एवं जिला स्तर पर प्रभारियों की नियुक्तियां कर दी हैं। इन संगठनात्मक कार्यों के लिए भोरंज के लिए विपन अग्निहोत्री (जिला उपाध्यक्ष), समीरपुर के लिए चमन लाल ठाकुर (जिला उपाध्यक्ष), बमसन के लिए विनोद ठाकुर (जिला प्रवक्ता), सुजानपुर के लिए जगन कटोच (जिला उपाध्यक्ष), हमीरपुर शहरी के लिए सुरेंद्र मिन्हास (जिला सचिव), हमीरपुर ग्रामीण के लिए होशियार सिंह (जिला कार्यालय सचिव), बड़सर के लिए संजीव शर्मा (जिला उपाध्यक्ष), ढटवाल के लिए राजेश सहगल (जिला महामंत्री), नादौन के लिए मनजीत ठाकुर (जिला सचिव) और गलोड़ के लिए राजिंद्र कुमार (जिला सचिव) को नामित किया गया है।

पार्टी ने जिला हमीरपुर के पांचों मोर्चों के भी प्रभारी नियुक्त किए हैं, जिनमें महिला मोर्चा के लिए राजकुमारी ठाकुर (जिला उपाध्यक्ष), युवा मोर्चा के लिए अजय रिंटू शर्मा (जिला महामंत्री), किसान मोर्चा के लिए हरीश शर्मा (प्रदेश कार्यसमिति सदस्य), अनुसूचित जाति मोर्चा के लिए कमल नयन (प्रदेश कार्यसमिति सदस्य) और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के लिए हुक्म सिंह बैंस (प्रदेश कार्यसमिति सदस्य) शामिल हैं।

इसके अलावा पार्टी 1 दिसंबर को होने वाले विधानसभा घेराव और धरना-प्रदर्शन हेतु विधानसभा क्षेत्रों के लिए सह-प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं। भोरंज के लिए राकेश ठाकुर (जिलाध्यक्ष), सुजानपुर के लिए प्रियव्रत शर्मा (जिला सह-प्रभारी), हमीरपुर के लिए राजेश सहगल (जिला महामंत्री), बड़सर के लिए अजय रिंटू शर्मा (जिला महामंत्री) और नादौन के लिए अमित ठाकुर (जिला प्रभारी) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा बूथ स्तर तक पार्टी की गतिविधियों का विस्तार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह नियुक्तियां की गईं हैं।

# असंतुलित मौसम से हिलता हिमाचल

## अनिश्चित मौसम और आपदाओं का उभार बढ़ा, तापमान वृद्धि और अवैज्ञानिक विकास बने कारण

**सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश का मौसम अब किसी तयशुदा लय में नहीं बहता। कभी जनवरी माह की गहरी ठंड में बारिश होने लगती है, कभी मई-जून में बर्फ की परतें दिख जाती हैं, और कभी साफ दिन अचानक आपदा का रूप ले लेता है। पहाड़ों के इस नए मौसमी चरित्र ने पूरे प्रदेश को असहज कर दिया है। बीती एक सदी में राज्य का औसत तापमान लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है और अनुमान है कि आने वाले दशकों में यह 2 से 3 डिग्री तक पहुंच सकता है। वर्ष 2025 के मानसून में 46 प्रतिशत अतिरिक्त वर्षा दर्ज हुई, जिसने 366 लोगों की जान ले ली और चार हजार करोड़ से अधिक का नुकसान किया। पिछले चार वर्षों में आपदाओं ने 1,700 से भी ज्यादा जीवन छीन लिए और कुल नुकसान 46,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके पीछे हरे भरे जंगलों में अवैध कटान, जंगलों में आग की बढ़ोतरी, ढलानों पर अनियंत्रित अंधाधुंध निर्माण और 70 प्रतिशत से अधिक प्राकृतिक जलस्रोतों का समाप्त होना बड़े कारण माने जा रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम की ये अनिश्चितता अब जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। कृषि और बागवानी लगातार असंतुलित वर्षा, सूखे और अचानक बर्फबारी के चलते संकट में हैं। खेतों की मिट्टी कटाव का शिकार हो रही है, बागों में फल-चक्र गड़बड़ा रहा है और कई क्षेत्रों में भूस्खलन व हिमस्खलन आम होता जा रहा है। पर्यटन और अवसंरचना भी भारी दबाव में हैं। इस वर्ष दर्ज किए गए 47 क्लाउडबर्स्ट, 98 फ्लैशफ्लड और 148 बड़े भूस्खलनों ने सड़कों, पुलों, जलविद्युत परियोजनाओं और घाटियों में बसे गांवों को गंभीर क्षति पहुंचाई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जलसंकट बढ़ रहा है, क्योंकि सदियों से बहते झरने व वसंत सूखने लगे हैं। तापमान असंतुलित रहने के कारण स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ रहे हैं, हवा में धूलकण, तापमान के अचानक उतार-चढ़ाव और प्रदूषण-जनित रोग खास तौर पर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं।

प्रदेश सरकार ने जलवायु परिवर्तन और उससे पैदा खतरों को समझते हुए कई योजनाएं तैयार की हैं। हिमालयी पारिस्थितिकी के अध्ययन के लिए विशेष ज्ञान-कोष की स्थापना, मौसम से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के आकलन की योजना, और चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने की प्रक्रिया, ये सभी प्रयास सराहनीय हैं, परंतु जमीनी हकीकत अब भी मुश्किलों से भरी है। दूरदराज इलाकों में सूचना प्रणाली कमजोर है, अवैज्ञानिक निर्माण जारी है, और कई परियोजनाएं पर्यावरण-आकलन की अनदेखी के चलते जोखिम को बढ़ा रही हैं। यदि विकास को जलवायु-सहनशील ढांचे में नहीं ढाला गया तो भविष्य में होने वाली क्षति और अधिक भयावह हो सकती है।

### हर जिला प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त

**यहां** पर हर जिला अपने-अपने रूप में इस बदलाव का भार ढो रहा है। मंडी में भूस्खलन और तेज वर्षा कई बार गांवों तक को उजाड़ चुके हैं। कुल्लू घाटी में अचानक बढ़ते मलबा-बहाव और बाढ़ ने ऊपरी क्षेत्रों की स्थिरता हिला दी है। चंबा में नदी का उफान और लगातार भूस्खलन अब सामान्य घटनाएं बन चुकी हैं। शिमला में भूमि कटाव भारी नुकसान पहुंचा रहा है। ये उदाहरण बताते हैं कि मौसम का प्रहार अब किसी एक इलाके तक सीमित नहीं, बल्कि पूरा हिमाचल इसकी गिरफ्त में है।

अनंत ज्ञान मुद्दा

### विकास व संरक्षण चलाने होंगे साथ-साथ

**प्रकृति** संकेत दे रही है कि यदि पहाड़ों की सांसें बचानी हैं, तो विकास और संरक्षण साथ-साथ चलाने होंगे। यह समय है जब हिमाचल सरकार निकट भविष्य के लिए निर्णायक कदम उठाए। जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना, जंगलों की रक्षा करना, अनियंत्रित निर्माण पर नियंत्रण लगाना, संवेदनशील इलाकों का वैज्ञानिक अध्ययन करना और चेतावनी प्रणालियों को मजबूत बनाना, ये सिर्फ सरकारी जिम्मेदारियां नहीं, बल्कि पूरी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। देवभूमि की सुंदरता, उसकी शांति, उसकी पहचान, सब प्रकृति के संतुलन पर टिकी है और यह संतुलन तभी सुरक्षित रहेगा जब हम पहाड़ों की बदलती लय को समझें और उसके अनुरूप कदम उठाएं।

# किसानों के हित में उर्वरकों की समयबद्ध और पर्याप्त आपूर्ति की जाएगी सुनिश्चित : पठानिया

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

शिमला में उर्वरक उपलब्धता समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया।

हिमाचल प्रदेश में खाद-उर्वरकों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पारंपरिक रासायनिक उर्वरकों जैसे यूरिया और एनपीके 12:32:16 के स्थान पर नैनो यूरिया और नैनो डीएपी को विकल्प रूप में उपलब्ध करवाए जाने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि हिमफेड की ओर से एनपीके 16:16:16 भी किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे।

बैठक में यह भी बताया गया कि 50 किलोग्राम एनपीके 12:32:16 की बोरी का मूल्य अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के चलते इस वर्ष 1470 रुपए से बढ़कर 1900 रुपए हो गया है। लगभग मध्य हिस्से में बैठक की अध्यक्षता कर रहे उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उर्वरकों की समयबद्ध और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे किसी किसान को कमी या अव्यवस्थित वितरण का सामना न करना पड़े।

पठानिया ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आने वाले सीजन में उर्वरक वितरण में किसी प्रकार का व्यवधान न आए। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरक विकल्प न केवल आपूर्ति बनाए रखने में

**कहा- नैनो उर्वरक विकल्प आपूर्ति बनाए रखने में होंगे सहायक**

सहायक होंगे, बल्कि पारंपरिक रसायनों के दुष्प्रभाव भी कम करेंगे। बैठक में निदेशक कृषि रविंद्र सिंह जसरोटिया, हिमफेड के महाप्रबंधक विकास वर्मा सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### देशवासियों के लिए सदैव लाजपत राय का साहस व बलिदान रहेगा प्रेरणादायक: हरीश

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** शिमला शहरी के विधायक हरीश जनारथा ने सोमवार को शेर-ए-पंजाब लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में लाला लाजपत राय का साहस और बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणादायक रहेगा। अंग्रेजी शासन की निर्मम लाठियां सहकर शहीद हुए इस महान सपूत की बदौलत हम आज स्वतंत्र भारत में खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के ऐसे वीर सपूतों को स्मरण करना हमारा कर्तव्य है। उप महापौर उमा कौशल ने पार्षदों व अन्य गणमान्य नागरिकों के साथ स्कैंडल प्वाइंट स्थित लाला लाजपत राय के स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के कलाकारों ने देशभक्ति गीतों और भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर डीसी शिमला अनुपम कश्यप, एसपी संजीव कुमार गांधी, आयुक्त भूपेंद्र अत्री, एडीएम ज्योति राणा, एडीएम पंकज शर्मा, संयुक्त आयुक्त डॉ. भुवन शर्मा, सहायक आयुक्त देवी चंद ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

### चियोग स्कूल का वार्षिक समारोह आज

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चियोग में 18 नवंबर को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह बड़ी उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता चियोग पंचायत के प्रधान दिनेश जागटा करेंगे, जबकि व्यवसायी टिंकी शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। प्रधानाचार्य संदीप शर्मा ने बताया कि पिछले शैक्षणिक सत्र में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

### छात्रावासों की बदहाल स्थिति पर सौंपा ज्ञापन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के छात्रावासों में बढ़ती अव्यवस्थाओं और मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर एसएफआई ने कुलपति को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। निरीक्षण के दौरान एसएफआई परिसर सचिव मुकेश ने कहा कि शुद्ध पेयजल, सुरक्षित भवन, स्वच्छ शौचालय, अध्ययन कक्ष, फर्नीचर और मेडिकल सुविधा जैसी बुनियादी आवश्यकताएं लंबे समय से उपेक्षित हैं। छात्रों को रोजमर्रा की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन इन मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा। एसएफआई ने श्रीखंड बॉयज़ हॉस्टल की जर्जर स्थिति को तत्काल सुधारे जाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि भवन दीवारों व संरचना की खराब अवस्था छात्र सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी है। इसके साथ ही एसबीएस और वाईएसपी हॉस्टलों के पुनर्विकास, टूटे फर्नीचर को बदलने, सभी मंज़िलों पर वॉटर प्यूरीफायर लगाने, छात्रावास मार्ग व सपोर्ट वॉल्स के निर्माण, कैंटीन सुविधा बहाल करने तथा इनडोर-आउटडोर खेल सुविधाओं की उपलब्धता की मांग भी रखी गई। एसएफआई ने कहा कि श्रीखंड हॉस्टल को जल्द शुरू किया जाए और नए सत्र में इसे छात्रों को आवंटित किया जाना चाहिए।

### बेघर किसानों को भूमि आबंटन कानून की मांग तेज

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** भारतीय किसान संघ हिमाचल प्रदेश की प्रदेश प्रबंध समिति की दो दिवसीय बैठक हिमरश्मि परिसर, विकासनगर शिमला में सम्पन्न हुई। बैठक में हाल की प्राकृतिक आपदाओं से किसानों-बागवानों को हुए भारी नुकसान पर गंभीर चिंता जताई गई। समिति ने कहा कि मंडी, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में सैंकड़ों लोग अपनी कृषि भूमि और घर खो चुके हैं। ऐसे बेघर किसानों को पुनर्वास हेतु कम से कम 5 बीघा भूमि देने और घर बनाने के लिए 10 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की मांग उठाई गई। बैठक में पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की 112 बीघा भूमि निजी पर्यटन कंपनी को हस्तांतरित करने का कड़ा विरोध किया गया। संघ ने अवैज्ञानिक सड़क और पनविद्युत परियोजनाओं, अत्यधिक पहाड़ी कटान और बढ़ते भूस्खलनों को गंभीर खतरा बताया। लाहौल-स्पीति में ग्लेशियर पिघलने से बनी घेपन झील के विस्तार को भी चिंता का विषय कहा गया। प्रदेश में बदलती जनसांख्यिकी और बिना पहचान रह रहे बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित करने की मांग भी रखी गई।

# सड़क व स्वास्थ्य सुविधाओं को दी जा रही नई रफ्तार : रोहित

## शिक्षा मंत्री ने धनद्रोंटी-केहमली सड़क का किया उद्घाटन, पीएचसी पुड़ग का निर्माण कार्य जांचा

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

जिला शिमला की उपमंडल कोटखाई के पुड़ग क्षेत्र में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने 1 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से निर्मित धनद्रोंटी-केहमली सड़क का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने 1 करोड़ 91 लाख रुपये से बन रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुड़ग के भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत पुड़ग से उनका गहरा भावनात्मक जुड़ाव है और इसी कारण यहां मूलभूत ढांचों को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 35 लाख रुपए से पुड़ग संपर्क मार्ग की मेटलिंग-टारिंग प्रगति पर है, जबकि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना चरण-3 के तहत गुम्मा-रेओघाटी सड़क के लिए लगभग 27 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं। पंचायत भवन पुड़ग के लिए भी 35 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

कोटखाई में एक विशेष कार्यक्रम में मौजूद शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान व अन्य।

रोहित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल जैसे पर्वतीय प्रदेश में सड़कें विकास की जीवन रेखा हैं, इसलिए कांग्रेस सरकार ने इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जुब्बल-नावर-कोटखाई विस क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों में 148 सड़कों की पासिंग हो चुकी है और 500 करोड़ के सड़क निर्माण व मरम्मत कार्य प्रगति पर हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, पेयजल और बिजली जैसी सुविधाओं पर भी करोड़ों रुपये का निवेश किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान जुब्बल-कोटखाई में 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत किए गए थे, जिनमें पुड़ग का स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल है, जिसका निर्माण जल्द पूरा कर जनता को समर्पित किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बदलते मौसम के कारण पेयजल एक गंभीर चुनौती बन चुका है, इसलिए पब्बर नदी से बड़ी उठाऊ पेयजल योजना 38 करोड़ रुपये की लागत से तेजी से तैयार की जा रही है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है और इससे जुब्बल-कोटखाई क्षेत्र की 27 पंचायतों को नियमित पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने स्थानीय मांगों पर आश्वासन देते हुए कहा कि केहमली सड़क की मेटलिंग-टारिंग जल्द करवाई जाएगी तथा अगले दो महीनों में केहमली बिजली ट्रांसफार्मर का स्तरोन्नयन भी पूरा कर दिया जाएगा।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मोती लाल डेरटा, रेणु चौहान, नितिन, गुमान सिंह चौहान, कृषि एवं ग्रामीण बैंक निदेशक देविंदर नेगी, नगर पंचायत कोटखाई के पूर्व अध्यक्ष रविंदर चौहान, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक कालटा, एसडीएम गुरमीत नेगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

### सरकार के प्रयास से पूरी हुई वर्षों पुरानी मांग : नरेश चौहान

**मुख्यमंत्री** के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि केहमली गांव लंबे समय से सड़क सुविधा से वंचित था, लेकिन शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और कांग्रेस सरकार के प्रयासों से यह सड़क बनकर तैयार हुई है। उन्होंने ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा कि यह विकास कदम क्षेत्र की प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

# ओम प्रकाश ने बिरसा मुंडा की विरासत और आदिवासी योगदान पर डाला प्रकाश

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।**

प्रदेश विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विश्वविद्यालय इकाई ने जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम उलगुलान का आयोजन किया। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ आरंभ हुए कार्यक्रम में छात्राओं, पदाधिकारियों और आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति ने वातावरण को गरिमामयी बना दिया। मुख्य अतिथि ओम प्रकाश शर्मा ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आदिवासी समुदायों के योगदान को याद करते हुए कहा कि यह दिवस भारत के जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका और सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान देने का अवसर है।

कार्यक्रम में हिमाचल की विविध घाटियों की लोकसंस्कृति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। चंब्याली नाटी, शिमला नाटी, सिरमौर नाटी, लाहौली और गद्दियाली नाटी के साथ पंजाब के ऊर्जावान भांगड़ा ने सभागार को उत्साह से भर दिया। विशेष रूप से किनौरी नाटी ने छात्रों का ध्यान अपनी अनूठी

**जनजातीय गौरव दिवस पर एचपीयू में 'उलगुलान' का रंगारंग आयोजन '**

लय और परंपरागत सौंदर्य के कारण गहराई से खींचा। कलाकारों की ऊर्जा, ताल और परिधान हिमाचली लोकजीवन को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते दिखे, जिससे छात्र स्थानीय संस्कृति से और अधिक जुड़ते नजर आए। अभाविप इकाई अध्यक्ष अक्षय ठाकुर ने कहा कि उलगुलान केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि परंपराओं को समझने और सांस्कृतिक विरासत से परिचित होने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इकाई सचिव सुशील शर्मा ने बताया कि परिषद आगे भी ऐसे रचनात्मक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी, ताकि परिसर में सकारात्मक शैक्षणिक माहौल बने और छात्र मानसिक तनाव से दूर रहकर अपनी प्रतिभा को निखार सकें। मीडिया संयोजक राखी दत्याल ने बताया कि कार्यक्रम में मिले उत्साहजनक प्रतिसाद ने इसे विश्वविद्यालय के यादगार आयोजनों में शामिल कर दिया।

# विश्व हिंदू परिषद ने गो सेवक के साथ हुए दुर्व्यवहार का किया विरोध

एसडीएम रामपुर को ज्ञापन सौंपते विहिप पदाधिकारी और गोशाला संचालक।

**आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान**

**रामपुर बुशहर।** हाल ही में चंबा में विशेष समुदाय द्वारा सामने आई घटना और रामपुर दत्तनगर में गौ सेवक के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर विश्व हिंदू परिषद व स्थानीय गोशाला संचालकों ने एसडीएम रामपुर को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने बताया कि रामपुर क्षेत्र में सरकारी और वन भूमि पर अवैध रूप से बस्तियां बसाई जा रही हैं, जहां पक्के मकान तेजी से बनाए जा रहे हैं। ज्ञापन में कहा कि दत्तनगर और सराहन के मातला क्षेत्र में सतलुज किनारे पक्के ढांचे खड़े किए जा रहे हैं, जिससे न केवल अवैध कब्जे बढ़ रहे हैं, बल्कि धार्मिक तनाव की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। परिषद ने आरोप लगाया कि दत्तनगर स्थित गोशाला को नुकसान पहुंचाने और गो सेवकों को डराने-धमकाने की कोशिशें भी की जा रही हैं।

विहिप जिला अध्यक्ष सुरेश मेहता ने कहा कि चंबा की तरह ही रामपुर में भी गौ सेवकों को निशाना बनाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने मांग की कि वन व सरकारी भूमि पर बने अवैध मकानों को तोड़ा जाए व क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। परिषद ने लोगों से अपील की कि वे अपने मवेशियों को पालने के नाम पर किसी को न सौंपें। परिषद ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

### शिक्षकों के दायित्वों को एक समान और पारदर्शी तरीके से बांटने की प्रक्रिया शुरू

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** प्रदेश में स्कूलों के भीतर शिक्षकों के दायित्वों को एक समान और पारदर्शी तरीके से बांटने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। निदेशालय उच्च एवं प्रारंभिक शिक्षा द्वारा जारी पत्र में सभी जिला उपनिदेशकों से कहा गया है कि वे अपने-अपने ज़िलों में शिक्षकों को दी जा रही जिम्मेदारियों की मौजूदा व्यवस्था की रिपोर्ट भेजें और साथ ही सुधार के सुझाव भी प्रस्तुत करें। जानकारी के अनुसार यह पत्र 11 नवंबर को शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद जारी किया गया है। बैठक में यह चर्चा हुई थी कि स्कूलों में शिक्षकों को दिए जाने वाले दायित्वों में एकरूपता की कमी दिखाई देती है। कई बार समान कार्य अलग-अलग स्कूलों में अलग-अलग पदों को दे दिया जाता है, जिससे भ्रम की स्थिति बनती है। निदेशालय ने सभी उपनिदेशकों को निर्देश दिया है कि वे प्रस्ताव तैयार कर 10 दिनों के भीतर ईमेल के माध्यम से भेजें। जारी सूची में छात्रवृत्ति, एनएसएस, एनसीसी, आपदा प्रबंधन, परीक्षा, इको क्लब, खेल-संस्कृति, एमडीएम, लाइब्रेरी, स्काउट एंड गाइड, स्वच्छता मिशन, यूथ पार्लियामेंट, आईसीटी, लैब, सीएससी, पीएम पोषण जैसी कई जिम्मेदारियां शामिल की गई हैं। इनमें किस स्तर के स्कूल में कौन-सा पदाधिकारी इन कामों को संभालेगा, इसका भी प्रारूप सुझाया गया है।

# आउटसोर्स एजेंसियों के जरिए दिया जा रहा भ्रष्टाचार को बढ़ावा : जयराम ठाकुर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सुक्खू सरकार आया हेल्पर भर्ती को भ्रष्टाचार और अराजकता का नया माध्यम बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 6202 प्री-प्राइमरी स्कूलों में निकाली गई आया हेल्पर भर्ती पूरी तरह नियमहीन है और इसमें चयन प्रक्रिया को लेकर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं। इससे यह साफ है कि सरकार अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने और चुनावी माहौल को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जहां इस योजना में 90 प्रतिशत वित्तीय हिस्सेदारी दे रही है, वहीं राज्य सरकार इसे आउटसोर्स के जरिए राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने में जुटी है।

जयराम ठाकुर का कहना है कि मंत्री अपने करीबी लोगों को आउटसोर्स एजेंसियां खोलने के निर्देश पहले ही दे चुके हैं, ताकि इनके माध्यम से नौकरियों का कारोबार चल सके। उन्होंने आरोप

**कहा- आया हेल्पर भर्ती में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दे रही सरकार**

### पंचायत चुनावों से पहले ही नियुक्तियों में हो रहे हेरफेर

**जयराम** ठाकुर ने कहा कि सरकार ने भर्ती कर रही कंपनियों को निर्देशित किया है कि पंचायत चुनावों से पहले ही नियुक्तियां दी जाएं और किसे नियुक्त करना है यह सरकार खुद तय करेगी। इसे उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया। जयराम ठाकुर का कहना है कि केंद्र द्वारा सहायता प्राप्त इस योजना को भी सुक्खू सरकार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रही है और प्रदेश के हक का नुकसान कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस प्रकार की मंशा को कामयाब नहीं होने देगा।

लगाया कि पहले भी आउटसोर्स नौकरियों के नाम पर लाखों रुपये वसूले गए और सरकार के करीबियों पर मनमानी के गंभीर आरोप लगे। एनटीटी भर्ती में अनियमितताओं और न्यायालय की कड़ी टिप्पणियों को याद कराते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की हर नई भर्ती का तरीका जनता के अधिकारों को कुचलने और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देने जैसा है।

**अनावरण** लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह की उपस्थिति में गूंजा जनसम्मेलन

# रोहड़ू में पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण

पुराना बस अड्डा रोहड़ू में स्थापित पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का हुआ अनावरण।

**सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान**

**शिमला।** रोहड़ू के पुराने बस अड्डे में हिमाचल प्रदेश के आधुनिक निर्माता कहे जाने वाले राजा वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का भव्य अनावरण लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह और पूर्व सांसद व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने किया। समारोह में उमड़ी भीड़ ने उस जननेता को याद किया जिसने कठिन परिस्थितियों में भी प्रदेश विकास की मजबूत नींव रखी। मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि राजा साहब सिर्फ राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं थे बल्कि वह प्रदेश के विकास का दूसरा नाम थे, जिनके दिखाए मार्ग पर चलना सभी का दायित्व है।

विक्रमादित्य सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र की 22 सड़कों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण-4 के अंतर्गत 64 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये के कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि रोहड़ू-चिड़गांव सड़क के लिए 19 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और डोडरा-क्वार सड़क पर लगी रोक भी समाप्त कर दी गई है। मंत्री ने निर्देश दिए कि जो ठेकेदार समय पर काम पूरा नहीं करते उन्हें आगे कार्य न दिए जाएं।

समारोह के दौरान हवा में तलवार लहराते हुए लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह का जोशीला अंदाज।

इस अवसर पर मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने 11 करोड़ 19 लाख रुपये से निर्मित सन्दौर पुल का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि इस पुल के बन जाने से क्षेत्रवासियों को आवागमन की बड़ी राहत मिलेगी और संपर्क मार्ग मजबूत होंगे। कार्यक्रम में राजा वीरभद्र सिंह के जीवन पर बनी डॉक्यूमेंट्री और एक गीत का भी विमोचन हुआ। कई विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

### प्रतिभा सिंह ने याद दिलाई वीरभद्र सिंह की जनसेवा

**प्रदेश** कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि राजा वीरभद्र सिंह हमेशा कहते थे कि रोहड़ू उनका कर्मक्षेत्र है और यहां से ही वह संपूर्ण विकास की राह बनाना चाहते हैं। वह पांच बार इस क्षेत्र से विधायक बने और हर गांव-ढांडे में जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को भी राजा साहब की जनसेवा और सरलता से प्रेरणा लेनी चाहिए।

# प्रदेश में कड़ाके की ठंड की दस्तक 4 स्थानों पर तापमान माइनस दर्ज

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला**

प्रदेश में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। न्यूनतम पारा गिरने से प्रदेश की रातें और ज्यादा ठंडी हो गई हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सोमवार को प्रदेश के चार स्थानों पर न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज किया गया। लाहौल-स्पीति के ताबो में सबसे कम -5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन की सबसे ठंडी रातों में से एक है। केलांग में -1.0, कुकुमसेरी में -4.9 और समदो में -0.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ।

प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में दिन के समय धूप निकली है, लेकिन सुबह-शाम की ठिठुरन तेज हो गई है। बिलासपुर में हल्का और सुंदरनगर में घना कोहरा छाया रहा। ऊना और पांवटा साहिब में अधिकतम तापमान 27 डिग्री तक पहुंचा, जो दिन में हल्की गर्माहट का अहसास दे रहा है।

मौसम विभाग का कहना है कि 23 नवंबर तक हिमाचल में मौसम

**23 तक साफ रहेगा मौसम ताबो में पारा -5 डिग्री पहुंचा**

पूरी तरह साफ रहने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता कम होने के कारण बारिश और बर्फबारी की कोई संभावना नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, भले ही ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान तेजी से गिर रहा है, लेकिन अभी कड़ाके की ठंड पड़ने की स्थिति नहीं बनी है। अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

राज्य के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया है। शिमला में 10.2, सुंदरनगर 5.0, भुंतर 3.9, सोलन 4.0, मनाली 3.7, कांगड़ा 8.0, मंडी 6.8 और हमीरपुर में 6.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ है। ऊंचाई वाले इलाकों में पानी जमने लगा है और कई गांवों में सुबह-शाम बर्फीली हवा चल रही है।

## संघर्ष समिति ने प्रदेश सरकार को चेताया, जिलेभर में 400 करोड़ से अधिक के बिल अभी तक पड़े हैं पेंडिंग

# पेंमेंट न मिली तो ठेकेदार घेरेंगे विधानसभा

- अकेले जल जीवन मिशन की 110 की पेमेंट पेंडिंग, करोड़ों के कार्यों पर लगी ब्रेक
- इतिहास में पहली बार पेमेंट को तरसे ठेकेदार, पिछला पैसा फंसा नया काम कैसे करें शुरू

**राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

अनंत ज्ञान मुद्दा

**धर्मशाला।** कांगड़ा जिले के ठेकेदारों की संघर्ष समिति ने पेमेंट पेंडेंसी पर प्रदेश सरकार को चेताया है कि शीतकालीन सत्र से पहले पेमेंट को लेकर आश्वासन नहीं मिला तो सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव किया जाएगा। ठेकेदारों का कहना है कि इतिहास में पहली बार हुआ है कि उन्हें पेमेंट को तरसना पड़ रहा है, पिछला पैसा फंसा हुआ है।

ऐसे में नया कार्य कैसे शुरू करें। जिले में अकेले जल जीवन मिशन की 110 करोड़ रुपए की बिल पेडेंसी हैं, जबकि जिलेभर के ठेकेदारों के 400 करोड़ से अधिक के बिल पेंडिंग पड़े हुए हैं।

हालांकि, ठेकेदारों का कहना है कि उन्हें नए कार्य अवार्ड हुए हैं, लेकिन पिछली पेमेंट न आने से नए कार्य शुरू करने में दिक्कतें आ रही हैं। यही वजह है कि ठेकेदारों ने जिलेभर में उन्हें अवार्ड कार्यों पर ब्रेक लगा दी है तथा नए कार्यों पर हाथ भी नहीं डाल रहे। ठेकेदारों का कहना है कि आलम यह है कि उन्हें लेबर सहित निर्माण कार्यों के लिए सीमेंट व सरिया की राशि का भुगतान करना मुश्किल हो गया है। समिति के अनुसार, टोकन ट्रेजरी में पहुंच चुके हैं, लेकिन पेमेंट नहीं हो रही। इसी माह तपोवन में शुरू हो रहे शीत सत्र से ठेकेदारों को उम्मीद है कि सरकार इससे पहले उनकी पेमेंट देने का रास्ता निकालेगी।

### इतिहास में पहली बार ठेकेदारों को झेलनी पड़ रही परेशानी : राजेश

**ठेकेदार** राजेश चड्ढा का कहना है कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि धर्मशाला के ठेकेदारों के बिलों का भुगतान दो वर्ष से लंबित पड़ा है। अन्य जगहों पर कुछ न कुछ पेमेंट हो रही है, लेकिन धर्मशाला में पेमेंट न होने की वजह से ठेकेदार परेशानी का दंश झेल रहे हैं। विभागों के पास बिल तैयार पड़े हैं, लेकिन अभी तक ट्रेजरी में बिल ही नहीं जा पाए हैं। ट्रेजरी में एलओसी भी आती है तो पता नहीं कहां जाती है। टुकड़ों में भुगतान की वजह से ज्यादा नुकसान होता है, साल या छह महीने में 60-70 हजार का भुगतान किया जाता है। विभाग को पूछने पर जवाब मिलता है कि एलओसी नहीं आ रही है। वहीं ट्रेजरी बंद पड़ी है। कई ठेकेदारों के तो टोकन तक ट्रेजरी में नहीं गए हैं। सरकार को इस मसले पर जल्द ठोस कदम उठाने चाहिए।

### बिना पैसे के कैसे होगा काम : विवेक डोगरा

**विवेक** डोगरा का कहना है कि बिन पैसे ठेकेदार काम कैसे करेंगे। ठेकेदारों को लेबर, मैटीरियल, हार्डवेयर के बिल चुकाना मुश्किल हो गया है। वर्तमान में कार्य करना मुश्किल है, क्योंकि सीमेंट व सरिया ठेकेदार को खुद अरेंज करना पड़ता है, ऐसे में इन सामग्रियों का भुगतान कहां से करें, यह चिंता ठेकेदारों को सता रही है। उन्होंने कहा कि अभी जो कार्य पेंडिंग हैं, उन्हें शुरू करवाने के लिए सरकार को पहले पिछली पेमेंट करनी होगी, क्योंकि काम तो ठेकेदारों को अवार्ड हुए हैं, लेकिन उन कार्यों को करने के लिए ठेकेदारों के पास पैसा नहीं है। पिछला पैसा आने पर ही ठेकेदार नए कार्य शुरू कर सकते हैं। ठेकेदारों का पिछला पैसा फंसा है, ऐसे में नए कार्यों को शुरू करने से ठेकेदार हाथ पीछे खींच रहे हैं, क्योंकि ठेकेदारों की भी कई देनदारियां होती हैं, जिनका भुगतान समय न होने से सामग्री नहीं मिल पाती।

### आश्वासन दो, वरना होगा विधानसभा का घेराव : गोल्डी

**संघर्ष** समिति के अध्यक्ष गोल्डी ने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले सरकार की ओर से पेमेंट को लेकर कोई आश्वासन नहीं मिला तो विधानसभा का घेराव करने से ठेकेदार पीछे नहीं हटेंगे। जिला कांगड़ा के लोक निर्माण विभाग और जल शक्ति विभाग के करीब 45 करोड़ के टोकन ट्रेजरी में पड़े हैं, जिन्हें क्लीयर नहीं किया जा रहा। जल जीवन मिशन की ही 110 करोड़ के लगभग पेमेंट पेंडिंग पड़ी है। जिले के ठेकेदारों की वर्तमान में 400 करोड़ रुपए के करीब पेमेंट पेंडिंग है, सरकार से बार-बार आग्रह के बावजूद अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए हैं, ऐसे में ठेकेदारों को परिवार चलाना व लेबर को भुगतान करना तक मुश्किल हो गया है। ठेकेदारों को पिछली पेमेंट न होने के चलते मौजूदा दौर में जिला कांगड़ा में 200 करोड़ रुपए के करीब कार्य ठप पड़े हैं, क्योंकि ठेकेदारों का स्टैंड क्लीयर है कि पुरानी पेमेंट होने के बाद ही नए कार्य किए जाएंगे।

## डीसी कार्यालय के बाहर पकौड़े तल चुके हैं ठेकेदार

**लंबे** समय से पेमेंट न होने से ठेकेदार लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। दो से तीन बार जिला के ठेकेदार जिला मुख्यालय धर्मशाला में एकत्रित होकर सरकार से पेंडिंग पेमेंट जारी करने की डिमांड कर चुके हैं, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। इसी कड़ी में कुछ दिन पहले ठेकेदारों ने धर्मशाला में प्रदर्शन करते हुए डीसी कार्यालय के बाहर पकौड़े तलते हुए प्रदर्शन किया था। साथ ही कहा था कि अगर सरकार उन्हें पेमेंट नहीं देती है, तो उन्हें इसी तरह पकौड़े तलने और चाय बेचने को मजबूर होना पड़ेगा। हालांकि, उस दौरान ठेकेदारों को उम्मीद थी कि सरकार सकारात्मक कदम उठाएगी, लेकिन अभी तक ऐसा कुछ नहीं हो पाया है।

## उपजातियों संग गद्दी शब्द न जोड़ने पर होगा विधानसभा का घेराव

प्रेसवार्ता करते यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष मोहिंद्र सिंह व अन्य।

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

- यूनियन बोली- धरना-प्रदर्शन व गिरफ्तारियों से पीछे नहीं हटेंगे समुदाय के लोग

**पिछले** 23 वर्षों से मांग अधूरी है, फिर भी सरकार से आस है। गद्दी समुदाय की उपजातियों से गद्दी शब्द न जोड़ने पर शीतकालीन सत्र के दौरान तपोवन में विधानसभा का घेराव करने की बात हिमालयन गद्दी यूनियन ने कही है। यूनियन का कहना है कि सत्र से पहले यूनियन पदाधिकारियों को सरकार वार्ता के लिए नहीं बुलाती है, तो धरना-प्रदर्शन के साथ गिरफ्तारियां देने से भी समुदाय के लोग पीछे नहीं हटेंगे।

यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष मोहिंद्र सिंह ने सोमवार को प्रेसवार्ता में कहा कि गद्दी समुदाय की 13 उपजातियों में से छह के साथ भू-अभिलेख में गद्दी शब्द जुड़ने के बावजूद 23 वर्षों से मांग लंबित चल रही है। उन्होंने कहा कि गद्दी समुदाय की 13 उपजातियों में से छह सिप्पी, हाली, धोगरी, वाड़ी, रिहाड़े व लाहौर गद्दी शब्द से छूट गई हैं, जिनके साथ गद्दी शब्द जोड़ा जाना है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से तीन से पांच बार सर्वे करवाया गया। साथ ही कई महत्वपूर्ण रिपोर्ट व कई संस्थानों व संगठनों ने भी उपजातियों को गद्दी शब्द जुड़ना उचित पाने की सिफारिश की थी। बावजूद सरकार की ओर से कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वर्तमान प्रदेश सरकार से कई बार मिलने पर तीन बार इस संदर्भ में कार्य करने का आश्वासन दिया है, जबकि सरकार की ओर से इस संबंध में कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि कांगड़ा-चंबा सहित प्रदेशभर में आठ लाख के करीब जनसंख्या है। 15 से 16 विधानसभा में भी काफी बड़ा असर देखने को मिलता है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मांग की कि जल्द इस संबंध में उचित कदम उठाए हैं। उन्होंने सीएम को आगाह करते हुए कहा इस विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले पदाधिकारियों से मिलना होगा। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं की जाती है तो विधानसभा का घेराव किया जाएगा व उग्र आंदोलन करेंगे। इस मौके पर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगत राम, जिलाध्यक्ष रविंद्र सिप्पी, भागमल, बलबीर, राजू सिप्पी, सविता सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### पंडित विपन को मिला बेस्ट एस्ट्रोलॉजर अवॉर्ड

**अनंत ज्ञान, जवाली।** नई दिल्ली के पीरागढ़ी में पांच सितारा प्रीसीयस फॉरेवर वेंकट हाल में स्टार अचीवर अवॉर्ड सीजन 17 का आयोजन टैरोट क्वीन मीनू शर्मा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 प्रसिद्ध ज्योतिषी, टैरोट रीडर और फैशन क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। जिला कांगड़ा के जवाली से पंडित विपन शर्मा को उनके ज्योतिष क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने बेस्ट एस्ट्रोलॉजर अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। पंडित शर्मा ने इससे पूर्व कई बॉलीवुड सितारों से सम्मानित होने का अनुभव साझा किया और इस सम्मान पर गौरवान्वित महसूस किया। पंडित विपन शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व भी उन्हें बॉलीवुड सितारों भाग्यश्री, अमीषा पटेल, दीपशिखा नागपाल, पूर्व मिस वर्ल्ड अदिति गोविंत्रिकर, शाहजहां पदमसी, महक चहल, मनीषा लांबा व अमन वर्मा द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

### बरनेट, सतोबरी में कल बंद रहेगी बिजली

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** विद्युत उपमंडल मैक्लोडगंज के सहायक अभियंता अभिषेक कटोच ने बताया कि 19 नवंबर को गज तोतारानी 33/11 केवी एचटी फीडर में विद्युत लाइनों के रखरखाव के चलते बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस कारण तोतारानी, बरनेट, सतोबरी, नड्डी, डलझील, धीयाल, चॉदमारी, भत्तला, टैंगलवुड तथा टीसीवी आदि क्षेत्रों में सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने पर यह कार्य अगले दिन किया जाएगा।

### शाहपुर कॉलेज में सड़क सुरक्षा पर भाषण स्पर्धा

**कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर।** राजकीय महाविद्यालय शाहपुर में रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. शिवानी ने प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया। प्राचार्य डॉ. विश्वजीत सिंह ने इसे व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारी बताया, जबकि वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. सुरेंद्र कुमार ने यातायात नियमों के पालन और जीवन शैली में अनुशासन अपनाने पर जोर दिया। प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संवेदनशील, तर्कपूर्ण व प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए, जिससे दर्शक और निर्णायक प्रभावित हुए।

### युवा महोत्सव में बतरा कॉलेज का शानदार प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान, पालमपुर।** शहीद कैप्टन विक्रम बतरा कॉलेज पालमपुर ने 12 से 15 नवंबर तक राजकीय महाविद्यालय ऊना में आयोजित प्रदेश विश्वविद्यालय युवा महोत्सव (समूह तृतीय) में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसमें प्रदेशभर के 44 महाविद्यालयों ने भाग लिया। प्राचार्य प्रोफेसर पंकज सूद ने टीम की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत ,लगन और मार्गदर्शकों के उत्कृष्ट निर्देशन का परिणाम है। उन्होंने सांस्कृतिक समिति की समन्वयक प्रोफेसर कल्पना ऋषि तथा समस्त सदस्यों को बधाई दी। विजेता टीम में लक्ष्मी, दिव्यांशी, मुस्कान, पल्लवी, सविता, पायल, नेहा, प्रिया, स्नेहा, रायशा, कृतिका, सुहानी, अंशिता और आर्यन शामिल रहे।

## बोर्ड ने तैयार करवाया कम्पीटेंसी बेस्ड प्रश्नपत्र बैंक : डॉ . राजेश

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

**हिमाचल** प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कम्पीटेंसी बेस्ड प्रश्नपत्र बैंक तैयार करवाया है और बोर्ड की वेबसाइट पर प्रश्नपत्र बैंक डाउनलोड ऑप्शन निशुल्क उपलब्ध है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में कक्षा दसवीं व बारहवीं के लिए कम्पीटेंसी बेस्ड प्रश्नपत्र बैंक तैयार करवाया गया है, जैसा सीबीएसई व आईसीएसई द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए तैयार करवाया है। पूर्व में प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार की कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं थी। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि उक्त प्रश्न बैंक प्रदेश के विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा की तैयारी व आगामी उच्च शिक्षा की प्रवेश प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

डाउनलोड ऑप्शन बोर्ड वेबसाइट पर उपलब्ध

यह प्रश्न बैंक बोर्ड की वेबसाइट पर डाउनलोड ऑप्शन में निशुल्क उपलब्ध है। इस सुविधा से ऐसे विद्यार्थी भी लाभांवित होंगे, जो कोचिंग लेने में असमर्थ हैं। यह प्रश्न बैंक का पहला चरण है, इसे समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।

### हिमाचल को नशा-मुक्त बनाने के लिए जन आंदोलन जरूरी : शांता

**अनंत ज्ञान, पालमपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नशे के खिलाफ बड़ा और सराहनीय जन अभियान शुरू किया है। शिमला के रिज मैदान में आयोजित प्रभावशाली कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुक्खू ने हिमाचल को पूरी तरह नशा-मुक्त बनाने का संकल्प लिया। शांता ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए सरकार को बधाई दी। उन्होंने अवैध व्यापार करने वाले अपराधी लाखों-करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। आज प्रदेश के सामने यह सबसे बड़ा सामाजिक संकट बन चुका है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस अभियान को वास्तविक अर्थों में जन आंदोलन बनाने के लिए सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं को साथ लिया जाए, ताकि यह केवल सरकारी कार्यक्रम बनकर न रह जाए।

### डाडासीबा स्कूल में एनएसएस कैंप शुरू

**पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा।** पीएमश्री बाबा काशीराम राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डाडासीबा में सात दिवसीस एनएसएस शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त पूर्व उच्च शिक्षा उपनिदेशक दिलवरजीत चंद्र की ओर से किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने स्वयंसेवियों को अनुशासन में रहने व समाजसेवा में अपना योगवान देने की बात कही। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुदर्शन कुमार ने एनएसएस के महत्व के बारे में बच्चों को बताया। कार्यक्रम प्रभारी अश्विनी सिपेहिया एवं देवना भारती ने बताया कि शिविर में 60 स्वयंसेवी भाग ले रहे हैं। स्वयंसेवियों ने बच्चों ने भांगड़ा एवं पहाड़ी गीत प्रस्तुत किए। एसएमसी प्रधान अजय कुमार ने बच्चों को पढ़ाई के अतिरिक्त विद्यालय की अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

## विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर पेंशनर्स की संयुक्त संघर्ष समिति ने बनाई रणनीति

# लंबित मांगों को लेकर 28 को विधानसभा घेराव की चेतावनी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

**हिमाचल** प्रदेश पेंशनर्ज संयुक्त संघर्ष समिति अपनी लंबित मांगों को लेकर अब उग्र हो गई है। एसोसिएशन ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान धर्मशाला तपोवन में 28 नवंबर को उग्र धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान कर दिया है।

इसके साथ ही हजारों की संख्या में पहुंचकर विधानसभा का घेराव करने को भी चेतावनी दी है। इसके बाद भी मांगों पर विचार न होने पर राज्यपाल व राष्ट्रपति से मिलकर हिमाचल में वित्तीय संकट का हवाला देकर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की जाएगी। पेंशनर्ज वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश की अहम बैठक सोमवार को अध्यक्ष सुरेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

कहा- कार्रवाई तो राष्ट्रपति शासन की मांग करेंगे पेंशनर्स

इसमें जिला कांगड़ा एसोसिएशन ने अपनी लंबित मांगों को लेकर उग्र आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। जिसमें संघ ने 2016 से 2022 तक के पेंशनर्ज के लंबित वित्तीय लाभों को प्रदान करने, 13 प्रतिशत महंगाई भत्ते की लंबित एरियर को प्रदान करने, पेंडिंग बिलों का भुगतान करने, चार फीसदी की बजाय तीन प्रतिशत डीए देकर एक फीसदी कम करने, एचआरटीसी पेंशनर्ज को पेंशन समय पर प्रदान करने सहित पेंशनर्ज की लंबित एक दर्जन मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग उठाई। इस दौरान शीतकालीन सत्र के दौरान आंदोलन की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया, साथ ही पेंशनर्स से शीत सत्र के दौरान होने वाले धरना प्रदर्शन में बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की गई।

## कृषि मंत्री चंद्र ने रैहन में किया 27वीं राज्यस्तरीय गर्ल्स खेलकूद का शुभारंभ

16 बहुतकनीकी कॉलेजों की 212 खिलाड़ी छात्राएं तीन दिवसीय प्रतियोगिता में दिखाएंगी प्रतिभा।

**अनंत ज्ञान, रैहन**

**कृषि** एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने राजकीय महिला बहुतकनीकी महाविद्यालय रैहन में आयोजित 27वीं राज्यस्तरीय गर्ल्स खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 16 बहुतकनीकी कॉलेजों की 212 खिलाड़ी छात्राएं भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में वॉलीबाल, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं।

प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि वर्तमान समय टेक्नोलॉजी का है और यह अत्यंत तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे स्वयं भी नियमित रूप से अपने ज्ञान को अपडेट करें और छात्राओं को नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस के लिए आवश्यक हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की बेटियां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रही हैं। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कॉलेज परिसर में अशोक का पौधा भी रोपित किया और सभी से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया। महाविद्यालय के प्रिंसिपल सतीश कटवाल ने मुख्यातिथि को शॉल, टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

## इंडिया-साउथ अफ्रीका टी-20 को लेकर युवाओं में उत्साह

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 14 दिसंबर को खेले जाने वाले इंडिया-साउथ अफ्रीका टी-20 मैच को लेकर हर वर्ग में उत्साह है। वहीं, एचपीसीए भी तैयारियों में जुटी हुई है। मैच से धर्मशाला की इकोनॉमी और पर्यटन में इजाफा होने की बात कही जा रही है। वहीं प्रशासन ने भी सड़कों की दशा सुधारने पर फोकस कर दिया है। एचपीसीए के निदेशक संजय शर्मा ने कहा कि टी-20 मैच को लेकर उत्साह और उम्मीदें अपने चरम पर हैं। बरसात की वजह से यहां की सड़कें खराब हो गई थीं, लेकिन अब प्रशासन ने उन्हें पूरी तरह से दुरुस्त कर दिया है। इससे आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। मैच के लिए देश-विदेश के क्रिकेट प्रेमियों का धर्मशाला आगमन, क्षेत्र के कारोबारियों के लिए फायदेमंद होगा। धर्मशाला में जब भी महत्वपूर्ण मैच होते हैं, तो होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी सेवा और स्थानीय बाजारों में रौनक बढ़ जाती है। लाखों फैंस यहां आते हैं, जिससे पर्यटन को बहुत बड़ा फायदा मिलता है। काबिलेगौर है कि क्रिकेट मैच के आयोजनों ने पिछले वर्षों में भी धर्मशाला को देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया है। मैच के दौरान या उसके बाद आसपास के दर्शनीय स्थलों जैसे मैक्लोडगंज, भागसूनाग और त्रियुंड में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है, जिससे पर्यटन कारोबार में उछाल आता है।

- धर्मशाला की इकोनॉमी और पर्यटन पर दिखेगा असर : संजय
- कहा, सड़कों की दशा सुधारने पर प्रशासन का विशेष फोकस

# 15वें वित्त आयोग के पैसे से टीबी रोगियों को पोषण किटें प्रदान करने वाला पहला ब्लॉक बना धर्मशाला

### डीसी ने 'टीबी हारेगा-कांगड़ा जीतेगा' अभियान के तहत पोषण किटों का वाहन किया रवाना

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

टीबी रोगियों को दिए जाने वाले पोषण किटों से भरे वाहन को रवाना करते डीसी।

**टीबी** हारेगा-कांगड़ा जीतेगा कार्यक्रम के तहत डीसी हेमराज बैरवा ने विकास खंड धर्मशाला में टीबी रोगियों को दिए जाने वाले पोषण किटों से भरे वाहन को रवाना किया। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में यह मुहिम छेड़ने वाला धर्मशाला ऐसा प्रथम ब्लॉक बना है, जिसने 15वें वित्त आयोग के पैसे से पोषण किट प्रदान की हो।

पंचायतों के 15वें वित्त आयोग के अनुदान की मदद से, विकास खंड धर्मशाला में टीबी रोगियों को पोषण किट प्रदान किए जा रहे हैं। इन किटों में दालें, सोयाबीन और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ जैसे पदार्थ होते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रोगियों को उनके लंबे उपचार अवधि के दौरान उचित पोषण मिले। 27 टीबी रोगियों को प्रदान की जाने वाली किटों में 4 किलोग्राम (साबुत माह), 5 किलोग्राम (चने की दाल), 4 किलोग्राम (लाल मसर), 4 किलोग्राम (मूंग की दाल), 5 किलोग्राम गेहूं का आटा, 1 किलोग्राम - मूंगफली, 1 किलोग्राम - सोया चंक्स, 2 लीटर-सरसों का तेल, 6 किलोग्राम- मोंगरा चावल, स्किम्ड दूध और च्यवनप्राश पैक शामिल हैं। इन पोषण किटों की कुल लागत 1.28 लाख रुपए है, जो 15वें वित्त आयोग के पंचायत स्तरीय अनुदान से वित्त पोषित हैं। डीसी कांगड़ा ने कहा कि जिन रोगियों को पोषण संबंधी सहायता मिलती है, उनके उपचार को पूरा करने की संभावना अधिक होती है, जिससे बेहतर इलाज दर और कम ड्रॉपआउट दर होती है, इसलिए कांगड़ा जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि 15वें वित्त आयोग के अनुदानों की मदद से जिले भर के सभी टीबी रोगियों को पोषण किट प्रदान की जाएं। इसके अलावा एनआरएलएम के तहत, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को इन चिन्हित टीबी रोगियों के लिए निक्षय मित्र के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि उन्हें बिना ड्रॉपआउट के उपचार पूरा करने के लिए परामर्श दिया जा सके। ये स्वयं सहायता समूह के सदस्य अन्य लोगों को स्क्रीनिंग और अनुवर्ती गतिविधियों के लिए भी शामिल करेंगे।

## फसलों के डिजिटल सर्वे के लिए पटवारी और पंचायत प्रतिनिधि ऑनलाइन पोर्टल में करें रजिस्टर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बताया कि कृषि में विभिन्न फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल को जानने के लिए खरीफ व रबी मौसम में फसलों की बिजाई के उपरांत गिरदावरी की जाती है लेकिन इस प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिए अब ऑनलाइन डिजिटल क्रॉप सर्वे किया जाएगा। डीसी ने कहा कि ऑनलाइन डिजिटल क्रॉप सर्वे करने के लिए सभी पटवारी व पंचायत प्रतिनिधि ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, सहकारी समिति सचिव, आत्मा परियोजना के एटीएम और बीटीएम, कृषि सखी, पशु सखी, अथवा बेरोजगार कृषि या उद्यान स्नातक आदि भी आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति जो एंड्रॉयड मोबाइल चलाना जानता हो वह इस पोर्टल में आवेदन कर सकता है। प्रत्येक सर्वेयर को उनके द्वारा अपलोड किए गए किसानों के डाटा की संख्या के अनुसार उचित कमीशन प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए विकास खंड स्तर पर कृषि अधिकारियों से संपर्क करें।

## कृषि विवि के वैज्ञानिक प्रो. अखिलेश शर्मा प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित

**अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर।** प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के सब्जी एवं पुष्प विज्ञान विभाग के प्रो. अखिलेश शर्मा को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी की प्रतिष्ठित फेलोशिप (एनएएएस फेलो 2026) से सम्मानित किया गया है, जो भारतीय कृषि विज्ञान में सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। कुलपति डॉ. अशोक कुमार पांडा ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने के लिए डॉ. शर्मा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी की फेलोशिप एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धि है। डॉ. शर्मा के उल्लेखनीय योगदान, वैज्ञानिक दृढ़ता और किसान-केंद्रित अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता को विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव की बात बताया गया। उन्होंने कहा कि उनका कार्य युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और कृषि नवाचार के एक अग्रणी केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय की स्थिति को मजबूत करता है। सब्जी एवं पुष्प विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देशराज चौधरी ने हार्दिक बधाई देते हुए इसे पूरे विभाग और विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. शर्मा की फेलोशिप विभाग की शोध विरासत को और अधिक प्रतिष्ठित बनाती है और वैज्ञानिकों एवं छात्रों, दोनों के लिए एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

## तनावपूर्ण जिंदगी में खुद को मानसिक तौर पर स्वस्थ्य रखने के बताए तरीके

ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल मोहटली में एक दिवसीय टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित।

**अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान**

**इंदौरा।** ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल सूरजपुर मोहटली में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के लिए चेयरमैन रणवीर सिंह, सचिव कंवलजीत सिंह और प्रधानाचार्य अनुमीत कौर की अध्यक्षता में विशेष अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों से लगभग 60 अध्यापकों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का मुख्य विषय मानसिक स्वास्थ्य था, जो वर्तमान तनावपूर्ण जीवनशैली में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रोग्राम में अनुराग शर्मा, प्रिंसिपल गैलेक्सी पब्लिक स्कूल नगरोटा सूरियां और शिवांक राणा कंप्यूटर साइंस अध्यापक डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बागनी, संसाधन व्यक्तियों के रूप में उपस्थित रहे। संसाधन व्यक्तियों ने बताया कि तनावपूर्ण जिंदगी में हम कैसे अपने आप को मानसिक तौर पर स्वस्थ्य रख सकते हैं। स्कूल की प्रबंधक कमेटी ने सभी आए हुए अध्यापकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। अंत में संसाधन व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत लाभदायक बताया और स्कूल के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की।

# लुटेरी दुल्हन ठग गिरोह ने आधा दर्जन युवाओं को लगाया चूना

## शादी कर युवकों से की आभूषणों और नकदी की लूट, पांच लोग गिरफ्तार

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

**कांगड़ा** जिले में लुटेरी दुल्हन ठग गिरोह अब तक आधा दर्जन के करीब युवकों को चूना लगा चुका है। शादी कर युवकों को आभूषणों व नकदी की चपत लगाई गई है। इन मामलों में अभी पांच लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि इस प्रकरण में अभी और खुलासे भी हो सकते हैं। पीड़ित युवकों ने नगरोटा बगवां, पालमपुर व पुलिस थाना धर्मशाला के तहत योल चौकी में शिकायतें दर्ज करवाई हैं। मामले में कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन महिलाएं व दो पुरुष शामिल हैं, जो ऐसे युवकों को अपना निशाना बनाते थे, जिनकी शादी नहीं हुई थी और शादी करवाने के नाम पर ठगी को अंजाम देते थे।

**अभी हो सकते हैं बड़े खुलासे**

नगरोटा बगवां में पकड़े गए पांच आरोपियों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कांगड़ा आईपीएस अशोक रत्न ने खबर की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना नगरोटा बगवां में तीन युवकों की ओर से एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। इसके साथ ही पालमपुर पुलिस थाना व धर्मशाला के तहत आती पुलिस चौकी योल में भी तंगरोटी के एक पीड़ित ने शादी की एवज में करीब दो-ढाई लाख रुपए की ठगी से संबंधित शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस में दर्ज शिकायत में पीड़ित ने बताया था कि सितंबर माह में उसने कोर्ट में एक युवती से शादी की थी। इस दौरान पीड़ित द्वारा शादी के लिए संबंधित व्यक्तियों को अढ़ाई से तीन लाख रुपए का भुगतान किया गया था। शादी के तीन दिन बाद ही संबंधित युवती उसके घर से भाग गई। पीड़ित ने मोबाइल के माध्यम से युवती से संपर्क करना चाहा, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद ठगी का अहसास होने पर पीड़ित द्वारा पुलिस चौकी योल में शिकायत करवाई गई है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने कहा कि शादी ठग गिरोह के संबंध में नगरोटा बगवां, पालमपुर व धर्मशाला योल चौकी में मामले दर्ज हुए हैं। इस संबंध में पांच आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे संबंधित पुलिस थाना की ओर से पूछताछ सहित आगामी कार्रवाई की जा रही है। इस तरह की ठगी की घटना जिले में किसी व्यक्ति के साथ हुई है, तो वह पुलिस थाना में पहुंचकर शिकायत दे सकते हैं, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

## 22 तक करें यूएई में डिलीवरी राइडर्स की भर्ती के आवेदन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने जानकारी दी कि हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम, हिमाचल सरकार उपक्रम, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नून फूड एलएलसी के लिए डिलीवरी राइडर्स की भर्ती जेएसडीसी ग्रुप ऑफ कंपनीज के माध्यम से कर रहा है। इन पदों पर मासिक वेतन 2500 दिरहम के साथ कमीशन और टिप्स के रूप में 70,000 से 1,00,000 रुपए तक मिलेगा। केवल पुरुष आवेदक, जो न्यूनतम 10वीं पास हों और बेसिक इंग्लिश जानते हों, आवेदन कर सकते हैं। आयु सीमा 20 से 37 वर्ष है। आवेदनकर्ता के चेहरे और गर्दन पर कोई टैटू नहीं होना चाहिए और रंग अंधता नहीं होना चाहिए। आवेदन हेतु गूगल फॉर्म लिंक पर पंजीकरण अनिवार्य है। अंतिम तिथि 22 नवंबर है। अधिक जानकारी के लिए 01892224892 पर संपर्क करें।

## सालगिरह मुबारक

लंबागांव के गंदड़ मरेरा के राज पाल डोगरा और सुनीता देवी को शादी की सालगिरह पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

**बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें**

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

## न्यूज ब्रीफ

### पंकज जिला अध्यक्ष, अजय बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष

**अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर।** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिला पालमपुर की बैठक सामुदायिक भवन थुरल में निवर्तमान अध्यक्ष घनश्याम दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रान्त सह संगठन मंत्री डॉ. जोगिंद्र सिंह और पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया और जिला की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। पंकज भारती को जिला अध्यक्ष, अजय कटोच वरिष्ठ उपाध्यक्ष, लता कटोच महिला उपाध्यक्ष, जयंत शर्मा जेबीटी उपाध्यक्ष, राजीव शर्मा जिला मंत्री और संदीप ठाकुर संगठन मंत्री चुने गए। रवि पंडित जिला मीडिया प्रभारी, कमल जमवाल व मधु अवस्थी जिला सचिव बनाए गए।

### डाडासीबा में किन्नर समुदाय के लिए बधाई राशि तय

**अनंत ज्ञान, डाडासीबा।** डाडासीबा पंचायत ने मनमाने ढंग से बधाई मांगने वाले किन्नर समुदाय पर कड़ी कार्रवाई का निर्णय लिया है। पंचायत प्रधान सुचिता कंवर ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर किन्नर समुदाय के लिए अधिकतम बधाई राशि 2,100 रुपए निर्धारित की है। यदि कोई इससे अधिक राशि लेने की जिद करता है, तो नियमों के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पंचायत ने इस प्रस्ताव की प्रतिलिपि एसडीएम देहरा, डीएसपी डाडासीबा और जिलाधीश कांगड़ा को भेज दी है। प्रधान ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों की शिकायतों के अनुसार किन्नर बीपीएल परिवारों को नजरअंदाज कर 11,000 से 21,000 रुपए तक की राशि लेने की कोशिश करते थे।

### भाषण प्रतियोगिता में सकीना ने मारी बाजी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** राजकीय महाविद्यालय रिडकमार में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और एनएसएस की संयुक्त पहल में भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। युवा शक्ति और नशा मुक्ति पर भाषण प्रतियोगिता में सकीना देवी प्रथम, शिक्षा देवी द्वितीय और महक तृतीय रहीं। तंबाकू एवं स्वास्थ्य जागरूकता प्रश्नोत्तरी में टीम डी ने प्रथम, टीम ए द्वितीय और टीम सी तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. युवराज पठानिया ने छात्रों को नशा-मुक्ति के लिए प्रोत्साहित किया और शपथ दिलाई।

### एचपीयू क्षेत्रीय केंद्र में शोध कार्यशाला शुरू

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र मोहली, धर्मशाला में राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास और वाणिज्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत मानविकी एवं वाणिज्य में शोध पद्धति पर छह दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। मुख्यातिथि प्रो. संजीव महाजन ने शोध के महत्व और आधुनिक तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। प्रो. कुलदीप अत्री और प्रो. धर्मप्रकाश वर्मा ने शोध क्षेत्र में बदलावों का उल्लेख कर छात्रों का मार्गदर्शन किया। 84 शोधार्थियों और शिक्षकों ने इसमें भाग लिया।

### पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में श्रेष्ठा प्रथम

**अनंत ज्ञान, देहरा।** नगरोटा सूरियां कॉलेज के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर मेकिंग, नारा लेखन और ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। पोस्टर मेकिंग में श्रेष्ठा प्रथम, उदित कुमार और अंजलि देवी द्वितीय तथा पलक चौधरी तृतीय स्थान पर रहे। नारा लेखन में साक्षी प्रथम, मानसी द्वितीय और पलक चौधरी एवं जाह्नवी तृतीय स्थान पर रहीं। ऑनलाइन क्विज में सपना प्रथम, कुमकुम द्वितीय और मानसी तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. राजेश कुमार एवं प्रो नीलकमल ने किया। प्राचार्य प्रो. उपेन्द्र शर्मा ने विजेताओं को बधाई दी और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

### बच्चों को दी नशे से दूर रहने की सलाह

**राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह।** प्रदेश कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन संजय सिंह चौहान ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पुड़वा और बोदा में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। उन्होंने बताया कि 2025 में हिमाचल प्रदेश में स्कूलों की ग्रेडिंग, सह-शिक्षा और अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई का विस्तार प्रमुख पहलें हैं। पाठ्यक्रम में सामान्य ज्ञान और राज्य की संस्कृति शामिल की जाएगी और बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा। कक्षा 6 से अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई शुरू की जा रही है। शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने के योग्य बनाया जाएगा। उन्होंने बच्चों को नशाखोरी से दूर रहने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की सलाह दी। स्कूलों की समस्याओं के समाधान का भी आश्वासन दिया।

### रैत में तीन दुकानदारों के काटे चालान

**अनंत ज्ञान, शाहपुर।** तंबाकू मुक्त अभियान के तहत सोमवार को खंड चिकित्सा अधिकारी, शाहपुर थाना प्रभारी एवं टीम के अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी में मुख्य बाजार रैत में संयुक्त प्रवर्तन अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान तीन दुकानों के चालान किए गए और सीओटीपीए (सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम) के अनुपालन के लिए निरीक्षण किया गया। बीएमओ डॉ. कविता ठाकुर ने कहा कि युवाओं को तंबाकू के हानिकारक प्रभाव से बचाना और स्वस्थ समुदाय सुनिश्चित करना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। थाना प्रभारी करतार सिंह ठाकुर एवं अन्य कर्मचारी भी इस दौरान उपस्थित रहे।

### हनुमान मंदिर में लगाई जा रही आकर्षक तस्वीरें

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** धर्मशाला के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है। इसी कड़ी में मंदिर में नई चारदीवारी लगाई गई है। इस चारदीवारी के अंदर की ओर मंदिर प्रशासन की ओर से भगवान की आकर्षक तस्वीरें लगाई गई हैं, जिसके कार्य में श्रमिक जुटे हुए हैं। मंदिर परिसर के भीतर चारदीवारी की अंदर की तरफ 24 के करीब तस्वीरें लगाई जाएंगी। टीन पर बनाई गई भगवान की तस्वीरें, मंदिर में आने वाले लोगों को आकर्षित कर रही हैं।

### बिरसा मुंडा की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** शाहपुर में जनजाति गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला कांगड़ा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सफल आयोजन पर वरिष्ठ भाजपा नेता विपिन सिंह परमार ने आयोजन के प्रभारी और भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री कमल शर्मा, जिला अध्यक्ष नरेंद्र पठानिया, प्रदेश प्रवक्ता ओम प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष सर्व चंद ग्लोटिया, जिला महामंत्री विजय कपूर, पवन कुमार, जिला कांगड़ा के सभी मंडल अध्यक्ष प्रमोद संधू, बृज लाल ठाकुर, रेखा देवी, रवि, जयकरण, जीत कपूर, चमन लाल को बधाई दी। कमल शर्मा ने कहा कि बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज को जागरण और संघर्ष की शक्ति दी। भाजपा उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए जनजातीय समाज को सशक्त, संगठित और स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। नरेंद्र पठानिया ने मंच से बिरसा मुंडा के महान योगदान को याद किया।

## धर्मशाला में वॉकथॉन से एंटी चिट्टा महाअभियान का होगा आगाज: डीसी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला**

**बोले- मुख्यमंत्री सुक्खू करेंगे युवाओं का मार्गदर्शन**

**उपायुक्त** हेमराज बैरवा ने कहा कि धर्मशाला में पहली दिसंबर को चिट्टे के खिलाफ वॉकथॉन आयोजित की जाएगी, इसमें मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहेंगे। सोमवार को डीसी ऑफिस के सभागार में चिट्टे के खिलाफ वॉकथॉन की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने कहा कि यह कार्यक्रम राज्य सरकार की उस व्यापक मुहिम का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार चलाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नशे के खिलाफ एक जन संग्राम की शुरुआत की है। उन्होंने बताया कि चिट्टे जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों का विस्तार समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है, जिसे जड़ से समाप्त करने के लिए सरकार गंभीरता सें कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महा वॉकथॉन का उद्देश्य नशे के खिलाफ सामूहिक चेतना का निर्माण, युवाओं में जागरूकता फैलाना, समाज के सभी वर्गों को इस जनाभियान से जोड़ना और जिला कांगड़ा को नशामुक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत संदेश देना है। हेमराज बैरवा ने कहा कि कांगड़ा जिले में पंचायत स्तर पर एंटी चिट्टा तथा नशा निवारण समितियां गठित की जा रही हैं।

ये समितियां स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नशा निवारण व इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में वॉकथॉन के आयोजन साथ ही कांगड़ा जिला में चिट्टे के खिलाफ अभियान का आगाज किया जाएगा। इसके पश्चात उपमंडल और अन्य स्तरों पर भी एंटी चिट्टा रैलियां आयोजित की जाएंगी।

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान कांगड़ा में 27वीं अंतर स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

## शैक्षणिक संस्थानों में खेलकूद गतिविधियों के लिए मिलेंगी बेहतर सुविधाएं: आरएस बाली

**अनंत ज्ञान, कांगड़ा**

**पर्यटन** निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने बतौर मुख्यातिथि राजकीय बहुतकनीकी संस्थान कांगड़ा में 27वीं अंतर स्तरीय बहुतकनीकी खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। आरएस बाली ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कारगर कदम उठा रही है। सभी शैक्षणिक संस्थानों में खेल गतिविधियों के लिए आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए शिक्षा क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का समावेश कर सुधार किया जा रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल को खेल भावना से खेलने का मंत्र दिया। उन्होंने संस्थान की दीवार को बढ़ाने के लिए 5 लाख रुपए और संस्थान में खेल गतिविधियों को और अधिक विकसित करने के लिए 5 लाख देने की घोषणा की। इससे पहले प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इस खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 15 बहुतकनीकी संस्थानों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। तीन दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में कबड्डी, बैडमिंटन, वॉलीबाल, बास्केटबाल आदि प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ी भाग लेंगे।

## उत्कृष्ट विद्यालय बड़ोह में लगाई जाएंगी 5 सोलर लाइटें

**अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां।** हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष, पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) एवं विधायक आरएस बाली ने पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बड़ोह में आयोजित जिला स्तरीय पांच दिवसीय एनएसएस शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। आरएस बाली ने स्कूल में 5 सोलर लाइटें लगाने तथा फ्लैग के लिए 2 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बड़ोह बस स्टैंड से बाजार तक पक्का पाथ, लाइटें व नालियां बनाने और जल्द ही क्लॉक टावर शिलान्यास की भी बात कही। शिविर में जिला कांगड़ा के 185 स्कूलों के 369 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

## निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश

**जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** महाकाल मंदिर में उपमंडलाधिकारी बैजनाथ एवं सहायक आयुक्त संकल्प गौतम की अध्यक्षता में मंदिर न्यास की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्माणाधीन कार्यों, आय-व्यय प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। उपमंडलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण करते हुए उन्हें समय पर और गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए। आय-व्यय विवरण की समीक्षा कर पारदर्शिता और सुव्यवस्थित वित्तीय प्रबंधन पर बल दिया गया।

सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए महाकाल बाजार एवं मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। मंदिर में खराब लाइटों को बदलकर नई हाई मास्ट लाइटें लगाने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्थायी पार्किंग विकसित करने के आदेश दिए गए। सामुदायिक भवन में लीकेज, उखड़ी टीन शेड और फेंसिंग कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। एसडीएम ने कर्मचारियों को स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

## विधायक मलेंद्र ने किया बसंतपुर स्कूल के खेल मैदान का उद्घाटन

**अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, इंदौरा।** विधायक मलेंद्र राजन ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बसंतपुर के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और 15 लाख रुपए से निर्मित खेल मैदान का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व खेल विद्यार्थियों के समग्र विकास की नींव हैं।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश मार्च 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है। इसी क्रम में बसंतपुर पंचायत में 2 करोड़ रुपए की लागत से 500 किलोवॉट का सोलर पावर प्लांट और 5 लाख रुपये से ओपन जिम स्थापित किया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। विधायक ने सांस्कृतिक टीम को प्रोत्साहनस्वरूप 21 हजार रुपए भी प्रदान किए समारोह में बीडीओ, एसडीओ, पंचायत प्रतिनिधि, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

## डाडासीबा और गरली क्षेत्र की 18 पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

### 9 पंचायतों ने लगातार दूसरे साल जीता सिल्वर सम्मान

टीबी फोरम बैठक में 18 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित कर सम्मानित किया।

**पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा**

**डाडासीबा**-गरली क्षेत्र ने स्वास्थ्य सुरक्षा की लड़ाई में बड़ी जीत दर्ज की है। सोमवार को आयोजित टीबी फोरम बैठक में इस क्षेत्र की 18 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित कर सम्मानित किया गया। 9 पंचायतें बस्सी, चपलाह गुडारा, डाडासीबा, दोदु राजपूतां, सरड डोगरी, शांतला, सियोल, सुनहेत और कस्बा कोटला टीबी-मुक्त का दर्जा लगातार दूसरे साल हासिल कर सिल्वर स्मृति चिन्ह की हकदार बनीं। वहीं अलोह, भरौली जदीद, धजाग, कौलापुर, कुहना, नाहन नागरोटा, निहारी, पीरसलूही और अप्पर भलवाल को पहली बार टीबी मुक्त पंचायत घोषित होने पर ब्रॉन्ज स्मृति चिन्ह से नवाजा गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम कुलवंत सिंह पोटन ने पंचायतों को आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक लोगों को टीबी जांच के लिए प्रेरित करें, ताकि आने वाले वर्ष 2025 में सिल्वर नहीं, बल्कि गोल्ड मेडल हासिल किया जा सके। उन्होंने बढ़ते नशे पर चिंता जताई और इसे जड़ से मिटाने के लिए सामूहिक प्रयास का संदेश दिया। बीएमओ डाडासीबा डॉ. सतीश फोतेदार ने टीबी के लक्षण, उपचार, रोकथाम, निक्षय पोषण किट और टीबी-मुक्त भारत अभियान पर विस्तृत जानकारी देकर क्षेत्र में जागरूकता की ठोस नींव रखी। बैठक में बीएमओ देहरा, एसएमओ डाडासीबा, बीडीओ प्रागपुर, बीईईओ डाडासीबा, एसडीएएमओ, जिला परिषद सदस्य शामिल रहे।

## भाजयुमो देहरा की नई टीम की घोषित

**अनंत ज्ञान, डाडासीबा।** संगठनात्मक जिला देहरा में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने सोमवार को शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपनी नई जिला कार्यकारिणी व मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। जिलाध्यक्ष रमन शर्मा ने शीर्ष नेतृत्व से चर्चा के बाद यह घोषणा की गई। जसवां-परागपुर, ज्वालामुखी और देहरा के युवा नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिला अध्यक्ष रमन शर्मा ने कहा कि मनीष धीमान, रोहित राणा, शंशाक मेहता, दया पाल, निशेष समी, अभिषेक राणा, को जिम्मेदारियां दी गई हैं। मीडिया फ्रंट पर बलबीर सिंह व अखिल ग्लेरिया, जबकि सोशल प्लेटफॉर्म पर नरेश (काकू) और नीरज ठाकुर को मोर्चा सौंपकर युवा मोर्चा ने डिजिटल युद्ध भी मजबूत कर दिया है। मंडल अध्यक्षों में परागपुर से अक्षय अत्री, जसवां से मनोज (बंटी), ढलियारा से मनदीप राणा, हरिपुर से राजवीर राणा, ज्वालामुखी से बिठुल व खुंडियां से अजय राणा शामिल हैं। जिला कार्यकारिणी में मोहित कौंडल, नरेश कुमार, गौरव पटियाल, संजीव, रवि राय, विशाल राणा, पलक राणा और निधि को शामिल कर युवा मोर्चा ने मैदान और मजबूत कर दिया है।

## मंझग्रां पंचायत में बच्चों के लिए बनेगा नया पार्क: केवल

**कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर।** शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने मंझग्रां पंचायत के द्रमण में लगभग 7 लाख रुपए की लागत से निर्मित कॉमन सर्विस सेंटर का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने 3 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सत्यमेव युवक मंडल भवन की आधारशिला रखी। उपमुख्य सचेतक ने कहा कि पंचायतवासियों द्वारा रखी गई सभी मांगों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नरगुईं के लिए 900 मीटर लंबे संपर्क मार्ग के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही भूमि स्वामियों से अपील की कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया में गति लाने के लिए अपनी भूमि की गिफ्ट डीड विभाग के नाम दर्ज करवाएं। उन्होंने बताया कि पंचायत क्षेत्र में बच्चों के लिए एक आधुनिक पार्क विकसित करने की योजना तैयार करने के लिए वन विभाग को निर्देश दिए गए हैं। जलापूर्ति की समस्या को दूर करने के लिए एक नया हैंडपंप शीघ्र स्थापित किया जाएगा।

वहीं, सामुदायिक भवन के लिए भी आवश्यक धन उपलब्ध करवाया जाएगा। जिन घरों में बिजली संबंधी दिक्कतें हैं, उन्हें दूर करने के लिए विद्युत विभाग को त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

## हरिपुर में ठेके से 326 शराब की बोतलें व बीयर कैन चोरी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** पुलिस थाना हरिपुर के अंतर्गत रविवार रात एक शराब ठेके पर सेंधमारी कर शराब की बोतलों सहित बीयर कैन चोरी कर लिए, जिनकी कुल संख्या 206 के करीब है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात व्यक्तियों ने शराब की दुकान के शटर की एक तरफ की शीट को कोट कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी हुए शराब के स्टॉक में अंग्रेजी शराब की 206 बोतलें, देशी शराब की 13 बोतलें, 44 आधी बोतलें, 7 बीयर की बोतलें और 56 कैन शामिल हैं। शराब ठेके में काम करने वाला सेल्समैन सोमवार सुबह जब शराब ठेका खोलने को पहुंचा तो देखा कि चोरों ने शटर को काट कर शराब की बोतलों व कैन चुरा लिए हैं। पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

## महिला को फोन पर धमकाने का मामला दर्ज

**अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर।** पुलिस थाना लंबागांव के अंतर्गत 16 नवंबर को प्रमोद कुमार निवासी पन्डेड डाकघर लंबागांव तहसील जयसिंहपुर ने फोन की ओर से बंदना शर्मा निवासी लंबागांव तहसील जयसिंहपुर व इसके परिवार को गंदी गालियां व जान से मारने की धमकियां दीं। इस संदर्भ में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## नौशहरा पंचायत में विकास कार्यों को मिलेगी और गति: कमलेश

विधायक कमलेश ठाकुर ने तल्पा गांव में सुनी लोगों की समस्याएं।

**शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान**

**देहरा।** प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास एवं पंचायतों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। यह बात विधायक कमलेश ठाकुर ने नौशहरा पंचायत के तल्पा गांव में लोगों से बातचीत के दौरान कही।

उन्होंने बताया कि आगामी समय में नौशहरा पंचायत में पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण, सड़क सुधार कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा कृषि से संबंधित मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता को और बढ़ावा दिया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने सड़क मरम्मत, पेयजल समस्या, स्वास्थ्य सुविधा सुदृढ़ीकरण एवं कृषि आवश्यकताओं सहित कई मुद्दों को विधायक के समक्ष उठाया। विधायक ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का समाधान समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि तल्पा गांव के महिला मंडल नंडलू के लिए 3 लाख व कंडियाला श्मशानघाट के लिए 70 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि बनखंडी गढ़-तल्पा- मीठी आंबल संपर्क मार्ग का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को यातायात सुगमता उपलब्ध होगी।

## चुगलाखंग बौद्ध मठ में आभार कार्यक्रम आयोजित

**अनंत ज्ञान, मैक्लोडगंज।** धर्मगुरु दलाईलामा द्वारा तिब्बत के राष्ट्र अध्यक्ष के रूप में आध्यात्मिक और लौकिक अधिकार ग्रहण करने की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को निर्वासित तिब्बती सरकार की ओर से 14वें दलाईलामा के लिए आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में भारत के सात आवासीय सीएसटी स्कूलों, तिब्बती बाल ग्राम धर्मशाला, तिब्बती होम्स फाउंडेशन मसूरी और भारत तथा नेपाल के विभिन्न तिब्बती डे स्कूलों के पूर्व छात्र मैक्लोडगंज स्थित चुगलाखंग बौद्ध मठ में एकत्रित हुए। तिब्बती युवा कांग्रेस के अध्यक्ष त्सेरिंग चोम्फेल ने कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है, जब परम पावन ने 1950 से अपना राजनीतिक और आध्यात्मिक नेतृत्व संभाला था और यह 75वां वर्ष है और हम जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने हमें लोकतंत्र का मार्ग दिखाया और हमें बताया कि जीवन कैसे जिया जाए, अपनी संस्कृति को कैसे संरक्षित किया जाए और अपनी संस्कृति और पहचान को कैसे जीवित रखा जाए, इसलिए यह हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर है। निर्वासित तिब्बती सरकार के अध्यक्ष सिक्योंग पेनपा त्सेरिंग ने बताया कि यह परम पावन 14वें दलाईलामा द्वारा 17 नवंबर 1950 को 15 वर्ष की आयु में लौकिक और आध्यात्मिक नेतृत्व ग्रहण करने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है।

## तृप्ता पब्लिक स्कूल में गूंजे देशभक्ति के तराने

तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवाड़ा में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया।

**अनंत ज्ञान, जवाली**

**तृप्ता** पब्लिक स्कूल चलवाड़ा में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र और उनकी धर्मपत्नी सुमन कुमारी ने शिरकत की। स्कूल चेयरमैन वरिंद्र नरियाल और प्रधानाचार्य राकेश राणा और समस्त स्टाफ ने स्वागत किया और मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया। सबसे पहले कक्षा द्वितीय के बच्चों द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद कक्षा एलकेजी के बच्चों शुभांश, काव्य, रिद्धिमान एंड पार्टी ने समां बांधा। कक्षा एलकेजी के बच्चों द्वारा गली-गली अवध सजेगा, जिसमें अर्शिया, विद्यांशी, अश्विका, रिधिका एंड पार्टी ने सुंदर प्रस्तुति दी।

रियांश एंड पार्टी ने 'बजाओ ढोल स्वागत के' पर प्रस्तुति दी। कक्षा नर्सरी रवनीत, वंशिका स्वस्तिक एंड पार्टी ने खूब वाहवाही लूटी। वहीं, यूकेजी के लड़कों और लड़कियों द्वारा पंजाबी डांस किया। कक्षा प्रथम के साक्षिता, राघव, अद्विका, रोजल एंड पार्टी ने साउथ इंडियन डांस पेश किया। कक्षा द्वितीय के बच्चों अश्विका, नक्श, कलिना, प्रिशा, ऋद्धि, सान्वी ने देशभक्ति गीत, जिसका मुख्य शीर्षक ऑपरेशन सिंदूर था पर शानदार प्रस्तुति दी। अंत में प्रधानाचार्य राकेश राणा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

## न्यूज ब्रीफ

### जुखाला के एनसीसी कैडेट्स ने जीते मेडल

**अनंत ज्ञान, नम्होल।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुखाला के एनसीसी कैडेट्स ने पंडोह में आयोजित एटीसी कैंप में हरफनमौला प्रदर्शन किया। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य एवं अन्य स्कूल स्टाफ ने इन कैडेट्स का जोरदार स्वागत किया तथा उन्हें उनकी इस उपलब्धि के लिए सम्मानित भी किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए जुखाला स्कूल एनसीसी यूनिट प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि यह कैंप 3 नवंबर से 12 नवंबर तक सेना के 239 ट्रांजिट कैंप पंडोह में आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूल के कैडेट्स ने कैंप में आयोजित विभिन्न इवेंट्स में भाग लिया। डीएसटी व टह ऑफ वॉर प्रतियोगिता में अलीशा ठाकुर तथा अनुराधा शर्मा ने गोल्ड मेडल जीता। वहीं 4 गुणा 100 मीटर रेस में सुजल शर्मा, अनुराधा शर्मा तथा कमल ठाकुर ने सिल्वर मेडल हासिल किया। चम्मच रेस में कृतार्थ ठाकुर ने सिल्वर मेडल जीता। स्कूल प्रधानाचार्य दीपक शर्मा ने बच्चों की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि बच्चों ने स्कूल का नाम रोशन किया है। इस मौके पर उप प्रधानाचार्य गोपाल ठाकुर, हिंदी प्रवक्ता शाली ग्राम शर्मा, एएनओ विक्रम सिंह सहित स्टाफ के अन्य लोग भी मौजूद रहे।

### एनसीसी कैडेट्स ने किया शानदार प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के 22 एनसीसी कैडेट्स ने 3 से 12 नवंबर तक पंडोह में आयोजित सीएटीसी-202 शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर ऑफिसर सक्षम कैंप के सीनियर रहे और गार्ड ऑफ ऑनर में स्वर्ण व लेमन स्पून रेस में रजत पदक जीता। कैडेट प्रेमलता ने क्विज में स्वर्ण और गार्ड ऑफ ऑनर में रजत, जबकि पियूष चंदेल ने फायरिंग में स्वर्ण और गार्ड ऑफ ऑनर में रजत हासिल किया। कई अन्य कैडेट्स ने भी गार्ड ऑफ ऑनर में रजत पदक प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया। कैंप में कैडेट्स को ड्रिल, फायरिंग, मैप रीडिंग, टीमवर्क और नेतृत्व सहित विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण मिला। एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. जय चंद ने पूरे समय मार्गदर्शन किया। प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

### झंडूता और बरठीं बाजारों में किया अतिक्रमण

**अनंत ज्ञान, झंडूता।** झंडूता उपमंडल के दो प्रमुख बाजारों झंडूता और बरठीं में कुछ दुकानदारों द्वारा सड़क के दोनों किनारों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने से यातायात जाम की समस्या गंभीर हो गई है। इससे बाजार आने-जाने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजार की तंग गलियों में भी कुछ दुकानदार सामान आगे की ओर रख देते हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही और मुश्किल हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है, जिससे रोजाना जाम लगता है। वाहन चालकों को दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं, जबकि पैदल यात्रियों को भी सुरक्षित गुजरना मुश्किल हो रहा है। इस मामले पर उपमंडलीय अधिकारी झंडूता अर्शिया शर्मा ने कहा, 'हम इस समस्या के समाधान के लिए पहले पुलिस और व्यापार मंडल के साथ बैठक करेंगे। सभी दुकानदारों को समझाया जाएगा कि उनका क्षेत्र कहां तक सीमित है। यदि इसके बाद भी अतिक्रमण दोहराया गया, तो पुलिस के सहयोग से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### रामलाल ने तुलसी राम को किया सम्मानित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** हिमाचल प्रदेश टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अंतर्गत होटल लेक व्यू मैनेजर तुलसीराम को पर्यटन के क्षेत्र में बेहतरीन सेवाएं देने हेतु हिमाचल प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल ने किया सम्मानित। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर राज्य स्तरीय बागटूर मार्शल आर्ट चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर किसान भवन पहुंचे थे। इस मौके पर रामलाल ठाकुर द्वारा तुलसीराम ठाकुर को सम्मानित किया गया। हिमाचल प्रदेश टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के के अंतर्गत जिला हमीरपुर, जिला मंडी एवं जिला बिलासपुर के डीडीओ तुलसी राम ठाकुर पिछले लगभग 38 वर्षों से कॉरपोरेशन में अपनी बेहतरीन सेवाएं दे रहे हैं। होटल लेक व्यू पहुंचने पर कर्मचारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

### निरीक्षण टीम ने सराहा मुंडखर स्कूल का प्रदर्शन

**अनंत ज्ञान, घुमारवीं।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मुंडखर में सोमवार को शिक्षा विभाग की उच्च स्तरीय टीम ने निरीक्षण किया, जिसमें डिप्टी डायरेक्टर क्वालिटी एजुकेशन बिलासपुर निशा गुप्ता, प्रिंसिपल राकेश मनकोटिया, प्रिंसिपल सोहल बलदेव शर्मा तथा अविनाश चौहान शामिल रहे। टीम ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण प्रबंधन, विद्यार्थियों के परिणाम तथा अनुशासन व्यवस्था का विस्तृत मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों का प्रदर्शन अत्यंत संतोषजनक रहा, जबकि अन्य कक्षाओं का समग्र प्रदर्शन भी टीम के अनुसार सराहनीय है। विद्यार्थियों की भागीदारी, शिक्षकों की प्रतिबद्धता और विद्यालय द्वारा संचालित विविध गतिविधियों को अधिकारियों ने बेहतरीन बताया। डिप्टी डायरेक्टर निशा गुप्ता ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि विद्यालय सही दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों और विद्यार्थियों के उत्साह को विद्यालय की मजबूती का आधार बताया। टीम ने भविष्य में और बेहतर परिणामों के लिए कुछ सुझाव भी दिए, जिनमें कक्षावार शिक्षण योजनाओं को और प्रभावी बनाना, नियमित मूल्यांकन व्यवस्था को मजबूत करना तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त सहयोग उपलब्ध करवाना शामिल है।

### लव जिहाद : विहिप ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** हिमाचल में बढ़ रही जिहादी गतिविधियों, लव जिहाद, लैंड जिहाद और नशे के प्रसार को लेकर विश्व हिंदू परिषद बिलासपुर ने डीसी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन प्रांत मंत्री अधिवक्ता तुषार डोगरा के नेतृत्व में दिया गया। परिषद ने कहा कि बाहरी राज्यों से आने वाले कुछ संदिग्ध लोग देवभूमि की सामाजिक संरचना को प्रभावित कर रहे हैं और नशा, गौतस्करी, लव जिहाद व आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। चंबा, सुंदरनगर, कुल्लू, बिलासपुर, नूरपुर, ऊना और नालागढ़ जैसे क्षेत्रों में हालिया घटनाओं का भी उल्लेख किया गया। चंबा की घटना का जिक्र करते हुए परिषद ने बताया कि बिना नंबर की गाड़ियों में घूमते हथियारबंद युवकों ने स्थानीय लोगों को धमकाया और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई। सुंदरनगर में नाबालिग लड़की के अपहरण प्रयास को भी परिषद ने गंभीर बताया। विहिप ने मांग की कि प्रदेश में नशा, लव जिहाद व अन्य गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई हो और दोषियों को तुरंत दंडित किया जाए। परिषद ने चेताया कि समय रहते कदम न उठाए गए तो यह खतरा और बढ़ सकता है।

### स्मार्ट मीटर से उद्योगपतियों को होगा नुकसान

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** स्मार्ट मीटरिंग सिस्टम को पारदर्शिता और बिजली चोरी रोकने का उपाय बताया जा रहा है, लेकिन उद्योगपतियों का दावा है कि इसकी वजह से उनकी उत्पादन लागत बढ़ रही है और कई स्थानों पर मीटर की अनियमितताएं गंभीर रूप ले चुकी हैं। उद्योग क्षेत्रों से लगातार यह शिकायतें सामने आ रही हैं कि स्मार्ट मीटर जंपिंग की समस्या बढ़ती जा रही है—अर्थात बिजली खपत सामान्य रहने के बावजूद मीटर अचानक तेज़ी से बिल बढ़ा देता है। कई फैक्ट्रियों के मालिकों ने बताया कि बिल अतिरिक्त मशीनरी चलाए बिना ही दोगुना-तिगुना तक पहुंच गया। इससे मध्यम व लघु उद्योग खास तौर पर प्रभावित हो रहे हैं। इसी मुद्दे पर विश्व मानव कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तेज प्रताप पांडेय ने सरकार और बिजली निगमों पर तीखा सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 'स्मार्ट मीटर उद्योगों के हित में नहीं हैं। यह प्रणाली उद्योगपतियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। मीटर जंपिंग की शिकायतें सामने आने के बावजूद कोई ठोस जांच नहीं हो रही। सरकार को चाहिए कि तुरंत तकनीकी ऑडिट करवाया जाए और उद्योगों को राहत दी जाए।'

### द्वितीय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** बिलासपुर के किसान भवन में द्वितीय हिमाचल प्रदेश बगटूर मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि हिमाचल सरकार के पूर्व मंत्री राम लाल ठाकुर ने शिरकत की। जिनका हिमाचल प्रदेश बगटूर एसोसिएशन मार्शल आर्ट के के पदाधिकारी मृदुल शर्मा, सराज अख्तर, बृजलाल चौहान इशान अख्तर ने हिमाचली टोपी, शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया तथा बच्चों द्वारा मुख्य अतिथि के सम्मुख मार्शल आर्ट का एक प्रदर्शन किया, जिसमें मार्शल आर्ट के प्रहारों के बारे में बताया गया। मुख्य अतिथि रामलाल ठाकुर द्वारा प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। तथा बच्चों को खेल के प्रति जागरूक होने और खेलों को भी जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल से ही हम युवा को नशे से दूर कर सकते हैं, जिसको खेल का नशा लग जाता है, वो हर नशे से बच गया। इस प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के 6 जिलों बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू, हमीरपुर, शिमला और सोलन से लगभग 152 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

# भाखड़ा विस्थापित बोले–अब और देरी बर्दाश्त नहीं

## सर्वदलीय भाखड़ा विस्थापित समिति की बैठक में लिया फैसला, 21 को मुख्यमंत्री से मिलकर मांगेंगे अपने हक

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर**

बैठक के उपरांत सर्वदलीय भाखड़ा विस्थापित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य।

दशकों से चली आ रही भाखड़ा विस्थापितों की समस्या एक बार फिर उफान पर है। स्थानीय परिधि गृह में सर्वदलीय भाखड़ा विस्थापित समिति की बैठक महासचिव जयकुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें यह साफ शब्दों में कहा गया कि यदि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 21 नवंबर को अपने कार्यक्रमानुसार बिलासपुर आते हैं और शिष्टमंडल को मिलने का समय मिलता है, तो समिति उन्हें मांगों का विस्तृत ज्ञापन सौंपेगी। विस्थापितों का कहना है कि 'अब इस समस्या के समाधान में और देर किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं।'

बैठक में यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरिष्ठ राज्य सचिव ने विस्थापितों की समस्याओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उन्हें सौंप दी थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस प्रगति सामने नहीं आई है। जयकुमार ने कहा, 'समस्याएं वही हैं, असुरक्षा वही है, लेकिन सरकार की ओर से समाधान का कोई स्पष्ट संकेत अभी तक नहीं मिल रहा।' बैठक के दौरान बिलासपुर सदर के पूर्व विधायक स्वर्गीय डॉ. बाबूराम गौतम और सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक स्वर्गीय नंद किशोर शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। समिति ने दो मिनट का मौन रखकर कहा कि विस्थापितों के अधिकारों की लड़ाई में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके परिजनों के प्रति भी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की गईं। इस बैठक में ओम प्रकाश गर्ग, मनमोहन भंडारी, राम सिंह, एसआर आजाद, रविंद्र भट्टा, अंशुल पंवार, राजपाल सोनी, रामपाल शर्मा, लेख राम, पुरुषोत्तम शर्मा, कृष्ण लाल ठाकुर, राज टाडू, अशोक सैनी, राम पाल, प्रेम चंद और राजेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में विस्थापित उपस्थित रहे।

**सीएम को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेंगी समिति**

### अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाया 'स्टे' फिर भी विस्थापितों में भ्रम की स्थिति

**बैठक** में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अतिक्रमण से जुड़े मामलों पर हुई चर्चाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया गया। समिति ने बताया कि धर्मशाला के तरलोचन सिंह बनाम अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे लगा दिया है। ऐसे में समिति का कहना है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक विस्थापितों पर कार्रवाई करना न तो न्यायपूर्ण है, न स्वीकार्य।

### विस्थापितों में दूसरी बार उजड़ने का खौफ

**बैठक** में यह भाव प्रबलता से उभरा कि बिलासपुर नगर के भाखड़ा विस्थापित लगातार असुरक्षा की स्थिति में जी रहे हैं। अतिक्रमण के नाम पर कार्रवाई के भय से उन्हें लगता है कि विकास के नाम पर उन्हें एक बार फिर उजाड़ा जा सकता है। महासचिव जयकुमार ने कहा कि कुछ माह पूर्व एक बड़े शिष्टमंडल ने शिमला में मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी दशकों पुरानी कठिनाइयों को विस्तार से बताया था। उन्होंने बताया कि 'मुख्यमंत्री ने उस समय आश्वासन दिया था कि वे शीघ्र ही बिलासपुर में आकर अतिक्रमण सहित सभी समस्याओं का समाधान करेंगे।'

### सीएम से होने वाली मुलाकात निर्णायक

**समिति** ने स्पष्ट कर दिया है कि 21 नवंबर को मुख्यमंत्री से संभावित मुलाकात निर्णायक होगी। विस्थापितों की पीड़ा और भविष्य की अनिश्चितता इस वक्त चरम पर है और वे मुख्यमंत्री से सिर्फ आश्वासन नहीं, ठोस समाधान चाहते हैं। यदि सरकार ने इस बार भी ठोस कदम नहीं उठाया, तो भाखड़ा विस्थापितों का आंदोलन नए चरण में प्रवेश कर सकता है।

### युवाओं को विदेश में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

# यूएई में डिलीवरी राइडर की होगी भर्ती, 22 तक करें ऑनलाइन पंजीकरण

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर**

जिला रोजगार अधिकारी बिलासपुर राजेश मेहता ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को विदेशों में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार ने हिमाचल प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिकस विकास निगम को भर्ती के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नून फूड किराना और खाद्य वस्तुओं के वितरण हेतु डिलीवरी राइडर के पद भरे जा रहे हैं। इच्छुक आवदेनकर्ता गूगल फॉर्म लिंक पर 22 नवंबर तक अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए केवल पुरुष अभ्यार्थी ही आवेदन कर सकते हैं तथा आवदेक की आयु 20 से 37 वर्ष के मध्य होनी अनिवार्य है और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास, बुनियादी अंग्रजी भाषा का ज्ञान होना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अभ्यार्थी के चेहरे व गर्दन पर किसी भी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए तथा आवदेक के पास एक वर्ष से अधिक मान्यता प्राप्त एलएमवी (मोटर साइकिल गियर सहित) लाइसेंस होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि अभ्यार्थी को वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा तथा अभ्यर्थी के पास वैध पासपोर्ट होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि चयनित उम्मीदवारों को 70 हजार से 1 लाख रुपए मासिक वेतन दिया जाएगा। वहीं, सप्ताह में 6 दिन, प्रतिदिन 10 घंटे कार्य करना होगा। चयनित उम्मीदवारों को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा अनुमोदित 35,400 रुपए जीएसटी सहित और 1500 रुपए चिकित्सा शुल्क का भुगतान स्वयं करना होगा। उन्होंने बताया कि बिना वैध पासपोर्ट वाले उम्मीदवारों को भर्ती में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विदेश में काम करने के इच्छुक उम्मीदवार गुगल फॉर्म लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, जिसमें जिला बिलासपुर के उम्मीदवार भी लाभ उठा सकते हैं।

# अर्जुन व मनसाराम को बनाया सदर का महामंत्री

## भाजपा एससी मोर्चा सदर और बिलासपुर मंडल की कार्यकारिणियों की घोषणा

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर**

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की सदर और बिलासपुर मंडल की कार्यकारिणियों की घोषणा कर दी गई है। मोर्चा के सदर मंडल अध्यक्ष रोशन लाल सांख्यान और बिलासपुर मंडल अध्यक्ष जयलाल ने सोमवार को अपनी टीमों का ऐलान किया। सदर मंडल अध्यक्ष रोशन लाल सांख्यान ने बताया कि सुंगल के लालाराम, कुड्डी के रूपलाल, धौनकोठी के रविंद्र, बल्ह भुलाणा के श्रवण व बलड़ा के कृष्णलाल को उपाध्यक्ष, ओयल के अर्जुन सिंह व द्रोबड़ के मनसाराम को महामंत्री, बल्ह के रतिराम, पंजगाई के सुभाष, बैरी के चमन, बल्ह भुलाणा के सोहनलाल, कुड्डी के प्रेमलाल व देलग के सुरेश को सचिव, बंदला के प्रीतपाल को कोषाध्यक्ष, कुड्डी के बलदेव को सहकोषाध्यक्ष, रौड़ा सेक्टर के लाल सिंह को कार्यालय सचिव, बामटा के सुरेश व बरमाणा के अनिल को सहसचिव, बरयाही के एलआर सांख्यान को मीडिया प्रभारी, नोग की बीना को सह प्रभारी, माकड़ी मारकंड के रामपाल को मुख्य प्रवक्ता, बलड़ा की पार्वती, बरयाही के कश्मीर सिंह व माकड़ी मारकंड की उमा को प्रवक्ता, माकड़ी मारकंड की शैलजा को सोशल मीडिया प्रभारी, लघट की सुमन, कुड्डी के रामकृष्ण व माकड़ी मारकंड के जगदीश को सह प्रभारी तथा मंडी माणवां के राजकुमार को आईटी प्रभारी और द्रोबड़ के श्यामलाल, रौड़ा सेक्टर के गोल्डी व बामटा के सीताराम को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

### प्रभुराम, रघुराम, शेर सिंह, कैप्टन रत्न सिंह व रणिया राम को नियुक्त किया बिलासपुर मंडल का उपाध्यक्ष

**बिलासपुर** मंडल अध्यक्ष जयलाल ने बताया कि बैहल नवाणा के प्रभुराम, चलैहली के रघुराम, ननावां के शेर सिंह, नयागढ़ भदरौण के कैप्टन रत्न सिंह व सनोटी के रणिया राम को उपाध्यक्ष, सिंधर के किशोरीलाल व पटेर के दलेल सिंह को महामंत्री, चुराड़ी के राजकुमार, समैला तल्याणा के पवन, कुठेड़ा के अनिल धीमान, बलोह सकरोहा के रणजीत व पटेर के तिलकराज को सचिव, कुह के अमरनाथ को कोषाध्यक्ष, मझवाड़ के राकेश को सह कोषाध्यक्ष, टिहरा के सूंकाराम को कार्यालय सचिव, भगोट के बेलीराम व तलवाड़ा के सोनी कुमार को सहसचिव, मल्यावर के रवि कुमार को मीडिया प्रभारी, कुह के राजेंद्र, रोहिण के संदीप व सनोटी के संजीव को सह प्रभारी, मैहरी काथला के कैप्टन गीताराम को मुख्य प्रवक्ता, ननावां के मस्तराम धीमान, तलवाड़ा के अनिल रिंकू व हरलोग के नरोतम को प्रवक्ता, हरलोग के नरेंद्र को सोशल मीडिया प्रभारी, चुराड़ी के ताराचंद व चलग के जगदीश को सह प्रभारी तथा बल्हचुराणी के रवि कुमार को आईटी प्रभारी व भलस्वाए के अजय को सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# कमलेश ने 24 जरूरतमंद बच्चों को बांटी स्वेटर

## 17 वर्ष से समाजसेवा कर रहीं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त केंद्रीय मुख्य शिक्षिका

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर**

राजकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक पाठशाला बल्ह बुलाणा में सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित एवं सेवानिवृत्त केंद्रीय मुख्य शिक्षिका कमलेश चंदेल ने 24 जरूरतमंद बच्चों को अपनी ओर से वर्दी की गर्म स्वेटर वितरित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन्हें बच्चों की सहायता करने से जहां आत्मिक शांति मिलती है और हर वर्ष बच्चों व समाज से जुडने का अवसर मिलता है। इसलिए वह पिछले 17 वर्षों से लगातार जरूरतमंद बच्चों को अपनी ओर से वर्दी की गर्म स्वेटर वितरित करती आ रही हैं। गौरतलब है कि सेवानिवृत्त केंद्रीय मुख्य शिक्षिका कमलेश चंदेल ने दस वर्ष से अधिक किन्नौर जिले में जेबीटी शिक्षिका के रूप में सेवाएं दी है। उसके बाद उन्होंने बिलासपुर जिले में अपनी सेवाएं दी हैं। शिक्षा क्षेत्र में बेहतर सेवाएं देने के लिए सरकार द्वारा वर्ष 2008 में राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में वह जिला पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं से भी जुडी हैं। उन्होंने इस दौरान ओम,आदित्य, मानसी, शशि, अल्फाज, रिषिका, कार्तिक, अनुष्का, आयुष, कुनाल, तानवी, कनिका, रोहित शर्मा, इंद्रजीत, मनीष, करीशना, शगुन, सीताक्षी, शालीन, दीक्षा, सरिष्टी, अंजली, पारूल,व करीतिका को गर्म स्वेटर भेंट की। इस अवसर पर स्कूल शिक्षक रजनीश शर्मा, जगदीश, श्रुति, जीवन रेखा, सुशीला ,तृप्ता शर्मा व संगीता भाटिया मौजूद रहीं।

# दाह–संस्कार के लिए वन से काटी लकड़ियों पर एफआईआर होने से ग्रामीणों में भारी रोष

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर**

ग्राम पंचायत कुड्डी में वन विभाग द्वारा गांववासियों के खिलाफ दर्ज करवाई गई एफआईआर को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। यह मामला शमशानघाट में दाह–संस्कार के लिए लकड़ी काटने से जुड़ा है। ग्राम पंचायत कुड्डी के पूर्व प्रधान प्रेम लाल ठाकुर ने बताया कि पिछले दो महीनों में गांव में चार लोगों की मृत्यु हुई है।

ऐसे हालात में शमशान घाट के लिए लकड़ियों की कमी पड़ गई थी।पूर्व प्रधान के अनुसार, बीते महीने दो मृत्यु होने पर दाह–संस्कार के दौरान लकड़ी कम पड़ने लगी।मजबूरी में ग्रामीणों ने अपनी मालकियत भूमि से सटी जगह में खड़ा एक सूखा पेड़ काट लिया, ताकि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जा सके। लेकिन इसी बात को आधार बनाते हुए वन विभाग ने ग्रामीणों पर एफआईआर दर्ज करवा दी। ग्रामीणों का आरोप है कि इससे पहले भी जो एक सूखा पेड़ गिरा था या काटा गया था, उसका आरोप भी जबरन उन्हीं पर मढ़ दिया गया। इससे गांव में लोगों में गहरी नाराजगी फैल रही है। उनका कहना है कि अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्य के लिए भी यदि विभाग सहयोग नहीं करेगा और उल्टा कार्रवाई करेगा, तो यह ग्रामीणों के साथ अन्याय है।इस घटना को लेकर ग्रामीण अब एकजुट हो गए हैं और इसकी शिकायत जिला उपायुक्त से करने की तैयारी कर रहे हैं।

# पीएम मोदी जो कहते हैं, उससे ज्यादा करके दिखाते हैं: कटवाल

**अनंत ज्ञान, झंडूता**

झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, उससे अधिक करके दिखाते हैं। उनके नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रहा है, जबकि प्रदेश की कांग्रेस सरकार वादे तो बहुत करती है, लेकिन निभाती कुछ नहीं। कांग्रेस अपनी झूठी गारंटियों को सत्ता में आते ही भुला चुकी है और कई सुविधाएँ भी लोगों से छीन ली हैं। आत्मनिर्भर–विकसित भारत संकल्प ग्राम केंद्र पदयात्रा के दूसरे चरण के अंतिम दिन जांगला ग्राम केंद्र का दौरा करते हुए कटवाल ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य केवल उत्पादन नहीं, बल्कि गांव स्तर पर स्थानीय संसाधनों पर आधारित विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बजट और विकास की दिशा गांवों व पिछड़े क्षेत्रों की ओर मोड़ी है, जिसका लाभ झंडूता क्षेत्र को भी मिला है।

### 'जल तरंग जोश' महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा

**अनंत ज्ञान, बिलासपुर।** उपायुक्त राहुल कुमार ने आज लुहणू ग्राउंड में 21 नवंबर से 23 नवंबर तक आयोजित होने वाले जल तरंग जोश महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन से पूर्व सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं, ताकि तीन दिवसीय महोत्सव को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके। उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को सफाई व्यवस्था को मजबूत करने तथा गोविंद सागर झील की सफाई कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

# स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस के योगदान को किया याद

**अनंत ज्ञान, बरमाणा**

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिला बिलासपुर का दो दिवसीय संकल्प शिविर बरमाणा में शुरू हुआ, जिसकी अध्यक्षता जिला संयोजक सुरेंद्र ठाकुर ने की। शिविर के पहले दिन ऑल इंडिया ट्रेनर सरदार गगनदीप सिंह, राष्ट्रीय महासचिव विकास बुडालिया, डॉ. संजय, हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष हीरा पाल सिंह, तृप्ता ठाकुर, झंडूता ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. विजय गुलरिया, घुमारवीं ब्लॉक अध्यक्ष प्यार चंद, सदर ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश चंदेल, अंजना ठाकुर, नंदलाल वर्मा, सतीश शर्मा, जगदीश संख्या, दौलत राम शर्मा, जिला महासचिव अरुण ठाकुर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य तथा युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रवीण चंदेल सहित लगभग पचास कार्यकर्ता और एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। सोमवार को हुए दो प्रशिक्षण सत्रों में कांग्रेस के इतिहास, आजादी के आंदोलन में पार्टी के योगदान तथा सर्वोदय और वर्चस्ववादी राजनीतिक सोच पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि आज सत्ता में मौजूद व्यवस्था सर्वोदय की भावना से भटककर वर्चस्व की ओर झुकी हुई है, जबकि कांग्रेस का मूल सिद्धांत सबको साथ लेकर चलने की सर्वोदय विचारधारा पर आधारित है। आजादी के संघर्ष में इसी सोच ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे मजबूत करने की आज फिर आवश्यकता है। प्रदेश के सह संयोजक ठाकुर हीरा पाल सिंह ने दो दिवसीय शिविर की रूपरेखा और उद्देश्य बताते हुए कहा कि पंचायती राज को मजबूत करने और ब्लॉक स्तर पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने हेतु ऐसे शिविर जिला और ब्लॉक स्तर पर लगातार आयोजित किए जाएंगे।

### भाजपा ओबीसी मोर्चा सदर की कार्यकारिणी घोषित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** भाजपा ओबीसी मोर्चा की सदर मंडल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। मंडल अध्यक्ष छोटाराम चौधरी ने बताया कि जमथल के रामलोक, बैरी के बलजीत, बैरी रजादयां की अंजना व सुंगल के विवेक चौधरी उपाध्यक्ष, डुकली के कमल चौधरी व लखनपुर के सरवण कुमार महामंत्री, कुनाला के श्यामलाल राणा, जमथल के पवन, कंडेला के चेतराम, लघट बरमाणा के विजय चौधरी व बामटा के प्रकाश चौधरी सचिव, बध्यात के विजय राणा कोषाध्यक्ष, बागी की संध्या देवी सहकोषाध्यक्ष, बामटा के विक्रांत चौधरी कार्यालय सचिव, बैहल कंडेला के सुरेश राणा मीडिया प्रभारी, धरेड़ा बागी के प्रवीण चौधरी सहसचिव, बैहल कंडेला के वेदप्रकाश मुख्य प्रवक्ता, बामटा के देवीराम व जमथल के मनोज चौधरी प्रवक्ता, रौड़ा सेक्टर के मदनलाल कौंडल सोशल मीडिया प्रभारी, बैरी की प्रोमिला सह प्रभारी, बरमाणा के संजू चौधरी आईटी प्रभारी और जबली के जीतराम सह प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

**पुरस्कार** गुणवत्तापूर्ण दूध संग्रहण और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मिला सम्मान

# उत्कृष्ट कार्य के लिए कहलूर दुग्ध सहकारी सभा सम्मानित

**अनंत ज्ञान, नम्होल**

बिलासपुर सहकारिता विभाग के 72वें वार्षिक समारोह में कहलूर दुग्ध सहकारी सभा सीमित नम्होल को दूध उत्पादन और संग्रहण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान शिमला में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यातिथि मंत्री राजेश धर्माणी द्वारा प्रदान किया गया।

सभा ने बीते वर्षों में गुणवत्तापूर्ण दूध संग्रहण के साथ–साथ किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहलें की हैं। इसी कारण इसे जिले की उत्कृष्ट सहकारी सभाओं में शामिल करते हुए सम्मान से नवाजा गया। कहलूर दुग्ध सहकारी सभा अपने सदस्यों से उच्च गुणवत्ता वाले दूध का नियमित संग्रह, स्वच्छता मानकों का पालन और पारदर्शी कार्यप्रणाली के लिए जानी जाती है। इसके अलावा सभा किसानों को समय पर भुगतान, पशुपालन से संबंधित जानकारी, पोषक चारे की उपलब्धता और पशु स्वास्थ्य जांच शिविरों के आयोजन जैसे कार्यों के माध्यम से उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सामाजिक क्षेत्र में दिए गए योगदान को देखते हुए विभाग द्वारा सभा की कार्यशैली की सराहना की गई।

### महिलाएं चील के चलारू की पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं तैयार कर खुद को बना रहीं सशक्त

**अनंत ज्ञान, घुमारवीं।** दधोल और पड़यालग क्षेत्र की महिलाओं ने स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय कदम बढ़ाया है। दी दधोल कृषि सेवा किसान उत्पाद सहकारी संगठन सीमित पड़यालग के तहत महिलाएं चील के चलारू से बनी पर्यावरण-अनुकूल वस्तुएं तैयार कर रही हैं। इनमें टोकरियां, प्लेट, गिलास, ट्रे व रसोई में उपयोग होने वाली रोजमर्रा की कई वस्तुएं शामिल हैं। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभर रही है। इस कार्यक्रम को मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीता ठाकुर द्वारा योजनाबद्ध तरीके से शुरू किया गया। इस सहकारी संगठन पूर्ण रूप से सहकारी सभाओं से पंजीकृत है, जिससे इसके संचालन और विस्तार को संस्थागत मजबूती मिली है। संगठन में वर्तमान समय में लगभग 300 किसान–महिलाएं और पुरुष सदस्य जुड़े हुए हैं। महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे इन उत्पादों की बाजार में मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है। यह पहल किसानों को बाहरी बीज कंपनियों पर निर्भरता से मुक्त कर रही है और स्थानीय किस्मों को संरक्षित करने में मददगार है। दाधोल और पड़यालग गांव की महिलाओं के लिए यह कार्यक्रम अपने कौशल को पहचान देने और परिवार की आय में योगदान करने का अवसर बन गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### तेजधार हथियार व डंडों से हमला, मामला दर्ज

**अनंत ज्ञान, मैहला।** जिला चंबा के मैहला में मारपीट और जान से मारने की धमकी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिससे पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। घटना 15 नवंबर 2025 की शाम लगभग 4 बजे की बताई जा रही है। शिकायत के अनुसार, पीड़ित का रास्ता रोककर उस पर तेजधार हथियार और डंडों से अचानक हमला किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि पहले डंडे से जोरदार वार कर कान व हाथ को चोट पहुंचाई गई, जिससे खून बहने लगा। इसके बाद हमला लगातार तेज हुआ और टांग, बाजू व पीठ पर कई प्रहार किए गए, जिनसे अंदरूनी चोटें तथा साफ दिखने वाले निशान आए होने का आरोप है। पीड़ित ने स्वयं और परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने थाना सदर चम्बा में मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित का मेडिकल करवा दिया गया है, जबकि बाकी जांच पुलिस द्वारा तेज गति से जारी है।

### आज से चंबा प्रवास पर मंत्री विक्रमादित्य सिंह

**अनंत ज्ञान, चंबा।** लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह 18 और 19 नवंबर को चम्बा प्रवास पर रहेंगे। विभागीय प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक निर्माण विभाग मंत्री 18 नवंबर को सांय 7 बजे डलहौजी पहुंचेंगे और उनका रात्रि ठहराव परिधि गृह डलहौजी में रहेगा। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर को विक्रमादित्य सिंह प्रातः 10 बजे डलहौजी मास्टर प्लान पुस्तक का विमोचन करने के पश्चात विधानसभा क्षेत्र डलहौजी के अंतर्गत 11:30 बजे चकरा से शेरपुर को जोड़ने वाले सड़क सम्पर्क मार्ग की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण मंत्री बाद दोपहर 2 बजे चम्बा पहुंचेंगे तथा विधानसभा क्षेत्र चम्बा के तहत चल रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। सांय 4 बजे विक्रमादित्य सिंह चम्बा के ऐतिहासिक चौगान में चल रही बीसवीं राजकुमार बृजेन्द्र सिंह मेमोरियल क्रिकेट खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि के रूप में शामिल रहेंगे व सांय 5:30 बजे हमीरपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

### चंबा इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन

**अनंत ज्ञान, चंबा।** देश के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, चंबा इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। बैठक का उद्देश्य संगठन की गतिविधियों को गति देना, छात्र समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देना और नई नेतृत्व टीम को जिम्मेदारी सौंपना था। इकाई अध्यक्ष सन्नी दिलवान ने कहा कि छात्र हित और संगठन विस्तार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इकाई मंत्री कृष राणा ने नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। उपाध्यक्ष साहिल ठाकुर, प्रेरित, स्नेहा कटवाल, मुकेश जरयाल और रिया ठाकुर ने परिषद की आंतरिक मजबूती और विद्यार्थियों तक पहुंच बढ़ाने को प्राथमिकता बताया। सह मंत्री जिया ठाकुर, मनोज कुमार, विशाल भारद्वाज, महक शर्मा और आर्यन ने जनसंपर्क और छात्र सहायता कार्यों को मजबूत करने का वचन दिया। मुख्य अतिथि, विभाग संगठन मंत्री अंकित शर्मा ने कहा कि नई टीम राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाएगी। चुनाव अधिकारी अर्पित जरयाल ने चयन प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करवाई।

### वरिष्ठ नागरिक जागरूकता शिविर आयोजित

**अनंत ज्ञान, चंबा।** ग्राम पंचायत चकलू में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के बुजुर्गों को माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 से अवगत कराना था। अधिवक्ता अरुण शर्मा और उप मुख्य कानूनी सहायता अधिवक्ता शकुन ने कानून के तहत बच्चों, दामाद या बहू द्वारा माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण करने की कानूनी जिम्मेदारी और भरण-पोषण की मांग करने की प्रक्रिया समझाई। तहसील कल्याण अधिकारी अक्षय कुमार ने विभागीय योजनाओं और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में प्रधान हंसराज, रंजू बाला, पंकज और अन्य स्थानीय लोग उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम बुजुर्गों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहा।

### जेल रोड में कल बंद रहेगी बिजली

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी।** सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल मंडी-1 नरेश ठाकुर ने बताया कि मंडी-रिवालसर-कलखर सड़क के चौड़ीकरण कार्य के दृष्टिगत 11केवी जेलरोड एचटी लाइन के स्थानांतरण का कार्य 19 नवंबर को किया जा रहा है। यह कार्य सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाना निर्धारित किया गया है, जिस कारण 11 केवी जेल रोड एचटी लाइन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों जेल रोड, टुंगल कॉलोनी, भंगोली, जिला कारगार परिसर, पैलेस, अधीक्षण अभियंता (लोक निर्माण विभाग) कार्यालय, एग्रो इंडस्ट्रीज कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय (जेल रोड) व इसके आस पास के क्षेत्रों में इस समयावधि में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि यदि निर्धारित तिथि को मौसम प्रतिकूल रहा (जैसे बारिश आदि) तो यह कार्य अगले दिन किया जाएगा।

### दो नेपालियों से पकड़ा 2.658 किलोग्राम गांजा

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी।** पुलिस थाना बीएसएल कॉलोनी की टीम द्वारा एनएच-21 पर सुखदेव वाटिका के समीप नाकाबंदी के दौरान एक प्राइवेट बस एचपी 65ए 7509 (अज्जु बस सर्विस, मंडी से बिलासपुर) की जांच की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने दो व्यक्तियों, लोकजन बम पुत्र अर्जुन बम और रोहित गिरी पुत्र लिला गिरी, दोनों निवासी नेपाल के कब्जे से 2.658 किलोग्राम गांजा बरामद किया। इस मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेज एक्ट की धारा 20 और 29 के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें कल माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इस मामले में आगे की जांच जारी है। इसके अलावा जिला पुलिस मंडी द्वारा मोटर वाहन अधिनियम के तहत 194 चालान किए गए, कोटपा अधिनियम के तहत 54 चालान किए गए, और माइनिंग एक्ट के तहत 6 चालान किए गए हैं। जुर्माना 5400 रुपए वसूला गया है।

### अश्लील हरकत व अपमानित करने का मामला दर्ज

**अनंत ज्ञान, बड़सर।** बड़सर पुलिस थाना में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर के गेट के बाहर सड़क पर खड़े मार्बल से लदे ट्राले के पास उनके गांव का ही व्यक्ति, विक्रम, मार्बल टाइल पीसते समय उनके साथ अश्लील हरकतें की। इसके बाद जब उक्त व्यक्ति की पत्नी और माता मौके पर आईं, तो उसने महिला को गाली-गलौज भी की। महिला ने इस पूरी घटना की शिकायत पुलिस में दर्ज करवाई। डीएसपी लालमन शर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। अब आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है।

### टिकरू स्कूल के होनहार किए सम्मानित

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर।** उपमंडल जोगिंदनगर के शहीद प्रताप सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टिकरू में सोमवार को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया। कांग्रेस नेता जीवन ठाकुर मुख्य अतिथि रहे, जिनका प्रधानाचार्य दिनेश कुमारी, स्टाफ और छात्रों ने भव्य स्वागत किया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, और मुख्य अतिथि को शाल, टोपी व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में छात्रों ने हिमाचली लोकनृत्य, देशभक्ति गीत, समूह नृत्य और नाटकों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेलों और पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने बच्चों को नशे से दूर रहने और शिक्षा तथा खेलकूद में संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। पंचायत प्रतिनिधि, अभिभावक और स्थानीय गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

### एजुकेशन 11 ने पावर हिटर को हराया

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर।** डोहग ग्राउंड जोगिंदनगर में व्यापार मंडल की ओर से मैत्री क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय युवाओं और खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दिन का पहला मुकाबला एजुकेशन इलेवन और पावर हिटर के बीच हुआ। एजुकेशन 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 139 रन बनाए, जिसमें सतीश ने 90 रन की शानदार पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच घोषित हुए। जवाब में पावर हिटर की टीम 124 रन ही बना पाई। दूसरे मुकाबले में थंडर स्ट्राइकर्स ने 106 रन बनाए, जिसे एपीएल 11 ने आनंदमूर्ति के नाबाद 60 रन की मदद से मात्र दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। मुख्य अतिथि नवीन नायक ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेलों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रखने पर जोर दिया। व्यापार मंडल ने सभी सहयोगियों और खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में ऐसे आयोजन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

# शोषण मुक्ति मंच का प्रदेशव्यापी आक्रोश

## दलित अत्याचारों पर सख्त कदम उठाने की मांग, सरकार को सौंपा ज्ञापन

**राहुल सहगल, अनंत ज्ञान**

**चंबा।** शोषण मुक्ति मंच चंबा ने आज 17 नवंबर को जिला उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल के माध्यम से मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश को एक कड़ा व विस्तृत मांग-पत्र सौंपा। हाल ही में रोहड़ू में दलित बच्चे सिकंदर की संदिग्ध मृत्यु और कुल्लू-सैंज में दलित महिला पर हुए हमले के बाद उसकी मौत जैसी घटनाओं ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। बढ़ती हिंसा, भेदभाव, भूमि-अधिकारों से वंचित करना और सफाई कर्मियों की असुरक्षित सेवा-शर्तों को लेकर प्रदेशभर में गहरा आक्रोश देखा गया।

मंच ने मांग की कि एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत सभी लंबित मामलों की समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। तेलंगाना की तर्ज पर एससी/एसटी विकास निधि कानून हिमाचल में लागू करने, 85वें संविधान संशोधन को पूर्ण रूप से लागू करने,

शोषण मुक्ति मंच के सदस्य उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल को ज्ञापन सौंपते हुए।

पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता व सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति देने की भी मांग उठाई गई।

ज्ञापन में कहा गया कि सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों में भेदभाव के मामलों की जांच हेतु राज्य स्तरीय निगरानी समिति गठित की जाए और एससी/एसटीकल्याण योजनाओं के बजट का 100% उपयोग सुनिश्चित कर उसकी सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाए। सफाई कर्मियों के नियमितीकरण, ठेका प्रथा समाप्त करने और दिल्ली, पंजाब व कर्नाटक की तर्ज पर हिमाचल सफाई आयोग गठन की मांग भी जोरदार तरीके से रखी गई। बाल्मीकि समाज सहित भूमिहीन दलित परिवारों को आवास योग्य भूमि का मालिकाना हक, तथा शहरी ढारों को नियमित करने के लिए नीति बनाने की मांग भी प्रमुख रही। साथ ही अल्पसंख्यक समुदायों पर धर्म के आधार पर बढ़ते भेदभाव और हमलों पर कड़ी कार्रवाई की अपील की गई। प्रदेशभर में भारी जनसमर्थन ने स्पष्ट किया कि हिमाचल का आम नागरिक न्याय, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों की गारंटी चाहता है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि हिमाचल को प्रगतिशील कहा जाता है, लेकिन दलित समाज की सुरक्षा अब भी अधूरी है। यदि सरकार ने मांग-पत्र पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और व्यापक और तेज़ किया जाएगा।

जिला संयोजक नरेंद्र ने कहा कि यह संघर्ष केवल दलित समाज का नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण का आंदोलन है। सह संयोजक राजेश कोष ने कहा कि पूरे प्रदेश से मिला समर्थन इस बात का संकेत है कि जनता अब वास्तविक न्याय चाहती है। मंच ने चेतावनी दी कि कार्रवाई न होने पर संयुक्त आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर नरेंद्र, के एल शाह, रमाशंकर, चैन लाल, रिझु राम, विकास, संजय, हसन, दीपू, प्रीतम, इक़बाल, याक़ूब, सुदेश सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# ट्रैफिक जाम में फंसी 108 एंबुलेंस बजाती रही सायरन, नहीं मिला पास

**अनंत ज्ञान, चंबा**

शहर में बढ़ते ट्रैफिक अव्यवस्था ने सोमवार को फिर एक खतरनाक स्थिति पैदा कर दी, जब 108 एंबुलेंस तक जाम में फंसी रही। एंबुलेंस का सायरन लगातार गूंजता रहा, लेकिन सड़क पर वाहनों की ठसाठस भीड़ और अवैध पार्किंग ने इसे आगे बढ़ने नहीं दिया।

इस घटना ने चंबा की ट्रैफिक व्यवस्था की सच्चाई को एक बार फिर उजागर कर दिया—जहां आपातकालीन सेवा भी जाम में कैद होकर रह जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में वाहनों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है, लेकिन ट्रैफिक सिस्टम और सड़कें उसी पुराने ढर्रे पर चल रही हैं। नतीजा—जाम अब रोज़मर्रा की समस्या बन चुका है, जिससे मरीजों, कर्मचारियों, स्कूली बच्चों और आम नागरिकों सभी को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

लोगों ने नो-पार्किंग जोन को सख्ती से लागू किया जाए, अवैध पार्किंग पर तुरंत कार्रवाई हो, पीक आवर्स में ट्रैफिक पुलिस की संख्या बढ़े व एंबुलेंस व आपात सेवाओं के लिए प्राथमिकता लेन बनाने की मांग उठाई।

# सीएचसी चूड़ी में स्टाफ की कमी उजागर, दिशा बैठक में गूंजा मुद्दा

**अनंत ज्ञान, चंबा**

- सांसद भारद्वाज व विधायक की पहल पर स्वास्थ्य विभाग को भेजा नए पदों का प्रस्ताव

जिला चंबा के ग्रामीण क्षेत्रों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चूड़ी में चिकित्सीय स्टाफ की गंभीर कमी एक बार फिर सुर्खियों में है। यह मुद्दा 24 अक्तूबर को आयोजित दिशा बैठक में जोरदार तरीके से उठाया गया, जिसकी अध्यक्षता सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने की।

बैठक के दौरान पांगी-भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि सीएचसी चूड़ी में आईपीएचएस (भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक) के अनुरूप न तो डॉक्टर उपलब्ध हैं और न ही अन्य आवश्यक तकनीकी स्टाफ। उन्होंने कहा कि यह केंद्र पूरे क्षेत्र का एकमात्र द्वितीयक स्वास्थ्य केंद्र है, जहां रोजाना 100 से अधिक मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं, फिर भी यहां डिलीवरी सुविधा उपलब्ध नहीं है जो कि बेहद गंभीर स्थिति है।

विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वर्तमान में सीएचसी चूड़ी में महज़ 1 मेडिकल ऑफिसर कार्यरत है, जबकि जरूरत इससे कई गुना अधिक है। इसी आधार पर बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि कम-से-कम 3 नए मेडिकल ऑफिसर तथा अन्य सहायक स्टाफ के पद तत्काल सृजित किए जाएं।

इस महत्वपूर्ण अनुशंसा को आगे बढ़ाते हुए सीएमओ चंबा ने निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, हिमाचल प्रदेश को आधिकारिक पत्र भेजकर सीएचसी चूड़ी में अतिरिक्त पदों—3 मेडिकल ऑफिसर एवं अन्य आवश्यक स्टाफ के सृजन का औपचारिक प्रस्ताव भेज दिया है। साथ ही सीएचसी चूड़ी की स्वीकृत स्टाफ संरचना भी पत्र के साथ संलग्न की गई है। स्थानीय जनता लंबे समय से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रही थी। ऐसे में सांसद और विधायक की पहल पर तैयार हुआ यह प्रस्ताव क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम माना जा रहा है।

## सड़क किनारे लगे पैरापिट ने बचा ली दो युवकों की जिंदगी

**अनंत ज्ञान, धरवाला।** मैहला ब्लॉक के अंतर्गत पड़ने वाली ग्राम पंचायत राडी में सड़क किनारे लगे पैरापिट ने बचा ली दो युवकों की जिंदगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ग्राम पंचायत राडी के कुठैला नामक स्थान पर एक बहुत बड़ा हादसा होने से बाल बाल बचा। जानकारी के अनुसार एक अल्टो गाड़ी शनिवार तकरीबन 4 से 5 बजे जो राडी बस स्टैंड से नीचे की तरफ जा रही थी जैसे ही यह गाड़ी कुठैला नामक कैंची मोड़ से नीचे उतरी, वहीं दूसरी तरफ नीचे से आ रही बोलैरो गाड़ी जो सवारियों से भरी हुई थी तथा चढ़ाई पर थी। जब पास लेने हेतु उस अल्टो गाड़ी को चला रहे युवक ने बैक करना चाहा तो गाड़ी अनियंत्रित होकर रोड के साइड में लगे पैरापिट से जा टकराई, इस जोरदार टक्कर को देखकर बोलैरो गाड़ी में बैठी औरतों तथा बच्चों की चीखें निकल गई। गनीमत यह रही की गाड़ी पैरापिट से टकराने के बाद वहीं रुक गई अन्यथा एक बहुत बड़ा हादसा यहां हो जाता। लोगों का कहना है की किसी मशीनरी की मदद से इस पैरापिट को खींचकर वहीं अपने स्थान पर रखा जाए।

# युवाओं के हाथों में देश का भविष्य : नैय्यर

## मंगला स्कूल के वार्षिकोत्सव में बोले विधायक, युवा प्रतिभाओं ने बिखेरा जलवा

**अनंत ज्ञान, चंबा**

सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंगला में सोमवार को वार्षिकोत्सव समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में विधायक नीरज नैय्यर, विशिष्ट अतिथि विकास महाजन (डीडीएसई सेकेंडरी) और विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र भारद्वाज की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मंगला स्कूल के वार्षिकोत्सव के दौरान विधायक नीरज नैय्यर को सम्मानित करते हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों ने विद्यालय की उपलब्धियों, शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की प्रगति की सराहना की। इस अवसर पर नीरज नैय्यर ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही उनके उज्जवल कल की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, निरंतर मेहनत और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि विकास महाजन ने शिक्षा सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को अपने कौशल को निखारने और प्रतियोगी दुनिया के लिए स्वयं को तैयार करने की बात कही। प्रधानाचार्य नरेंद्र भारद्वाज ने कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों, विद्यार्थियों और विद्यालय परिवार के सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यालय द्वारा शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी साझा की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम—नृत्य, संगीत और नाटक—दर्शकों को भावविभोर कर गए। समारोह के अंत में पुरस्कार वितरण किया गया, जिसमें शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वार्षिकोत्सव ने न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच दिया, बल्कि विद्यालय और समुदाय के बीच विश्वास एवं सहयोग को भी और मजबूत किया।

# आस्था व श्रद्धा का प्रतीक मां 'गिरड माता मंदिर' जहां होती है हर मनोकामना पूर्ण

**अनंत ज्ञान, धरवाला**

ऐतिहासिक मां गिरड माता मंदिर जो विधानसभा क्षेत्र भरमौर के अंतर्गत पड़ने वाली ग्राम पंचायत खुंदेल की ऊपरी पहाड़ी पर स्थित है। यह मंदिर मां काली को समर्पित है जानकारी के लिए बता दें कि यहां तक पहुंचने के लिए जिला मुख्यालय चंबा से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी तय कर आपको बतोट नामक स्थान पर पहुंचना होगा। उसके आगे की यात्रा पैदल तय करनी होगी जिसमें संकरे व टेढ़े-मेढ़े रास्ते कलट्ठकल करके बहती नदी व बहुत सी स्थाई वह अस्थाई पुलियां जिन्हें लांघ कर आपको पार करना होगा।

तत्पश्चात आता है माता रानी का प्रथम चरण जिसे थमली नहर के नाम से जाना जाता है जहां से दो रास्ते जाते हैं एक पगडंडी नुमा सीधा खड़ा व दूसरा थोड़ा घुमावदार। इसके बाद माता रानी की दूसरी चरण पादुका जिसे परौल नामक स्थान से जाना जाता है फिर

आपको गांव गिरड से होते हुए सीधा मां के मंदिर गिरड माता पहुंचना है।

यहां के मुख्य पुजारी बिड्डू राम व गुर उद्यमी राम जानकारी देते हुए बताते हैं कि गरुड़ पर सवार होकर मां यहां पहुंची थी तब से इस गांव व मंदिर का नाम गिरड पड़ा है। इस मंदिर के इतिहास की पुख्ता जानकारी किसी को भी मालूम नहीं है, हां सैकड़ों साल पुराना मंदिर जो जर्जर हालत में था जहां भूस्खलन जैसा खतरा पैदा हो गया था वहां से माता रानी की प्राचीन मूर्ति को उठाकर ठीक उसके ऊपर एक सुरक्षित स्थान पर माता रानी के मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ है। मंदिर के ठीक सामने भैरव देव का मंदिर है जिनकी पूजा का भी विशेष महत्व है। यहां बहुत दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दरबार में मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं और मां अपने भक्तों की हर मुराद हर इच्छा पूर्ण करती है। जानकारी के लिए बता दें कि हर वर्ष बैसाखी के दिन माता रानी के मंदिर में एक भव्य जातर का आयोजन बड़ी ही धूमधाम से किया जाता है। जिसमें काफी दूर-दूर से माता रानी पर आस्था रखने वाले श्रद्धालु यहां पहुंचकर इस भव्य जातर को और भी खास बना देते हैं।

## इंडस्ट्रियल एरिया की समस्याओं का समाधान किया सुनिश्चित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी।** एमसी मंडी के सभागार में आयुक्त नगर निगम की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें जिला उद्योग केंद्र, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, मंडी इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष एवं उद्योग प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ शहर समृद्ध शहर फेज-2 के तहत इंडस्ट्रियल एरिया में कचरा संग्रहण, ड्रेनेज और सीवरेज से संबंधित समस्याओं की समीक्षा करना और उनके आपसी समन्वय से समाधान निकालना था। सभी विभागों और उद्योग प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। विस्तृत चर्चा के बाद आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए और सभी समस्याओं के समयबद्ध निपटारे का निर्णय लिया गया। वार्ड नंबर 4 के पार्षद राजेंद्र मोहन व अतिरिक्त आयुक्त भी मौजूद रहे। एमसी ने सहयोग देने वाले सभी विभागों व प्रतिनिधियों का आभार जताया और इंडस्ट्रियल एरिया में स्वच्छता, ड्रेनेज और सीवरेज से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करने का भरोसा दिलाया।

# सतलुज नदी पर निर्माणाधीन पुल पर सुरक्षा लापरवाही से हुई मजदूर की मौत

**अनंत ज्ञान, सुंदरनगर**

- निर्माण कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल
- मृतक की पत्नी ने ठेकेदार और साइट इंचार्ज पर लगाया आरोप

सतलुज नदी पर निर्माणाधीन पुल परियोजना में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें झारखंड निवासी संजय उराव (27) की मौत हो गई। मृतक पुल के ऊपरी हिस्से पर बेल्डिंग का कार्य कर रहा था, तभी सैटरिंग का एक बड़ा हिस्सा नीचे धंस गया और वह करीब 80 फुट गहरी नदी में गिर गया। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि ठेकेदार और साइट इंचार्ज ने मजदूरों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं करवाए थे, जिसके कारण यह दुर्घटना घटी। मृतक की पत्नी फुलमणी देवी ने घटना के बाद पुलिस थाना सुंदरनगर में शिकायत दर्ज करवाई। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि उनके पति ने 2012 से हिमाचल में मजदूरी करना शुरू किया था और जून 2024 से वह सतलुज नदी पर बन रहे पुल पर बेल्डिंग और सैटरिंग का कार्य कर रहे थे। रविवार सुबह करीब 10:30 बजे जब वह पुल के ऊपरी हिस्से पर बेल्डिंग कर रहे थे, तो अचानक सैटरिंग का हिस्सा धंस गया और वह गिरकर नदी में समा गए। फुलमणी देवी ने आरोप लगाया कि साइट इंचार्ज ने उनके पति को सुरक्षा बेल्ट तक उपलब्ध नहीं कराई, जो कि कार्यस्थल की ऊंचाई और जोखिम को देखते हुए अनिवार्य थी। उन्होंने कहा कि यदि उनके पति ने सुरक्षा बेल्ट पहनी होती, तो वह आज जिंदा होते। इसके अलावा, स्थानीय मजदूरों ने भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के दबाव में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर ठेकेदार और साइट इंचार्ज के खिलाफ लापरवाही से मृत्यु (नेग्लिजेंस) का मामला दर्ज कर लिया है। डी.एस.पी. भारत भूषण ने मामले की जांच की पुष्टि की और कहा कि पुलिस घटना की सभी परिस्थितियों की गहनता से जांच कर रही है।

## बल्ह के भड़याल में 72वें जिलास्तरीय सहकारी समारोह का समापन

# सहकारिता क्षेत्र में तकनीक को बढ़ाना जरूरी : चंद्रशेखर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी**

उपमंडल बल्ह के भड़याल में आज 72वां जिला स्तरीय अखिल भारतीय सहकारी समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर मुख्य अतिथि रहे, जबकि पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रकाश चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

विधायक चंद्रशेखर ने कहा कि सहकारिता व्यवस्था समाज के आर्थिक और सामाजिक उत्थान की सबसे मजबूत कड़ी है। सहकारी सभाओं का उद्देश्य केवल लेन-देन या व्यापार नहीं, बल्कि सामूहिक प्रगति और ग्रामीण सशक्तिकरण है। मंडी जिला की सहकारी समितियों ने अपनी पारदर्शी कार्यप्रणाली और सेवा भावना से पूरे प्रदेश में एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि समय के साथ सहकारिता क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ाना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि सेवाएं तेज, पारदर्शी और जनहितैषी बन सकें। विधायक ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी सभाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां अन्य समितियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। चंद्रशेखर ने आश्वस्त किया कि सरकार सहकारिता आंदोलन को

बल्ह के भड़याल में जिलास्तरीय सहकारी समारोह में मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए।

मजबूत बनाने, समितियों को संसाधन उपलब्ध करवाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने सहकारिता आंदोलन की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए सहकारी बंधुओं को विभागीय नीतियों, योजनाओं और भविष्य की कार्य योजनाओं से अवगत करवाया।

इस अवसर पर सहायक पंजीयक शिवांशी सूद ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि जिला अंकेक्षण अधिकारी ओम चंद वर्मा ने मंडी जिला में सहकारिता विभाग की गतिविधियों, प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी दी। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी सभाओं को सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय पुरस्कारों में प्रथम पुरस्कार दी फतेहपुर सहकारी सभा, द्वितीय पुरस्कार दी पोंटा सहकारी सभा जबकि तृतीय पुरस्कार दी गाहर सहकारी सभा ने हासिल किया।

इसके अतिरिक्त विशेष योगदान देने वाली सहकारी सभाओं को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया। खंड स्तर पर बेहतर कार्य करने वाली समितियों को भी सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों सहित जिले की लगभग 600 सहकारी समितियों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

# सरसकान पंचायत के खाते में बड़ी उपलब्धि तड़ा में स्थापित होगा ऑटोमैटिक मौसम केंद्र

**रितेश चौहान, अनंत ज्ञान**

**सरकाघाट।** धर्मपुर उपमंडल की सरसकान पंचायत में जल्दी ही आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक स्वचालित मौसम केंद्र स्थापित किया जाएगा जिसका स्थल निरीक्षण एक उच्च स्तरीय टीम ने गत सोमवार को पंचायत रकबा तड़ा सरसकान में किया। पंचायत के प्रधान उमेश ललित ने बताया कि इस केंद्र का मुख्य कार्य मौसम संबंधी विभिन्न मापदंडों जैसे तापमान, आर्द्रता, वायुमंडलीय दबाव, हवा की गति और दिशा, और वर्षा को स्वायत्त रूप से मापना, रिकॉर्ड करना और संचारित करना होगा।

सरसकान पंचायत के तड़ा में स्थल निरीक्षण करने पहुंची संयुक्त टीम

उन्होंने कहा कि यह केंद्र कृषि, जलवायु विज्ञान, अनुसंधान और पूर्वानुमान में सटीक, वास्तविक समय डेटा प्रदान करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधान ने बताया कि इस पंचायत के साथ साथ खाहला क्षेत्र की दस पंचायतों के अलावा धर्मपुर, बहरी, भरौरी, बिंगा, सरी, लौंगनी, तनेहड़, सिद्धपुर, ततोहली परडाना आदि करीब तीस पंचायतों में जलवायु पैटर्न और दीर्घकालिक परिवर्तनों की निगरानी और अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण डेटा उपलब्ध कराएगा।

इस मौके पर इंजिनियर करण और इंजीनियर प्रीतिका चौहान ने जानकारी देते हुए कहा कि यह मौसम केंद्र पूरी तरह ऑटोमैटिक होगा तथा बिना मानवीय हस्तक्षेप के लंबी अवधि तक डेटा को लगातार रिकॉर्ड और संग्रहीत करता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस तरह के केंद्र नवीनतम वेब तकनीकों का उपयोग करके डेटा को वास्तविक समय में मौसम विज्ञानियों और विशेषज्ञों को प्रेषित करते हैं, जिससे मौसम पूर्वानुमान और विश्लेषण में मदद मिलती है। संयुक्त टीम में एएफडी दिल्ली के प्रतिनिधि नेहा पाटिल, प्रभाष दुबे, उपप्रधान सुनील कुमार, सचिव सुरेश ठाकुर, राम लाल राणा, पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

यह संसार कुत्ते की टेढ़ी दुम के समान है। सैकड़ों वर्षों से लोग इसे सीधा करने में लगे हैं, किंतु यह टेढ़ा ही रहता है, इसलिए मनुष्य को दुराग्रह छोड़ देना चाहिए।
–स्वामी विवेकानंद

## संपादकीय

# पंचायत चुनाव की गहमागहमी

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर गहमागहमी जारी है। चुनावों में देरी ने सभी दलों और जनता के बीच चिंता पैदा कर दी है। सवाल यह है कि आखिर चुनाव में देरी क्यों हो रही है और इसका राजनीतिक और प्रशासनिक असर क्या होगा? एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान हिमाचल हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार और राज्य चुनाव आयोग को इस देरी का कारण जनता को बताना होगा। यही नहीं, राज्य चुनाव आयोग ने भी सक्रिय होकर पंचायतों के पुनर्गठन पर रोक लगा दी। यह कदम दर्शाता है कि आयोग अब पंचायत चुनावों को समय पर कराने के लिए गंभीर हो गया है।

राजनीतिक और प्रशासनिक कारणों के अलावा हिमाचल के भौगोलिक और मौसम संबंधी हालात भी चुनाव में देरी का कारण बन रहे हैं। प्रदेश में सर्दियों का पीक सीजन शुरू हो चुका है और लाहुल-स्पीति, किन्नौर, सिरमौर और चंबा में भारी बर्फबारी होने वाली है। ऐसे में यदि इन जिलों में चुनाव समय पर नहीं हुए, तो नतीजे लटके रहेंगे और पूरे प्रदेश की पंचायत प्रणाली की सही तस्वीर सामने नहीं आ पाएगी। भाजपा और कांग्रेस के बीच भी इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति बनी हुई है। भाजपा लगातार कांग्रेस पर यह आरोप लगा रही है कि वह जानबूझकर चुनाव में देरी कर रही है। तर्क दिया जा रहा है कि कांग्रेस का संगठन वर्तमान में कमजोर है।

पुरानी कार्यकारिणियों को भंग कर दिया गया है और नए अध्यक्ष के ऐलान में भी समय लग रहा है। इस वजह से कांग्रेस को संगठन संभालने का समय मिल रहा है, ताकि चुनाव में बड़ी फजीहत से बचा जा सके। भाजपा का यह भी मानना है कि बगैर मजबूत संगठन के कांग्रेस का चुनावी प्रदर्शन कमजोर होगा, जिससे प्रदेश सरकार की छवि पर भी प्रश्न उठेंगे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पंचायत चुनाव सीधे तौर पर किसी पार्टी चुनाव चिन्ह पर नहीं लड़े जाते। फिर भी अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक दलों का इसमें हस्तक्षेप रहता है। नेता और संगठन स्थानीय स्तर पर उम्मीदवारों को समर्थन देते हैं, रणनीति बनाते हैं और जनसमर्थन जुटाते हैं। ऐसे में चुनावी प्रक्रिया में देरी का फायदा या नुकसान राजनीतिक दलों की तैयारियों और चुनावी रणनीतियों पर सीधे असर डालता है।

हिमाचल में पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज है, लेकिन वर्तमान हालात में भाजपा और कांग्रेस दोनों के अंदर गुटबाजी दिखाई दे रही है। भाजपा के कई गुट बनने के कारण संगठनात्मक संघर्ष बढ़ गए हैं, वहीं कांग्रेस के अंदर भी कई गुट सक्रिय हैं। यही कारण है कि कांग्रेस को प्रदेश अध्यक्ष के चयन में भी समय लग रहा है। यह देरी केवल संगठनात्मक कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी रणनीति तय करने का भी संकेत हो सकती है।

हाई कोर्ट की सक्रिय भूमिका और राज्य चुनाव आयोग की त्वरित कार्रवाई के बाद अब उम्मीद है कि पंचायत चुनाव जल्द ही कराए जाएंगे। आयोग ने पंचायतों के पुनर्गठन पर रोक लगाकर साफ संदेश दे दिया है कि अब चुनावों में कोई अनिश्चितता नहीं चल सकती। चुनावी माहौल धीरे-धीरे पूरी तरह से तैयार हो गया है। हालांकि, प्रदेश में आचार संहिता अभी लागू नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक दल और प्रशासन इसके लिए तैयारियों में जुट गए हैं।

पंचायत चुनाव केवल स्थानीय प्रशासन और विकास कार्यों की दिशा तय करने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह आगामी विधानसभा चुनावों की दशा और दिशा का भी संकेत देते हैं। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में चुनावी परिणामों से दलों को अपनी ताकत और कमजोरियों का अंदाजा होता है। यही वजह है कि समय पर पंचायत चुनाव कराना लोकतंत्र की मजबूती और प्रशासनिक स्थिरता के लिए अनिवार्य माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार के पंचायत चुनाव न केवल स्थानीय स्तर पर शासन और विकास कार्यों को प्रभावित करेंगे, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों के समीकरणों को भी आकार देंगे।

हिमाचल के वर्तमान राजनीतिक माहौल में जहां भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के अंदर गुटबाजी और संगठनात्मक चुनौतियां हैं, ऐसे में पंचायत चुनाव किसी भी पार्टी के लिए अपनी तैयारी और रणनीति को परखने का अवसर होंगे। पंचायत चुनाव समय पर करवाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। चुनाव में देरी न केवल प्रशासनिक चुनौती है, बल्कि राजनीतिक दलों की तैयारी और जनता के विश्वास पर भी प्रभाव डालती है। हाई कोर्ट और राज्य चुनाव आयोग की सक्रियता से उम्मीद की जा सकती है कि प्रदेश में जल्द ही पंचायत चुनाव आयोजित होंगे। इससे न केवल लोकतंत्र की प्रक्रिया मजबूत होगी, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों की दिशा भी स्पष्ट होगी। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र | **आज की प्रमुख हस्ती**

## परमवीर चक्र से अलंकृत वीर

**मेजर** शैतान सिंह भाटी भारतीय सेना के एक अमर वीर और परमवीर चक्र से अलंकृत सैनिक थे। राजस्थान के जोधपुर में जन्मे शैतान सिंह के पिता ले. कर्नल हेमसिंह भाटी भी सेना में सेवाएं दे चुके थे। वे कुमायूं रेजिमेंट में शामिल हुए। 1962 का भारत-चीन युद्ध, विशेषकर रेजांग ला का मोर्चा, उनकी वीरता का सर्वोच्च उदाहरण बना।

मेजर शैतान सिंह भाटी
जन्म : 1 दिसंबर,1924
मृत्यु : 18 नवंबर,1962

13 कुमायूं बटालियन चुशूल सेक्टर में तैनात थी, जहां अत्यधिक ठंड, कठिन भूगोल और सीमित हथियारों के बावजूद भारतीय सैनिकों का मनोबल अटूट था। चीन की आधुनिक हथियारों से लैस भारी सेना ने रेजांग ला पर अचानक हमला किया, पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 'सी कंपनी' के सैनिकों ने दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया। जब मोर्टार और रॉकेटों की बौछार में अधिकांश बंकर नष्ट हो गए, तब भी उन्होंने अपनी टुकड़ी को पीछे हटने नहीं दिया। उन्होंने अपने साथियों को आदेश दिया कि वे उन्हें वहीं छोड़ दुश्मन से अंतिम दम तक लड़ते रहें। तीन महीने बाद उनका पार्थिव शरीर बर्फ में मिला। उनके अतुलनीय साहस और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। ■

कविता

## नम आंखों का हर अश्क

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं, बिलासपुर (हि.प्र)

**नम** आंखों का हर अश्क कहता एक कहानी
बुढ़ापा सबको आएगा नहीं रहेगी जवानी
क्यों आदमी फिर भी जकड़ा है मैं ने
पड़ेगी जिंदगी फिर ऐसे ही बितानी
आंखों की नमी को है वही समझ सकता
शरीर में जिसके है नरम दिल बसता
दुनिया से उसे क्या है लेना
जिसे हर काम में पैसा है दिखता
किसी की आंख से जब बहता है पानी
जिंदगी है ऐसे जैसे दरिया की रवानी
खुद नहीं चलोगे तो थम सी जाएगी
जैसे कि तालाब में ठहरा हुआ पानी
जिंदगी उसके लिए मीठी है कहानी
बेमतलब बहाता नहीं जो आंख से पानी
दूसरों के काम जो न आ सके कभी
किस काम की वह जिंदगी किस काम की जवानी

**पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।**

# दुनिया में जलवायु शरणार्थी और आपदा-जनित प्रवास

जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी में मानव जीवन को अभूतपूर्व रूप से रूपांतरित कर रहा है। बढ़ता तापमान, पर्यावरणीय क्षरण और चरम मौसम न केवल पारिस्थितिकी तंत्रों को प्रभावित कर रहा है, बल्कि वैश्विक प्रवासन पैटर्न को भी तेजी से बदल रहा है। बाढ़, तूफान, चक्रवात, जंगल की आग और भूस्खलन जैसी अचानक आने वाली आपदाएं, तथा समुद्र-स्तर वृद्धि, मरुस्थलीकरण और दीर्घकालिक सूखों जैसी धीमी प्रक्रियाएं लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही हैं।

राजन कुमार शर्मा
प्रशिक्षण प्रभारी एवं आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ,जिला ऊना

ऐसे विस्थापित लोगों को अनौपचारिक रूप से 'जलवायु शरणार्थी' कहा जाता है। हालांकि यह शब्द अभी अंतरराष्ट्रीय कानून में मान्यता प्राप्त नहीं है। परिणामस्वरूप, पर्यावरणीय कारणों से विस्थापित व्यक्तियों को राजनीतिक शरणार्थियों को मिलने वाली सुरक्षा और अधिकार प्राप्त नहीं होते, जिससे उनकी कानूनी स्थिति अत्यंत अनिश्चित बनी रहती है। जलवायु परिवर्तन-जनित विस्थापन को व्यापक रूप से दो श्रेणियों में समझा जा सकता है–अचानक शुरू होने वाली आपदाएं और धीमी गति से होने वाला पर्यावरणीय क्षरण। अचानक होने वाली आपदाएं बड़े पैमाने पर और तत्काल विस्थापन का कारण बनती हैं। वर्तमान वैश्विक आंकड़े दर्शाते हैं कि बाढ़ दुनियाभर में सबसे अधिक विस्थापन उत्पन्न करती है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में उष्णकटिबंधीय चक्रवात हर वर्ष लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं। उत्तरी अमेरिका में जंगल की आग और तूफानों ने संपूर्ण समुदायों को उखाड़ फेंका है और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा नष्ट किया है। ऐसे मामलों में विस्थापन लंबे समय तक या स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि घर, खेत और आवश्यक सेवाएं बर्बाद हो जाती हैं।

इसके विपरीत, धीमी गति से होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन अधिक जटिल और दीर्घकालिक प्रवास को जन्म देता है। समुद्र-स्तर में वृद्धि से निचले तटीय क्षेत्र तथा किरिबाती, तुवालु और मालदीव जैसे छोटे द्वीपीय देश अस्तित्वगत संकट का सामना कर रहे हैं। मीठे पानी के स्रोतों का लवणीकरण, भूमि कटाव और कृषि योग्य भूमि का नुकसान वहां के निवासियों को उनकी पैतृक भूमि से दूर जाने के लिए मजबूर कर रहा है। साहेल, दक्षिण एशिया और मध्य अमेरिका में मरुस्थलीकरण तथा लगातार सूखे ने कृषि-आधारित आजीविकाओं को कमजोर कर

दिया है, जिसके कारण ग्रामीण-शहरी और कई मामलों में सीमा-पार प्रवास में वृद्धि हुई है। महत्वपूर्ण यह है कि जलवायु परिवर्तन शायद ही कभी अकेले विस्थापन का कारण बनता है। यह गरीबी, कमजोर शासन, संघर्ष, सीमित बुनियादी ढांचा और असमान विकास के साथ मिलकर संवेदनशीलता को बढ़ाता है। सीरिया में लंबे सूखे ने कृषि संकट को बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण-शहरी विस्थापन तेज हुआ और अंततः व्यापक अस्थिरता के लिए परिस्थितियां तैयार हुईं।

इस प्रकार, जलवायु परिवर्तन को एक 'थ्रेट मल्टीप्लायर' के रूप में देखा जाता है, जो मौजूदा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक तनावों को और गहरा करता है। जलवायु-प्रेरित प्रवासन का अधिकांश भाग आंतरिक होता है, जिसका अर्थ है कि लोग अपने ही देश में सुरक्षित स्थानों की ओर जाते हैं। शहरी क्षेत्रों में अचानक जनसंख्या वृद्धि परिवहन, स्वास्थ्य, आवास और जल आपूर्ति जैसी सेवाओं पर भारी दबाव डालती है। ग्रामीण-शहरी प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा अनौपचारिक बस्तियों में रहने को मजबूर होता है, जो स्वयं जलवायु जोखिमों–जैसे बाढ़ या भूस्खलन—के अत्यधिक संपर्क में होते हैं।

क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न हॉटस्पॉट उभरकर सामने आए हैं। एशिया जलवायु-जनित आपदा विस्थापन का केंद्र बना हुआ है। प्रशांत द्वीप समूह बढ़ते समुद्र-स्तर से उत्पन्न अस्तित्वगत खतरे का सामना कर रहे हैं। अफ्रीका का हॉर्न और साहेल क्षेत्र सूखे और फसल विफलताओं से जूझ रहा है। मध्य अमेरिका का 'कोरिडोर सेको' लंबे सूखे और खाद्य असुरक्षा के कारण उत्तर की ओर प्रवासन को बढ़ावा दे रहा है। यहां तक कि विकसित देश भी अछूते नहीं हैं-संयुक्त राज्य अमेरिका में कैटरीना, हार्वे और मारिया जैसे तूफानों ने लाखों लोगों को विस्थापित किया।

जलवायु-प्रेरित विस्थापन प्रभावित लोगों के लिए केवल भौतिक हानि का ही नहीं, बल्कि आजीविका, सामाजिक पहचान और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरे प्रभाव छोड़ता है। महिलाएं, बच्चे और मूलनिवासी समुदाय विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं। प्रवासियों के बड़े समूहों का आगमन मेजबान क्षेत्रों में संसाधनों पर दबाव और सामाजिक तनाव पैदा कर सकता है, जबकि छोटे द्वीपीय देशों के लिए भूमि का नुकसान सांस्कृतिक अस्तित्व और संप्रभुता का गंभीर प्रश्न बन जाता है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय कानून जलवायु शरणार्थियों को मान्यता नहीं देता, जिससे वे कानूनी सुरक्षा से वंचित रहते हैं। यद्यपि 2020 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति ने जीवन-जोखिम वाले देशों में वापसी को मानवाधिकार उल्लंघन माना, यह बाध्यकारी नहीं है। कुछ देशों ने मानवीय वीजा और पुनर्वास जैसे उपाय अपनाए हैं, परंतु वे सीमित हैं। समाधान के लिए अनुकूलन निवेश, कानूनी सुधार, योजनाबद्ध पुनर्वास और विकसित देशों की जिम्मेदारी आवश्यक है। जलवायु शरणार्थियों का मुद्दा एक व्यापक वैश्विक न्याय और मानवाधिकार चुनौती है।

**( ये लेखक के निजी विचार**

# राजनीतिक बदलाव की सबसे बड़ी वाहक 'नारी शक्ति'

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी ने पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व रूप से उभरकर यह सिद्ध कर दिया है कि राजनीति अब केवल पुरुष प्रधान क्षेत्र नहीं रहा। खासकर बिहार जैसे राज्य में, जहां वर्षों तक सामाजिक संरचना रूढ़िवादी मानी जाती थी, आज महिला मतदाता न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कर रही हैं, बल्कि चुनावी परिणामों को निर्णायक रूप से प्रभावित भी कर रही हैं।

वसुंधरा धर्माणी
घुमारवीं, बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

बिहार चुनाव के संदर्भ में महिलाओं की शक्ति को समझना, वर्तमान राजनीति की धड़कन को महसूस करने जैसा है। बिहार के इस चुनाव में महिलाओं की भागीदारी मात्र एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन की कहानी है। 71.6% तक पहुंची महिला मतदान ने साफ संदेश दिया है कि महिलाएं अब लोकतंत्र में पिछली पंक्ति में नहीं बैठ रही हैं, बल्कि उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में अग्रिम पंक्ति हासिल की है। यह बढ़ी हुई सहभागिता न सिर्फ चुनाव की दिशा में बदलाव ला सकती है, बल्कि नीतियों, विधानसभा बैठकों और राजनीतिक एजेंडों में भी महिलाओं की भागीदारी को केंद्र में ला सकती हैं। अगर बिहार जैसे जनसंख्या वाले राज्य में महिलाएं लोकतंत्र में सक्रिय भागीदार बन जाती हैं, तो यह न केवल राज्य के लिए बल्कि पूरे देश के लिए राजनीतिक और सामाजिक बदलाव का प्रतीक हो सकता है। यद्यपि महिलाएं संवेदनशील होती हैं, पर मतदान के समय वे अत्यधिक व्यवहारिक होती हैं। वे यह देखती हैं कि किस नेता ने वास्तव में उनके समाज के लिए काम किया? किसने उन्हें सम्मान दिया? महिलाएं सिर्फ मतदाता नहीं, बल्कि विचारों की भी वाहक होती हैं।

उनका निर्णय अक्सर परिवार के पुरुष मतदाताओं को भी प्रभावित करता है। यदि किसी सरकार की योजनाएं महिलाओं की जिंदगी पर प्रत्यक्ष असर डालती हैं, तो वे निश्चय ही उसी के प्रति आकर्षित होती हैं। आज महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर

होना चाहती हैं, जिसके लिए वह ऐसी सरकार चुनना पसंद करती हैं जो स्थानीय रोजगार को बढ़ावा दें, महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोले, महिलाओं की सुरक्षा को अहमियत दे और छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहित करें। आर्थिक मजबूती उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देती हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण और शहरी, दोनों स्तरों पर महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता बढ़ी है। वे अपने परिवार, पड़ोस और गांव में मतदान के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। बिहार में यह भूमिका और भी प्रबल है, क्योंकि यहां की महिलाएं वर्षों से सामाजिक संघर्षों के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती रही हैं। परिणाम स्वरूप 2025 विधानसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान भागीदारी एक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। महिलाओं ने 71.6% वोट किया, जबकि पुरुषों की भागीदारी 62.8% रही। कुल मतदान 66. 91% रहा, जो राज्य के इतिहास में सबसे अधिक है। बिहार में महिलाओं का पहले से अधिक संख्या में मतदान के लिए सामने आना एक ऐतिहासिक बदलाव है। यह पहली बार है जब महिलाओं ने मतदान प्रतिशत में पुरुषों को पीछे छोड़ा। यह परिवर्तन बिहार की सामाजिक-राजनीतिक संरचना में गहरी उथल-पुथल का संकेत है। पिछले दो दशकों में बिहार में महिलाओं की मतदान भागीदारी लगातार बढ़ी है। यह बढ़ोतरी दिखाती है कि महिलाएं अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के केंद्रीय स्तंभ के रूप में उभर रही हैं।

बिहार चुनाव की सफलता भी इसी व्यापक परिवर्तन का परिणाम है। महिलाओं के भरोसे, गरीबों के समर्थन, विकास के प्रभाव, संगठनात्मक मजबूती और नेतृत्व की विश्वसनीयता ने मिलकर जीत सुनिश्चित की। अपराध नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा, प्रशासनिक सक्रियता और आर्थिक सुधारों ने महिला मतदाताओं में विश्वास पैदा किया, जिसका सीधा प्रभाव परिणामों में दिखाई दिया। यह बदलाव एक शांत सामाजिक क्रांति का प्रतीक है, जहां महिलाएं न केवल वोट दे रही हैं, बल्कि अपने वोट की शक्ति को पहचानकर बिहार की राजनीति के भविष्य को दिशा भी दे रही हैं।

**( ये लेखिका के निजी विचार हैं )**

# चिट्टा : युवा पीढ़ी को निगलता सफेद जहर-समय रहते जागना होगा

चिट्टे के साथ कितने लोग पकड़े गए, कितने युवा ओवरडोज लेने से मर गए, आखिर यह कब तक सुनने को मिलेगा तथा यह सिलसिला कब तक चलेगा? समाज के प्रबुद्ध लोग इस समस्या के समाधान के लिए कब एकजुट होकर आगे आएंगे। हिमाचल प्रदेश जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है वह अब चिट्टे रूपी नशे के कारण सुर्खियों में है।

लकेश चंदेल
अध्यापक, जिला बिलासपुर (हि. प्र)

हिमाचल प्रदेश में चिट्टा तस्करी और नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। युवाओं में जागरूकता फैलाना, चिट्टे तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाना, समाज के हर वर्ग को चिट्टे के विरुद्ध लड़ाई में आगे आना ही एकमात्र उपाय है,जो समय रहते हमारे देश की आने वाली नस्लों को उजड़ने से बचा सकता है। कोई भी बच्चा किसी भी परिवार में पैदा होता है तो उसके माता-पिता उसकी परवरिश में कोई कमी नहीं रखते हैं। उसे अच्छा खाने-पीने, पहनने को देते हैं तथा उच्च शिक्षा देकर एक अच्छा नागरिक बनाने की हर संभव कोशिश करते हैं, परंतु वही माता-पिता कहीं न कहीं ऐसी भूल कर बैठते हैं जिसके कारण उनका बच्चा चिट्टे जैसे नशे का शिकार हो जाता है

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किशोरावस्था एक तनाव की अवस्था होती है इस अवस्था में बच्चों में भरपूर ऊर्जा होती है। अगर बच्चों को इस उम्र में एक सही दिशा और दशा ना मिले तो वह गलत रास्तों की ओर मुड़ने लगता है परिणाम स्वरूप वह तनाव व असफलताओं से बचने के लिए नशे की ओर अग्रसर हो जाता है। बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों से हद से ज्यादा उम्मीदें रखते हैं तथा बच्चों के ऊपर अनावश्यक दबाव बना देते हैं।

उन्हें यह ज्ञात नहीं होता कि हर व्यक्ति में व्यक्तिगत विभिन्नता पाई जाती है और सब का बुद्धि स्तर अलग-अलग होता है। यही कारण है कि आज इंजीनियर, डॉक्टर

की पढ़ाई कर रहे युवा भी इस नशे के कीचड़ में धंसता जा रहा है तथा अन्य युवा बेरोजगारी, पैसा कमाने, स्वाद चखने की ललक के कारण चिट्टे रूपी दलदल में फंस जाते हैं और यह एक ऐसा जाल है अगर इसमें कोई भी व्यक्ति एक बार फंस गया तो वह स्वयं व समाज के लिए घातक सिद्ध होता है तथा अंत में अपनी जीवन लीला को समाप्त करके देश के विकास में बाधा डालता है।

आजकल ऐसा कोई दिन नहीं है जब हम समाचार पत्रों तथा अन्य समाचारों में यह नहीं सुनते हैं कि चिट्टे के कारण लोगों की मृत्यु हो रही है जिसमें अधिकतर युवा होते हैं और न जाने कितने ही लोग चिट्टे के साथ पकड़े जाते हैं।

आज सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि नशे का यह बढ़ता सिलसिला आखिर कब रुकेगा। समाज के प्रबुद्ध वर्ग को इस समस्या पर गंभीरता से विचार कर त्वरित समाधान खोजने की आवश्यकता है, ताकि हमारा राज्य और देश नशामुक्त बन सके। चिट्टा न केवल व्यक्ति के जीवन को नष्ट करता है, बल्कि समाज में अपराध, हिंसा, चोरी और असुरक्षा को भी बढ़ावा देता है। इसलिए कानून-व्यवस्था और प्रशासन को इसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

किसी भी समस्या का समाधान उसके मूल कारण को समझे बिना संभव नहीं, इसलिए यह जानना आवश्यक है कि चिट्टा हिमाचल में कहां से आ रहा है, कौन इसे बना रहा है और किन माध्यमों से यह युवाओं तक पहुंच रहा है। शैक्षणिक संस्थानों में नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक जागरूकता होनी चाहिए ताकि बचपन से ही बच्चों के मन में नशे के प्रति घृणा विकसित हो। परिवार और अभिभावकों को मित्र की तरह बच्चों का मार्गदर्शन करना चाहिए, ताकि वे तनाव से दूर रहें। बच्चों को खेल व सामाजिक गतिविधियों में शामिल करना भी आवश्यक है। ग्राम पंचायतों, युवा व महिला मंडलों को भी नशामुक्ति अभियान में स, य भूमिका निभानी होगी। समय रहते यदि चिट्टे रूपी इस सफेद जहर को खत्म नहीं किया गया तो परिणाम भयावह होंगे। सामूहिक प्रयास ही इससे मुक्ति का एकमात्र मार्ग हैं।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

# भारतीय सेना के पराक्रम और बलिदान का गौरवशाली अध्याय रेजांग ला युद्ध

राष्ट्र भूमि के लिए भारत की सेना का त्याग बलिदान एवं पराक्रम एवं समर्पण भाव संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। सामने चाहे कितना ही बड़ा संकट क्यों न हो, युद्ध की परिस्थितियां कितनी भी विकट क्यों न हो।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज
(आध्यात्मिक चिंतक)

युद्ध के संसाधन चाहे कम हों फिर भी भारतीय सैनिक अपनी मातृभूमि के लिए अपने दृढ़ संकल्प और पराक्रम के बल पर अपना सर्वश्रेष्ठ करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

रेजांग ला का युद्ध भी भारतीय सेना के शौर्य, वीरता और बलिदान की महागाथा है। 1962 के भारत-चीन युद्ध के दूसरे चरण के दौरान 18 नवंबर 1962 को लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र रेजांग ला में भारतीय और चीनी सेना के बीच यह युद्ध हुआ। 13 कुमाऊं बटालियन के चार्ली कंपनी के 120 भारतीय सैनिकों द्वारा लड़ा गया । इस कंपनी का नेतृत्व मेजर शैतान सिंह कर रहे थे। रेजांग ला की दुर्गम क्षेत्र में 18000 फुट की ऊंचाई पर शून्य से 24 डिग्री कम तापमान में यह लड़ाई लड़ी गई। रेजांग ला के इस दुर्गम क्षेत्र और विकट परिस्थितियों में भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य वीरता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 120 शूरवीर भारतीय सैनिकों ने असाधारण वीरता और पराक्रम दिखाते हुए लगभग 1300 चीनी सैनिकों को परास्त किया था तथा रेजांगला क्षेत्र की सुरक्षा की थी।

चीनी सेना के साथ हुए रेजांगला के इस युद्ध में अद्भुत पराक्रम और वीरता दिखाते हुए भारतीय सेना के एक सौ बीस सैनिकों ने मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। इस युद्ध में अपने शौर्य का प्रदर्शन करने वाले 114 सैनिक अहीर और यादव थे।

इन सभी बहादुर सैनिकों ने चीनी सेना के लगभग 1000 से अधिक सैनिकों को मार गिराया था। हरियाणा राज्य के रेवाड़ी और गुड़गांव में विशेष रूप से रेजांग ला

शौर्य दिवस मनाकर इन सभी अहीर और यादव शूरवीरों के बलिदान को श्रद्धासुमन अर्पित किए जाते हैं। रेजांग ला में बने इन महानायकों के स्मारक स्थल पर भी इनके अद्भुत पराक्रम की महिमा का गुणगान करते हुए लिखा गया है कि 'The Bravest of The Brave Veer Aheer'। भयभीत होकर चीनी सेना इस पोस्ट से पीछे हटने पर मजबूर हो गई थी। चीनी सैनिकों को इस युद्ध में मुंह की खानी पड़ी थी और इस युद्ध के बाद ही चीन ने युद्ध विराम की घोषणा की थी। भारतीय सैनिकों का नेतृत्व कर रहे मेजर शैतान सिंह ने भी अपना अद्भुत शौर्य प्रदर्शित किया। बुरी तरह से घायल होने पर भी शैतान सिंह गन को पैर से बांधकर अंतिम समय तक फायरिंग करते रहे। मरणोपरांत मेजर शैतान सिंह को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। इस लड़ाई में भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस का विपरीत परिस्थितियों में प्रदर्शन करते हुए हजारों चीनी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था।

रेजांग ला की यह लड़ाई न केवल भारतीय सैन्य इतिहास में बल्कि विश्व के सैन्य इतिहास में सबसे बहादुर लड़ाइयों में से एक मानी जाती है। यूनेस्को द्वारा विमोचित पुस्तक जिसमें विश्व इतिहास की सर्वथा प्रतिकूल परिस्थितियों में अपने से कई गुना शक्तिशाली शत्रु सेना के दांत खट्टे करने वाली आठ सूचीबद्ध लड़ाईयों में इस रेजांग ला युद्ध को स्थान दिया है।

रेजांगला के युद्ध में भारतीय रणबांकुरों ने अप्रतिम शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए मातृभूमि हेतु सर्वस्व न्यौछावर किया था। रेजांग ला शौर्य दिवस इन सभी बहादुर सैनिकों के उत्कृष्ट बलिदान एवं साहस और वीरता के प्रति नतमस्तक होने का अवसर है।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

**अनंत ज्ञान**

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

# सालों से भगेहड़-लाहड़ सड़क नहीं हुई ठीक, 2500 की आबादी परेशान

## स्कूली बच्चों सहित वाहन चालक बेहाल, विभाग न पैचवर्क कर रहा और न नालियां बना रहा

अनुज वर्धन, अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

**चौंतड़ा।** कई साल बीत गए लेकिन अभी भी कई संपर्क सड़कें ठीक नहीं हो पाई। सड़कों की इतनी दयनीय और खस्ताहालत हो गई है कि वाहन चालकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है जिसके चलते लोक निर्माण विभाग के प्रति लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। आपको बता दें कि विकास खंड चौंतड़ा की ग्राम पंचायत भडयाडा की बजगर से लेकर खलही गांव और खलही से चोट गांव वही भगेहड़ से लेकर लाहड सड़क की हालत बहुत ही खस्ता और बहुत ही खराब हो चुकी है, लगभग पांच किमी इस सड़क में सालों से न तो पैच वर्क हुआ है और न ही इन्हें ठीक किया जा रहा है हालात ऐसे है कि कई जगह तो सड़क ही नहीं दिखती। 2500 के करीब आबादी वाले इन गांव के दर्जनों ही लोग अपने दोहिया ओर कारों से सफर करते है, वहीं इन्हीं सड़कों से करीब एक दर्जन स्कूल बसें बच्चों को लाने और छोड़ने जाती है। गांव वालों का कहना है इस समस्या बारे विभाग को कई बार बोला गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

### क्या कहते हैं अधिकारी

**विद्या** सागर एसडीओ लोक निर्माण विभाग जोगिंदर नगर का कहना है की पीडीएनए में एस्टीमेट बना कर भेज दिया गया है जल्द ही अगली कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

### मिट्टी से किए पैचवर्क बने मुसीबत: अभिनय

**अभिनय** ठाकुर उपप्रधान ग्राम पंचायत भड़ियाडा का कहना है कि इन सड़कों में न ही विभाग द्वारा पैचवर्क किया जा रहा है ना ही यह सड़कें अच्छी दुरुस्त की जा रही है। इस संदर्भ में जब विभाग को अवगत करवाया कि इन सड़कों पर पेचवर्क किया जाए तो विभाग ने मिट्टी के पैचवर्क डाले जोकि दोहिया वाहन चालकों के लिए ओर भी मुश्किलें खड़ी हो गई है। उपप्रधान का कहना है इससे कई बार एक्सीडेंट हुए और वाहन चालक जख्मी हुए है। उन्होंने विभाग से और प्रशासन से यही मांग है कि इन सड़कों को अच्छी तरह पक्का किया जाए, ताकि लोगों को चलने और गाड़ी चलाने में सुविधा मिलती रहे। कई वर्षो से इन सड़कों पर पेचवर्क भी नहीं किया गया ना ही पक्की की गई है हमारी यही मांग है कि इन सड़कों को जल्दी से जल्दी पक्का और दुरुस्त किया जाए।

# विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

नूतन ठाकुर, अनंत ज्ञान, **बालीचौकी।** उपमंडल थुनाग के मिनी सचिवालय में आपदा राहत एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक का आयोजन अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह की अध्यक्षता में किया गया। गुरसिमर सिंह ने सभी प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों से आपदा राहत कार्यों, समयबद्ध पुनर्निर्माण तथा विकासात्मक कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गति से पूर्ण किया जाए, ताकि जनता को उपलब्ध योजनाओं एवं सुविधाओं का समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने सभी विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा कार्यों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उपमंडलाधिकारी (ना0) थुनाग रमेश कुमार, तहसीलदार जितेंद्र सिंह, अधिशाषी अभियंता विद्युत बोर्ड सुमित चौहान, अधिशाषी अभियंता जल शक्ति मंडल संदीप कुमार, सहायक अभियंता लोनिवि जंजैहली बंटी कुमार, बीडीओ सराज व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# एनएच निर्माण कंपनी के खिलाफ शिकायत करने वालों पर ही पुलिस ने दर्ज कर दिया मुकदमा: भूपेंद्र

रितेश, अनंत ज्ञान

**सरकाघाट।** सरकाघाट पुलिस का एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। थाना प्रभारी ने 27 मई को दमसेहड़ा में एनएच अवरुद्ध करने के कथित आरोप पर 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर 93/25 दर्ज की। इसमें माकपा नेता एवं पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस ने जनता के बजाय पांच साल से निर्माण कार्य कर रही सूर्या और गावर निर्माण कंपनी के पक्ष में काम किया।

भूपेंद्र सिंह ने बताया कि दर्ज मुकदमे में ऐसे लोग भी नामजद किए गए हैं जिनका धरनों या प्रदर्शन में कोई भागीदारी नहीं थी। किसान सभा और अन्य लोगों ने 3 जून को कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी, लेकिन पुलिस ने उल्टा शिकायतकर्ता ही आरोपित बना दिए।

किसान सभा ने हिमाचल उच्च न्यायालय में इस मामले की शिकायत दर्ज कर दी है, जिसकी सुनवाई 24 इस महीने निर्धारित है। आरोप है कि पुलिस का यह कार्य जनता और न्याय के प्रति नहीं, बल्कि निजी कंपनियों के हित में किया गया। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हिमाचल किसान सभा ऐसे पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन करेगी व सरकार से कार्रवाई की मांग करेगी। इसके लिए आगामी 26 नवंबर को सरकाघाट में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा और इस झूठे मुकदमे को रद्द करने की मांग उठाई जाएगी।

### थाना प्रभारी के खिलाफ जाएंगे हाईकोर्ट

**मुकदमे** में झूठे तौर पर नामजद किए गए ठेकेदार रमेश ठाकुर, सीए अविनाश चंदेल, कैप्टन ओंकार सिंह, बीडी शर्मा, श्रवन सिंह इत्यादि ने कहा कि उन पर पुलिस ने झूठा मुकदमा दर्ज करने के खिलाफ थाना प्रभारी सरकाघाट पर उच्च न्यायालय में मानहानि का मुकदमा करेंगे।

> **हाईवे** अवरुद्ध करने को लेकर 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, अगर किसी पर गलत मामला दर्ज हुआ है तो वह जांच अधिकारी के पास जाकर अपना बयान दर्ज करवा सकता है।
>
> **- रजनीश ठाकुर, थाना प्रभारी सरकाघाट।**

- **किसान सभा ने झूठे केस रद्द करने की उठाई मांग**

## न्यूज ब्रीफ

### पाइन नीडल उत्पाद तैयार करने के लिए किया प्रेरित

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट।** रोटरी क्लब छोटी काशी द्वारा सरकाघाट की बरछवाड़ पंचायत घर में आयोजित 5 दिवसीय पाइन नीडल मेकिंग ट्रेनिंग कैंप सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस शिविर में क्षेत्र की महिलाओं को चीड़ के पेड़ से गिरने वाले चलारुओं (पाइन नीडल) से विभिन्न उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया, ताकि वे उत्पाद बाजार में बेचकर अपनी आजीविका अर्जित कर सकें। क्लब की अध्यक्ष डॉ. हेमलता ने बताया कि रोटरी क्लब छोटी काशी द्वारा जिले में समय-समय पर महिला सशक्तिकरण, जागरूकता तथा रोजगारोन्मुखी गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। क्लब सदस्य अखिल गुप्ता ने महिलाओं को पाइन नीडल उत्पाद तैयार करने हेतु प्रेरित किया और बताया कि इस मुफ्त कच्चा माल उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बना सकता है। पंचायत प्रधान निशा कुमारी ने ऐसे कार्यक्रमों को ग्रामीण महिलाओं के लिए अत्यंत लाभदायक बताया और क्लब का आभार व्यक्त किया।

### नेरचौक बस स्टॉप में भिखारियों से परेशान लोग

**भीम बसेई, राजपूत, अनंत ज्ञान, महादेव।** राष्ट्रीय उच्च मार्ग नंबर 21 से जुड़े नेरचौक में भिखारियों की तादाद बढ़ती जा रही है। शहर के विभिन्न हिस्सों में हर उम्र के भिखारी यात्रियों को परेशान कर रहे हैं। कई महिलाएं रोते-बिलखते बच्चों के साथ भीख मांगती हैं, जबकि छोटे बच्चे डफली बजाकर और गंदगी फैलाकर माहौल खराब करते हैं। खड़ी बसों और वाहनों के पास घूमकर यात्रियों को उलझाते हैं। यात्रियों ने बताया कि भिखारी न मिलने पर गालियां देते हैं और वाहनों के पास थूकते हैं, जिससे सभी को असुविधा होती है। राजीव कुमार, दीक्षा, अमरनाथ, संजय अत्री, पलक, सीमा जसवाल और प्रमोद ने नगर परिषद नेरचौक से पुरजोर मांग की है कि बस स्टॉप नेरचौक और आसपास के क्षेत्रों को भिखारियों से मुक्त कराया जाए ताकि यात्री सुरक्षित और सहज तरीके से यात्रा कर सकें।

### हिमालय की जैव-विविधता संरक्षण पर दिया जोर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी।** अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मित्र बहुउद्देशीय संस्था का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह एवं पर्यटन अधिवेशन 2025 भव्य रूप से आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि एवं संस्था के हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह चंदेल ने हिमालय की जैव-विविधता संरक्षण पर विस्तृत संबोधन दिया। कार्यक्रम में संस्था के अंतरराष्ट्रीय संस्थापक देव तांबे भी उपस्थित रहे। हिडिंबा माता परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें देवदार के वृक्ष रोपे गए। महेंद्र सिंह चंदेल ने हिमालय में दुर्लभ वनस्पतियों और जड़ी-बूटियों के महत्व पर जोर देते हुए पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। उन्होंने हिमालयी क्षेत्रों में बड़े प्रोजेक्ट और सुरंग निर्माण पर चिंता जताई और सरकार से पुनर्विचार की मांग की। इस अवसर पर महेंद्र चंदेल और देव तांबे ने मराठी कवि सीताराम नरके की काव्य संकलन 'भाव स्पंदन' का संयुक्त विमोचन किया।

### सड़क, गैस व पुल सुरक्षा की समस्याएं उठाईं

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट।** अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक संयुक्त संघर्ष मोर्चा की विशेष बैठक रडू गांव में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता

मोर्चा के अतिरिक्त प्रदेश प्रेस सचिव रमेश चंद भारद्वाज ने की। बैठक में क्षेत्रवासियों की वर्षों से लंबित समस्याओं पर चर्चा की गई। इसके बाद प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें पपलोग से रडू तक सड़क को पड़सदा (एनएच-03) से जोड़ने की मांग की गई, ताकि लगभग 1000 लोगों को लंबित सड़क सुविधा का लाभ मिल सके। ज्ञापन में गैस वितरण में सुधार और पैदल पुल पर रेलिंग तथा धंसते पिलर की मरम्मत की भी मांग शामिल थी। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के दौरान हुई क्षति की शिकायत भी प्रशासन के समक्ष रखी। बैठक में मोर्चा के कई पदाधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

### सरकार! जनता को दिख रहे सिर्फ खोखले वादे

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट।** प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डॉ. सीमा ठाकुर ने सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार के पास न बजट है और न विकास के लिए कोई ठोस विजन। डॉ. ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार जनता से केवल खोखले वादे कर समय बिताने में लगी है। उन्होंने सरकाघाट और बल्द्वाड़ा अस्पतालों में नई इमारतों के निर्माण में बजट की कमी का जिक्र किया। सिविल अस्पताल सरकाघाट में 9 और बल्द्वाड़ा अस्पताल में 3 डॉक्टरों के पद रिक्त होने के कारण मरीज दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भर हैं। इसके अलावा, एचआरटीसी सरकाघाट डिपो में लगभग 40 ड्राइवरों और आरएम के पद खाली हैं। डॉ. ठाकुर ने गोपालपुर बीडीओ और डीएसपी सरकाघाट के पदों की रिक्तियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से हर वर्ग नाराज़ है और प्रदेश का विकास ठप हो चुका है।

### नवजात शिशु देखभाल सप्ताह का आयोजन

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट।** खंड चिकित्सा अधिकारी बलद्वारा डॉ अनिल कुमार के सौजन्य से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर टिक्कर के तहत गांव धर्वयानी में नवजात शिशु देखभाल सप्ताह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य शिक्षिका अचला कुमारी ने नवजात शिशु देखभाल सप्ताह के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवजात शिशु जन्म के बाद 28 दिनों तक बहुत ही नाजुक अवस्था में होता है, इसलिए इस अवधि में सही देखभाल अत्यंत आवश्यक है। सही देखभाल से हम नवजात को विभिन्न बीमारियों से बचा सकते हैं। इस कार्यक्रम में रीतू सीएचओ, दिनेश कुमार पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा एवं लगभग 60 व्यक्ति उपस्थित रहे।

### भरनाल के बच्चों ने लहराया परचम

**अनंत ज्ञान, सरकाघाट।** महिला एवं बाल विकास विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा बाल गृह टूटीकंडी में राज्य स्तरीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बाल गृह भरनाल की टीम ने इन प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई उपलब्धियाँ हासिल कीं। बच्चों ने पेंटिंग, क्विज, वॉलीबॉल और डिक्लेमेशन जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाई। टीम ने पेंटिंग में प्रथम, जूनियर क्विज़ और जूनियर वॉलीबॉल में रनर-अप तथा डिक्लेमेशन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट सामूहिक प्रदर्शन के आधार पर बाल गृह भरनाल की टीम को विशेष ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनकी क्षमताओं को निखारने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता बच्चों को मंच प्रदान करने और टीमवर्क सिखाने का भी एक सराहनीय प्रयास है।

# सलवाणा-मंजयार सड़क क्षतिग्रस्त

## महिलाओं ने सोहनलाल से डंगे व पुल निर्माण की उठाई मांग

उमेश, अनंत ज्ञान

ग्राम पंचायत समौण की महिलाओं का प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन सौंपता हुआ।

**सुंदरनगर।** क्षेत्र की वर्षो पुरानी समस्या एक बार फिर सुर्खियों में है। सलवाणा से मंजार को जोड़ने वाली मुख्य सड़क लगातार बरसात के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जगह-जगह गहरी दरारें, धंसान और कटाव होने से स्थानीय लोगों के लिए आवाजाही जोखिमभरी बन गई है। स्कूली बच्चों, मरीजों और कामकाजी लोगों को रोजमर्रा की यात्रा में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के हर सीजन में सड़क खतरे का रूप धारण कर लेती है, लेकिन इस बार स्थिति और अधिक खराब हो चुकी है। इसी समस्या को लेकर सोमवार को ग्राम पंचायत समौण की महिलाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सुंदरनगर पहुंचकर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक सोहनलाल ठाकुर को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने सड़क पर स्थायी डंगे, सुरक्षा दीवारें तथा आवश्यक स्थानों पर पुल निर्माण को तुरंत शुरू करवाने की मांग रखी। महिलाओं ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण कई बार वाहन बीच रास्ते में फंस जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है।

ज्ञापन प्राप्त करने के बाद सोहनलाल ठाकुर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वह इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सरकार व संबंधित विभागों के समक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि सड़क ग्रामीणों की जीवनरेखा है और इसकी मरम्मत व स्थायी सुरक्षा कार्यों में देरी बर्दाश्त योग्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को भी जल्द आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह करने की बात कही।

क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि प्रतिनिधिमंडल की इस पहल से सड़क निर्माण की प्रक्रिया तेज होगी और जल्द ही समस्या का स्थायी समाधान मिलेगा।

# बाहरी कामगारों की पुलिस वेरिफिकेशन की उठाई मांग

**अनंत ज्ञान, सुंदरनगर।** विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल सुंदरनगर के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को एसडीएम अमर नेगी को विभिन्न मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रोहताश वर्मा, जिला मंत्री कैप्टन महेंद्र राणा तथा बजरंग दल प्रखंड संयोजक रमेश कुमार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल एसडीएम कार्यालय पहुंचा। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के इंद्रप्रस्थ क्षेत्र मंत्री लेखराज राणा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में चंबा में मंदिर में तोड़फोड़ और हमले की घटनाओं सहित सुंदरनगर में एक नाबालिग बच्ची के अपहरण के प्रयास तथा थाने में उपद्रव जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए राज्यपाल को एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में मांग की गई कि सुंदरनगर क्षेत्र में बाहरी राज्यों से आकर काम करने वाले लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से और समयबद्ध तरीके से किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि बाहर से आए लोगों द्वारा चलाई जा रही दुकानों जैसे खाद्य सामग्री, दर्जी, नाई, ब्यूटी पार्लर, रेहड़ीफड़ी पर दुकानदार की पहचान स्पष्ट रूप से दर्शाने वाला बोर्ड लगाना अनिवार्य किया जाए। वहीं जिलाध्यक्ष रोहताश वर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार और प्रशासन से नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने और कठोर से कठोर सजा का प्रावधान करने की भी मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल में कृष्ण वर्मा, रतन ठाकुर, प्रकाश भारद्वाज, नवनीत जंवाल, इंद्र ठाकुर, हरबंश ठाकुर, कांता शर्मा, रीमा शर्मा, एडवोकेट रमा वर्मा और रोशनी ठाकुर उपस्थित रहे।

# चरस तस्करी मामले का भगोड़ा आरोपी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

**अनंत ज्ञान, सुंदरनगर**

अतिरिक्त सत्र न्यायालय सुंदरनगर में चरस तस्करी के विचाराधीन मामले में जिला कुल्लू के शोशामाटी के रहने वाले भगोड़े आरोपी को पीओ सेल टीम मंडी द्वारा कुल्लू के ढालपुर से गिरफ्तार किया गया है। पीओ सेल टीम ने आगामी कार्रवाई के लिए आरोपी को सुंदरनगर पुलिस के हवाले कर दिया है। जहां पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष सोमवार को नियमानुसार पेश किया गया। वहीं न्यायालय ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी धीरज सिंघारी पुत्र कुलभूषण निवासी गांव शोशामाटी डाकघर ढालपुर तहसील और जिला सदर कुल्लू के खिलाफ पुलिस थाना सुंदरनगर में वर्ष 2019 में पुलिस थाना सुंदरनगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया था। वहीं आरोपी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस द्वारा चालान तैयार कर न्यायालय में पेश किया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायालय सुंदरनगर के समक्ष विचाराधीन मामले में ट्रायल के दौरान आरोपी कोर्ट से लगातार गैर हाजिर रहा और इस पर न्यायालय द्वारा उसे इस वर्ष 22 सितंबर को उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया। इसके उपरांत पुलिस टीम द्वारा आरोपी की धरपकड़ को लेकर विभिन्न जगहों पर दबिश दी गई। लेकिन आरोपी बार-बार पुलिस टीम को चकमा देकर भाग जाता था। इस पर पीओ सेल मंडी टीम एचएचसी मोहिंद्र सैनी, रवि कुमार तथा नरेश कुमार और कांस्टेबल हरीश को आरोपी के बारे में कुल्लू जिला के ढालपुर में मौजूद होने की सूचना मिली इस पर टीम ने त्वरित कार्रवाई अमल में लाते हुए आरोपी को ढालपुर से गिरफ्तार किया है।

मामले की पुष्टि करते हुए एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने कहा कि पीओ सेल टीम मंडी ने एक उद्घोषित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि पीओ सेल टीम ने आगामी कार्यवाही के लिए आरोपी को सुंदरनगर पुलिस के हवाले कर दिया है। आरोपी को न्यायालय ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

# जिला खेल परिषद ने खेल कल्याण योजना को आवेदन किए आमंत्रित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी कविता ठाकुर ने बताया कि जिला खेल परिषद मंडी ने वर्ष 2025-26 के लिए खेल कल्याण योजना के आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस योजना के तहत राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले अंडर-20 जूनियर खिलाड़ियों को प्रति माह दो हजार रुपये डाइट मनी और वार्षिक छह हजार रुपये खेल सामग्री सहायता प्रदान की जाएगी।

कविता ठाकुर ने कहा कि योजना में केवल वे खिलाड़ी शामिल होंगे जिन्होंने वर्ष 2024-25 में किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड या सिल्वर मेडल प्राप्त किया हो और वर्तमान में नियमित रूप से आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटे हों। प्रत्येक खेल संघ से इस वर्ष केवल दो खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। अधिक आवेदन मिलने पर आईआरडीपी और बीपीएल परिवारों से संबंध रखने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि एशियन और ओलंपिक खेलों में शामिल विधाओं के खिलाड़ियों को भी अतिरिक्त महत्व मिलेगा। खिलाड़ियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपने प्रशिक्षण की मासिक रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करें। संतोषजनक प्रदर्शन न करने की स्थिति में खिलाड़ी को योजना से बाहर किया जा सकता है। योजना का लाभ उन्हीं खिलाड़ियों को मिलेगा जो मार्च 2025 तक सभी निर्धारित शर्तें पूरी करेंगे।

खेल संघों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण स्थल, प्रशिक्षक और उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा आवेदन के साथ भेजें। इस योजना के तहत एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो, वॉलीबॉल, बास्केटबाल, हैंडबॉल, कुश्ती, जिमनास्टिक, बैडमिंटन, ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, स्विमिंग, शतरंज, कराटे डू, भूसु, हॉकी, फुटबॉल, खो-खो और सॉफ्टबॉल संघों के सचिव अपने पात्र खिलाड़ियों के नाम 30 नवम्बर तक कार्यालय में भेज सकते हैं। राज्य या केंद्र सरकार के खेल छात्रावास में प्रशिक्षण प्राप्त खिलाड़ी इस योजना के पात्र नहीं होंगे।

## डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में 'सिनर्जी 2025 - रिद्म एंड रेस' का भव्य आयोजन

# डॉ. पदम गुलेरिया ने नन्हे खिलाड़ियों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर मंडी में नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेल महोत्सव 'सिनर्जी 2025 - रिद्म एंड रेस' का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर एवं कायाकिंग और कैनोइंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. पदम गुलेरिया अपनी पत्नी डॉ. सुमन गुलेरिया के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि वंदना गुलेरिया ने भी भाग लिया और महोत्सव की शोभा बढ़ाई।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि डॉ. पदम गुलेरिया और कार्यक्रम में उपस्थित व अन्य।

कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों के छात्रों के लिए रोमांचक और उपयुक्त प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। नर्सरी से लेकर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। नर्सरी गर्ल्स फेयरी रेस में नित्या राणा ने स्वर्ण, प्रियांशी ठाकुर ने रजत और आर्या ठाकुर ने कांस्य पदक जीता। नर्सरी बॉयज़ सुपर बॉय रेस में ऋषि ठाकुर को स्वर्ण, नित्यांश को रजत और अली हुसैन को कांस्य मिला। एलकेजी, यूकेजी, कक्षा पहली से पांचवीं तक के छात्र-छात्राओं ने पिक एंड रन, गेट रेडी एंड रन, क्रैब रेस, साइंस चैलेंज, थ्रेड द नीडल, 40 मीटर व 50 मीटर रेस और रिले प्रतियोगिताओं में अपनी योग्यता दिखाई।

मुख्य अतिथि डॉ. पदम गुलेरिया ने बच्चों के उत्साह और खेल भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं। प्रधानाचार्य के. एस. गुलेरिया ने विजेताओं को बधाई दी और विद्यालय के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम का समापन विद्यालय प्रबंधन की ओर से धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न डीएवी स्कूलों के प्रधानाचार्यों, शहर के गणमान्य व्यक्तियों, दादा-दादी, अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को विशेष रूप से सफल बनाया।

**सफलता** जाइका परियोजना निदेशक डॉ. सुनील ने किसानों को दी प्राकृतिक खेती की राह

# किचन गार्डन व जैविक खेती से आय बढ़ाने का संदेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

- **सरकाघाट-जोगिंद्रनगर दौरे में कृषि नवाचार पर दिया जोर**
- **कोल्ड स्टोर और प्रदर्शनी से किसानों को बाजार तक पहुंचने की सीख**

हिमाचल प्रदेश जाइका कृषि परियोजना के परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने सरकाघाट और जोगिंदरनगर क्षेत्रों का दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से संवाद किया, उनकी समस्याओं को समझा और कृषि संबंधी परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत निरीक्षण किया। पहले दिन उनके साथ विधायक चंद्रशेखर भी उपस्थित रहे।

सरकाघाट में हल्दी, लहसुन और मटर-गेहूं की मिलवां खेती का निरीक्षण किया गया। डॉ. सुनील ने प्रगतिशील किसान अजय कुमार के हल्दी प्लॉट का मूल्यांकन किया और फसल प्रबंधन की सराहना की। इसके बाद बाल आश्रम भरनाल का दौरा किया गया, जहां बच्चों को किचन गार्डन तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने बकराटा और थौइन क्षेत्र की सिंचाई उप-परियोजनाओं का निरीक्षण किया और मल्चिंग शीट, जैविक खेती व आधुनिक तकनीकों के प्रयोग की समीक्षा की। किसान संगोष्ठी में डॉ. सुनील ने युवाओं को फसल विविधीकरण, कृषि नवाचार और मूल्य संवर्धन के माध्यम से आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

दूसरे दिन जोगिंदरनगर के चौंतड़ा क्षेत्र का दौरा किया गया, जहां उन्होंने खेतों में फसलों की स्थिति, मिट्टी स्वास्थ्य, प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण की जानकारी दी। बजगर खड्डु से भर्यारा तक वेजिटेबल गार्डन, न्यूट्री किचन गार्डन और डेमो प्लॉटों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने किसानों को इंटरक्रॉपिंग, जैविक पोषक प्रबंधन और बाजार से जुड़ाव पर विशेष जोर देने की सलाह दी। चौंतड़ा के सैटेलाइट ऑफिस स्थित कोल्ड स्टोर का निरीक्षण करते हुए डॉ. सुनील ने स्टोरेज क्षमता, रखरखाव और किसान उपयोगिता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोल्ड स्टोर का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि सब्जियों और फलों की खराबी कम हो और किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिल सके। उन्होंने पैकेजिंग, ब्रांडिंग और वैल्यू एडिशन पर जोर देते हुए कहा कि किसान केवल उत्पादन तक सीमित न रहें बल्कि उपज को सही मूल्य तक पहुंचाने की क्षमता विकसित करें। दौरे के अंतिम चरण में बीड़ पैराग्लाइडिंग लैंडिंग साइट पर जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया, जिसे विदेशी और स्थानीय पर्यटकों ने सराहा। इस दौरान पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी जीवन ठाकुर भी उपस्थित रहे। दो दिवसीय दौरे ने किसानों को प्राकृतिक खेती, उन्नत तकनीक, फसल विविधीकरण और बाजार से जुड़ाव की दिशा में नई उम्मीद और ऊर्जा प्रदान की। इस मौके पर जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. हेमराज वर्मा, एसएमएस डॉ. खूब राम, बीपीएम डॉ. अश्वनी कुमार, केवीके इंचार्ज डॉ. पंकज सूद और विभागीय स्टाफ भी मौजूद रहे।

# दलितों पर बढ़ती हिंसा और अन्याय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

सरकाघाट में शोषण मुक्ति मंच ने दलितों पर बढ़ती हिंसा, भेदभाव और उनके अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता जताई और एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांगपत्र सौंपा।

इस अवसर पर मंच के संयोजक हेमराज और सह संयोजक मॉन सिंह के नेतृत्व में सोहन सिंह, कश्मीर सिंह, नानक चंद, दीप कुमार, सुरजीत चंद, रणजीत सिंह, अमीचंद, राजीव कुमार, जगदीश चंद, प्रकाश चंद, भूपेंद्र सिंह, फिंकु राम सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। संयोजक हेमराज ने कहा कि रोहड़ू में दलित बच्चे सिकंदर की संदिग्ध मृत्यु और कुल्लू-सैंज में दलित महिला पर हमले जैसी घटनाओं ने राज्य में गहरी चिंता और आक्रोश पैदा किया है। मंच ने मांग की कि अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत लंबित मामलों की निष्पक्ष जांच की जाए, दोषियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए और तेलंगाना की तर्ज पर विकास निधि कानून हिमाचल में लागू किया जाए। साथ ही पीड़ित परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, छात्रवृत्ति समय पर, सरकारी भर्तियों में आरक्षण रोस्टर लागू व भेदभाव जांच के लिए राज्य स्तरीय निगरानी समिति गठित करने की मांग भी की। मंच के संयोजक हेमराज ने बताया कि 13 दिसंबर को सरकाघाट में विस्तार सम्मेलन होगा जिसमें धर्मपुर और गोपालपुर के कई दलित और प्रगतिशील संगठन भाग लेंगे।

# संस्कृति से जुड़े समाज ही करते हैं सच्ची प्रगति : कुलदीप

## माता श्री चिंतपूर्णी महोत्सव का भव्य समापन, हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति से आयोजन सफल

**अनंत ज्ञान, अंब**

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया को सम्मानित करते हुए।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंब के मेला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय माता श्री चिंतपूर्णी महोत्सव का दूसरा संस्करण रविवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

समापन समारोह में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन बबलू, राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कुलदीप धीमान, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य विजय डोगरा तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष रणजीत राणा भी मौजूद रहे। महोत्सव का शुभारंभ 14 नवंबर को उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने किया था। महोत्सव की तीनों सांस्कृतिक संध्याओं में प्रदेश के कलाकारों के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों से आए कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से लोगों का दिल जीता। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं व पर्यटकों ने महोत्सव में भाग लेकर आयोजन को भव्य सफलता प्रदान की। समापन समारोह में उपायुक्त जतिन लाल ने मुख्यातिथि सहित सभी विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने माता श्री चिंतपूर्णी महोत्सव-2025 की भव्य सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी आयोजकों व श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के महोत्सव समाज को अपनी संस्कृति से जोड़कर रखते हैं और संस्कृति से जुड़े समाज ही वास्तविक अर्थों में प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देव संस्कृति से ओतप्रोत धरा है। यह शक्तिपीठों और देवी-देवताओं की पावन भूमि है, इसलिए अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को गौरव के साथ संजोकर रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए श्री चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू के प्रयासों की सराहना की। महोत्सव के आयोजन को लेकर कुछ लोगों द्वारा की गई आलोचनाओं का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि अच्छे कार्यों की भी आलोचना होती है, क्योंकि आलोचना जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। जितनी अधिक आलोचना होती है, उतना ही प्रमाणित होता है कि कार्य अधिक लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारी संख्या में जुटा जनसमूह इस महोत्सव की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। विधायक सुदर्शन बबलू ने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला एवं उपमंडल प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

### माता श्री चिंतपूर्णी के दरबार में भरी हाजिरी

**अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी।** हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने माता श्री चिंतपूर्णी के दरबार में हाजिरी भरी और पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर चिंतपूर्णी मंदिर के पुजारी नव कालिया ने विधिवत रूप से वैदिक मंत्रों का उच्चारण कर पूजा अर्चना कराई। इस मौके पर डीसी ऊना जतिन लाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने डीसी ऊना से चिंतपूर्णी मंदिर के विस्तारीकरण करने के कार्य के बारे में जानकारी ली। ऊना जिले के अंब में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय चिंतपूर्णी महोत्सव के समापन समारोह में देर शाम विधानसभा अध्यक्ष मुख्यातिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं।

## नवविवाहिता ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

**अनंत ज्ञान, हरोली।** सदर थाना ऊना के तहत भड़ोलियां खुर्द में विवाह के मात्र बीस दिन बाद एक नवविवाहिता ने फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका का मायका पोलियां बीत (हरोली) में बताया जा रहा है। पीड़िता के पिता ने अपने दामाद और उसकी बहन पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। पोलियां बीत निवासी ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी 24 अक्तूबर को रोहित कुमार निवासी भड़ोलियां खुर्द के साथ की थी। आरोप के अनुसार, शादी के अगले ही दिन दंपत्ति के बीच झगड़ा हो गया था। बेटी ने मायके वालों को बताया था कि उसका पति व ननद उसके साथ मारपीट करते हैं। शिकायत के अनुसार, 13 नवंबर की देर रात दामाद रोहित का फोन आया, जिसमें उसने बताया कि उनकी बेटी ने फंदा लगा लिया है और उसे उपचार के लिए एम्स बिलासपुर ले जाया जा रहा है। एएसपी ऊना संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

## आखिर पंचायतीराज चुनावों से क्यों भाग रही राज्य सरकार : कृष्ण पाल

**अनंत ज्ञान, बंगाणा**

राज्य भाजपा पंचायतीराज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक, जिला ऊना के पूर्व जिला पार्षद उपाध्यक्ष एवं मोमनियार से जिला पार्षद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा ने प्रदेश सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यदि सरकार में दम है तो पंचायत चुनाव समय पर करवाकर दिखाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपनी संभावित हार से भयभीत होकर पंचायत चुनावों से पीछे हट रही है और लगातार बहाने बाज़ी कर लोकतांत्रिक व्यवस्था से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की हालत बद से बदतर हो चुकी है और जनता सरकार के तीन साल के निकम्मे कार्यकाल से पूरी तरह निराश है। कृष्णपाल शर्मा ने दावा किया कि आज ही नहीं, चाहे चुनाव एक वर्ष बाद हों, स्थिति कांग्रेस के पक्ष में जाने वाली नहीं है। उनका कहना है कि सरकार अपने समर्थित उम्मीदवारों की संभावित हार से इतनी डरी हुई है कि चुनाव कराने से ही कतराने लगी है। जनता का भरोसा पूरी तरह से उठ चुका है। यदि चुनाव आज हों तो कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त होना तय है।कृष्ण पाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने सबसे बड़े वादों को भी पूरा नहीं कर सकी है। उन्होंने कहा कि

सरकार ने महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह देने का वादा किया था, लेकिन तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी यह वादा कागज़ों से बाहर नहीं निकल पाया। इससे महिलाओं में सरकार के प्रति भारी नाराज़गी है। इसी तरह उन्होंने दो किलो गोबर खरीदी और सौ रुपये प्रति किलो दूध के वादों का भी जिक्र करते हुए कहा कि न तो गोबर की खरीद शुरू हुई और न ही दूध का समर्थन मूल्य बढ़ा।

## न्यूज ब्रीफ

### एमसी ऊना में शामिल करने का प्रस्ताव

**अनंत ज्ञान, ऊना।** प्रदेश सरकार ने नगर निगम ऊना के विस्तार को लेकर अधिसूचना जारी की है। हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी अधिसूचना में पटवार वृत्त भड़ोलियां कलां, महाल टब्बा तथा ग्राम पंचायत टब्बा के आंशिक क्षेत्र को नगर निगम सीमा में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह जानकारी नगर निगम ऊना के आयुक्त महेंद्र पाल गुर्जर ने दी। महेंद्र पाल गुर्जर ने बताया कि प्रस्तावित क्षेत्र का कुल रकबा 0-40-18 हेक्टेयर है, जिसमें कुल 30 खसरा नंबर शामिल हैं। इनमें खसरा नंबर 2597/80 से 2607/80, 2608/81 से 2616/81 तथा 2617/82 से 2626/82 तक के हिस्से शामिल हैं। आयुक्त ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रस्तावित सम्मिलन से प्रभावित होता है और उसके पास कोई आपत्ति या सुझाव है, तो वह ई-गजट में अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से दो सप्ताह के भीतर अपनी लिखित आपत्ति उपायुक्त ऊना के माध्यम से प्रधान सचिव (शहरी विकास) को भेज सकता है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि में प्राप्त आपत्तियों पर ही राज्य सरकार विचार करेगी। इसके बाद प्राप्त किसी भी आपत्ति या आक्षेप पर विचार नहीं किया जाएगा।

### बसाल-सलांगड़ी पर वाहनों की आवाजाही बंद

**अनंत ज्ञान, ऊना।** बसाल से नंगल सलांगड़ी रोड पर ( किलोमीटर 0/000 से 7/100) मनोहर मार्केट से चलोला मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए एक माह तक बंद रहेगा। इस दौरान वाहनों की आवाजाही के लिए ट्रैफिक को ऊना-टक्का-धमांदरी रोड से नंगल सलांगड़ी रोड और कुठियाला से नंगल सलांगड़ी रोड पर मोड़ा गया है। डीसी ऊना जतिन लाल ने इस संबंध में मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 115 व 116 के तहत आदेश जारी किए हैं। यह आदेश सड़क अपग्रेडेशन और निर्माण संबंधी कार्यों को त्वरित और सुचारु रूप से करने को लेकर जारी किए गए हैं। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सड़क बंद करने को लेकर जनता को सूचित करने और मार्ग परिवर्तन की जानकारी देने के लिए अग्रिम बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं।

### ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए किया जागरूक

**अनंत ज्ञान, बड़ूही।** राजकीय महाविद्यालय चौकीमन्यार में रोड सेफ्टी क्लब द्वारा रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. राम सिंह के नेतृत्व में बाजार में रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सडक सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक रैली का आयोजन किया गया। रैली को कॉलेज के प्रिंसिपल बलविंदर सिंह राणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कॉलेज के विद्यार्थियों और अध्यापकों ने उत्साह पूर्वक रैली में भाग लिया। उन्होंने मार्ग सुरक्षा से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर व तख्तियां लेकर हेलमेट व सीटबेल्ट के उपयोग, ओवर स्पीड से बचने तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक किया। यह रैली चौकीमन्यार के मुख्य क्षेत्र से होते हुए लोगों को जिम्मेदार सड़क व्यवहार का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रिंसिपल बलविंदर सिंह राणा ने रोड सेफ्टी क्लब के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सड़क सड़क सुरक्षा के प्रति समाज में बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों से स्वयं ट्रैफिक नियमों का पालन करने और दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की। महाविद्यालय के इको क्लब ऊर्जा क्लब, एनएसएस इकाई, रेड रिबन आपदा और रेड क्रॉस के सदस्यों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस उपलक्ष में प्राध्यापक प्रोफेसर कविता कौशल, डॉ. रामकुमार नेगी, डॉ. राम सिंह, डॉक्टर सगुन डोगरा, प्रोफेसर नवीन शर्मा एवं कार्यालय अधीक्षक राकेश कुमार, लिपिक अमन शर्मा व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

### तंबाकू लाइसेंस की अंतिम तिथि बढ़ाई

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना।** नगर निगम ऊना ने तंबाकू उत्पादों की बिक्री से संबंधित नियमों के प्रभावी अनुपालन व दुकानदारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लाइसेंस आवेदन व नवीनीकरण की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। संयुक्त आयुक्त नगर निगम ऊना मनोज कुमार ने बताया कि नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत अब तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, गुटखा एवं अन्य निकोटीन उत्पाद बेचने वाले सभी दुकान मालिक 30 नवंबर तक अपना व्यावसायिक लाइसेंस बनवा या नवीनीकृत करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तिथि बढ़ाने का उद्देश्य व्यापारियों को नियमों की जानकारी देना और उन्हें लाइसेंस प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध कराना है। संयुक्त आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

## 'द ग्रेट माझा रन' में चमके हिमाचल के राकेश शर्मा

**अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी**

पंजाब के तरनतारन जिले के पहुविंड में आयोजित 'द ग्रेट माझा रन' में हिमाचल के राकेश शर्मा ने अपने जज्बे व मेहनत के दम पर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

46 वर्षीय राकेश शर्मा ने दस किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने यह दूरी महज 46 मिनट और 21 सेकेंड में पूरी कर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। राकेश शर्मा ने इस उपलब्धि को 35 से 50 वर्ष आयु वर्ग की श्रेणी में हासिल किया, जहां उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए अनुभवी व युवा प्रतिभागियों के बीच जीत दर्ज करना आसान नहीं था। अपनी फिटनेस, अनुशासन व समर्पण के बल पर उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। राकेश शर्मा हिमाचल के कांगड़ा जिले के जसबा-प्रागपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव बाथू टिप्परी के निवासी हैं। वे वर्तमान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोटला बेहड़ में वाणिज्य प्रवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। शिक्षक होने के बावजूद खेल के प्रति उनका जुनून व नियमित अभ्यास उनकी सफलता का आधार बना। राकेश ने बताया कि उनके लिए यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और अनुशासन की परीक्षा थी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ जीतना नहीं, बल्कि दूसरों को स्वस्थ जीवनशैली और फिटनेस के प्रति प्रेरित करना भी है। स्थानीय लोगों व विद्यार्थियों ने भी राकेश शर्मा की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। उनका कहना है कि राकेश न केवल एक समर्पित शिक्षक हैं, बल्कि युवाओं के लिए खेल और मेहनत का प्रेरक उदाहरण भी हैं।

## स्वयंसेवकों को दिया प्रशिक्षण

**अनंत ज्ञान, बंगाणा।** पांच दिवसीय नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के लिए जिला ऊना के बंगाणा स्थित गृह रक्षा कंपनी 12/3 में सोमवार को प्रशिक्षण आरंभ किया गया। आपको बता दें कि इस प्रशिक्षण शिविर में 46 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को नागरिक सुरक्षा के विभिन्न विषयों से अवगत करवाया जाएगा।

इसके अंतर्गत नागरिक सुरक्षा सेवाओं का परिचय, बचाव के विभिन्न तरीके, हवाई हमले से सुरक्षा बारे जानकारी, संचार सेवा, प्राथमिक सहायता, आगजनी, भूस्खलन, बाढ़, भूकंप व अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के बारे प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के आयोजन में 12वीं वाहिनी के आदेशक डॉ. विकास सकलानी के आदेशानुसार प्रशिक्षण शिविर का आरंभ इस वाहिनी के डिप्टी कमांडेंट धीरज शर्मा, प्लाटून कमांडर देवा कुमारी, कंपनी कमांडर हंस राज व अन्य प्रशिक्षकों ने विभिन्न महत्वपूर्ण नागरिक सुरक्षा विषयों से अवगत करवाया।

## हैमर बॉल जूनियर टीम राष्ट्रीय मंच की ओर रवाना

**अनंत ज्ञान, लठियानी**

हैमर बॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए पूरे उत्साह व जोश के साथ रवाना।

हिमाचल प्रदेश हैमर बॉल टीम उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में आयोजित होने वाली दूसरी राष्ट्रीय जूनियर हैमर बॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए पूरे उत्साह व जोश के साथ रवाना हो गई।

टीम का मनोबल ऊंचा है और खिलाड़ियों में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का जज्बा साफ झलक रहा है। हिमाचल प्रदेश हैमर बॉल एसोसिएशन के महासचिव जगदीश सहोता ने बताया कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता से पहले कड़ी मेहनत व अनुशासन के साथ उत्कृष्ट अभ्यास किया है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ियों में ऊर्जा, जुनून और जीत का जज्बा भरपूर है, जो निश्चय ही मैदान पर शानदार प्रदर्शन में तब्दील होगा। महासचिव सहोता ने कहा कि खिलाड़ी न केवल तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत हैं, जो उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिलाएगा। टीम के मुख्य प्रशिक्षक विनोद शर्मा ने जानकारी दी कि हिमाचल की सशक्त टीम सोलन, बिलासपुर, हमीरपुर और ऊना जिलों के चयनित खिलाड़ियों से सुसज्जित है। टीम के प्रशिक्षक पूर्ण चंद शर्मा ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह योग्यता, प्रदर्शन और अनुशासन के आधार पर किया गया है।

मनोज शर्मा ने बताया कि खिलाड़ियों ने चयन प्रक्रिया में शानदार खेल दिखाकर हिमाचल प्रदेश की टीम में अपना स्थान सुनिश्चित कर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में हैमर बॉल खेल को नई पहचान देने और युवा खिलाड़ियों को सही दिशा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत नॉर्थ जोन निदेशक जोगिंदर देव आर्य ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की टीम बहुत ही बढ़िया प्रदर्शन कर प्रदेश का मान सम्मान बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने दमदार खेल, आत्मविश्वास के दम पर एक नया इतिहास बनाएगी। हिमाचल प्रदेश हैमर बॉल एसोसिएशन को उम्मीद है कि टीम राज्य का नाम रोशन करेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। हिमाचल प्रदेश की यह ऊर्जावान टीम राष्ट्रीय मंच पर अपनी शक्ति, कौशल और संकल्प का प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

### कुटलैहड़ के बदोली में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह धूमधाम से संपन्न

## स्कूल के प्रार्थना मंच के लिए एक लाख की घोषणा

**अनंत ज्ञान, बंगाणा**

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली छात्राओं को सम्मानित करते विधायक विवेक।

कुटलैहड़ क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बदोली में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए।

विद्यालय परिसर में पहुंचने पर मुख्यातिथि विवेक शर्मा का छात्रों, अध्यापकों व प्रबंधन समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों तथा ढोल-नगाड़ों की धुन के बीच मुख्यातिथि का अभिनंदन किया गया और उन्हें सम्मान स्वरूप शॉल व टोपी भेंट की गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रार्थना मंच द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ऐसी श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। छात्रों के नृत्य, गीत, नाट्य प्रस्तुति और देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों ने समारोह को यादगार बना दिया। दर्शक दीर्घा में बैठे अभिभावक व स्थानीय लोग बच्चों की प्रतिभा देखकर गर्व से भर उठे। मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र तेजी से शिक्षा का हब बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में आज उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं और योग्य अध्यापक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का प्रमुख लक्ष्य हर छात्र तक बेहतर शिक्षा पहुंचाना है, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें और देश-प्रदेश का नाम रोशन करें। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय की प्रगति को देखते हुए विधायक विवेक शर्मा ने विद्यालय के प्रार्थना मंच के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही विद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 11,000 रुपए की अतिरिक्त घोषणा कर छात्रों एवं शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। उनकी इस घोषणा से विद्यालय प्रबंधन व छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। समारोह के दौरान वर्ष भर विभिन्न शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मुख्यातिथि विवेक शर्मा द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

## नर सेवा, नारायण सेवा के तहत कुटलैहड़ सेवा संगठन ने निभाई मानव सेवा की मिसाल

**अनंत ज्ञान, बंगाणा**

बंगाणा उपमंडल में मानवीयता और सेवा की अनोखी मिसाल पेश करते हुए कुटलैहड़ सेवा संगठन ने ग्राम बीहडू में जरूरतमंद परिवारों की सहायता की। संगठन ने पुनः यह सिद्ध किया कि उनके कार्यकर्ता केवल सामाजिक गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि मानवता के सच्चे प्रहरी हैं।

पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने ग्राम बीहडू के जगदीश चंद को एक नई व्हीलचेयर भेंट की। कुछ समय पहले बीमारी के कारण उनकी टांग काटनी पड़ी थी, जिससे उनका जीवन अत्यंत कठिन हो गया था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते उनका सामान्य जीवन लगभग ठहर गया था। इस परिस्थिति को देखते हुए संगठन ने आगे आकर उनके लिए व्हीलचेयर उपलब्ध करवाई, जिससे उन्हें दैनिक कार्यों में सहारा मिल सके। व्हीलचेयर सौंपते समय पूर्व मंत्री कंवर ने उनके परिवार का हालचाल जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस पहल से न केवल उनके परिवार में आशा की किरण जगी बल्कि पूरे क्षेत्र में सहयोग और संवेदना की भावना भी मजबूत हुई। इसी दौरान संगठन ने एक अन्य पीड़ित परिवार की मदद भी की। ग्राम निवासी जगतार सिंह हाल ही में अपने सुपुत्र को खो चुके थे और आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। ऐसे कठिन समय में संगठन ने उन्हें पाँच हजार रुपये की सहायता प्रदान की। वीरेंद्र कंवर ने कहा कि दुख की घड़ी में दिया गया छोटा सहयोग भी मनोबल बढ़ाने का कार्य करता है। कार्यक्रम में बोलते हुए कंवर ने कहा कि कुटलैहड़ सेवा संगठन लोगों के सुख-दुख में सदैव साथ खड़ा है और सेवा ही उनका धर्म है। संगठन चिकित्सा, आर्थिक सहायता तथा आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में लगातार सक्रिय योगदान दे रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की। संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र रिंकू ने सभी ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए आगे भी सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया। यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।

## सिक्योरिटी गार्ड के पदों के लिए साक्षात्कार 21 और 22 को

**अनंत ज्ञान, ऊना।** सिस इंडिया लिमिटेड, आरटीए हमीरपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड और सिक्योरिटी सुपरवाइजर के विभिन्न पद भरे जाएंगे। इन पदों के लिए साक्षात्कार 21 नवम्बर को प्रातः 10.30 बजे उप रोजगार कार्यालय हरोली और 22 नवंबर को उप रोजगार कार्यालय बंगाणा में साक्षात्कार आयोजित होंगे। जिला रोजगार अधिकारी ऊना अक्षय शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण व अनुत्तीर्ण, आयु सीमा 19 से 40 वर्ष, ऊंचाई 163 सेंटीमीटर और वेतन 17,500 से 23,000 हजार रुपए प्रतिमाह निर्धारित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, जन्म तिथि, रोजगार कार्यालय पंजीकरण कार्ड, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ और मूल प्रमाणा पत्रों के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 85580-62252 पर संपर्क किया जा सकता है। साक्षात्कार में आने जाने का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

## मैमोग्राफी और सर्वाइकल जांच शिविर का शुभारंभ, 96 महिलाओं के हुए टेस्ट

**अनंत ज्ञान, ऊना**

रोटरी क्लब ऊना व रोटरी क्लब ग्रेटर ऊना के संयुक्त तत्वावधान में क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में महिलाओं के लिए दो दिवसीय मैमोग्राफी एवं सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर का सोमवार को शुभारंभ हुआ। महिलाओं में बढ़ रहे कैंसर संबंधी मामलों को देखते हुए इस शिविर का उद्देश्य समय रहते महिलाओं को जांच सुविधा उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संजय मनकोटिया ने बतौर मुख्यातिथि किया। उन्होंने रोटरी क्लबों के स्वास्थ्य संबंधी प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर महिलाओं में बढ़ते कैंसर मामलों को देखते हुए। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि समय रहते बीमारी की पहचान में भी मददगार साबित होते हैं। इस शिविर में जालंधर से आई विशेष मोबाइल मैमोग्राफी वैन के माध्यम से महिलाओं की मैमोग्राफी और सर्वाइकल कैंसर की जांच की गई। रोटरी की ओर से लगाए गए तकनीकी दल - कॉर्डिनेटर ई. कुलदीप सिंह, रेडियोग्राफर जरनैल सिंह, विक्रम सिंह और लवप्रीत ने जांच प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया। पहले दिन 54 मैमोग्राफी और 42 सर्वाइकल कैंसर टेस्ट किए गए, कुल मिलाकर 96 जांचें संपन्न हुईं। रोटरी क्लब ऊना के प्रधान ठाकुर यशपाल सिंह और रोटरी क्लब ग्रेटर ऊना की प्रधान अनु वाला ने बताया कि रोटरी इंटरनेशनल फाउंडेशन के सहयोग से महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला गवर्नर रोहित ओबेरॉय की पहल पर 6 से 18 नवंबर तक हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों में ऐसे कैंसर जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य महिलाओं में रोगों की समय पर पहचान और जागरूकता फैलाना है। यशपाल सिंह और अनु वाला ने कहा कि शिविर में महिलाओं की बेहतर भागीदारी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाएगी और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें रोटरी क्लब ऊना और ग्रेटर ऊना के कई सदस्य उपस्थित रहे।

**आयोजन** एमसी ऊना के 17 वार्डों में जागरूकता व समाधान शिविर आयोजित

## ऑनलाइन सेवाओं से जोड़ने पर जोर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना**

स्वच्छ शहर समृद्ध शहर अभियान के तहत शिविर में मौजूद स्थानीय लोग।

स्वच्छ शहर समृद्ध शहर 2.0 अभियान के अंतर्गत नगर निगम ऊना के 17 वार्डों में जागरूकता व समाधान शिविर आयोजित किए। नगर निगम ऊना के संयुक्त आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं ऑनलाइन सेवाओं से जोड़ना, उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान करना, तथा स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि शिविरों के दौरान नागरिकों को सफाई व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। लोगों को गीले, सूखे व हानिकारक कचरे के पृथक्करण, उनके वैज्ञानिक निस्तारण और घर-घर स्तर पर स्वच्छता अपनाने की जानकारी दी गई। शिविरों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पात्रता मानदंड तथा यूनिफाइड वेब पोर्टल पर उपलब्ध आवेदन प्रक्रिया के बारे में भी विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके साथ ही सिटिजन सेवा पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया समझाई गई, जिसके माध्यम से नागरिक स्ट्रीट लाइट खराब होने, कूड़ा न उठने, अवैध निर्माण, अवैध पार्किंग, संपत्ति कर निर्धारण, रास्तों एवं नालियों की सफाई, जन शौचालय की सुविधा, मृत पशुओं के निपटान तथा खुले में शौच जैसी समस्याओं की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। संयुक्त आयुक्त ने बताया कि नगर निगम ऊना ने कार्यालय में 'समाधान सैल' का गठन किया है। इसके माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निपटारा करवा सकते हैं। शिविरों में शिकायत निवारण फॉर्म भी वितरित किए गए, और कई शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। इन शिविरों का आयोजन नगर निगम की तीन टीमों द्वारा किया गया, जिनमें सामाजिक विकास विशेषज्ञ मनोज कौशिक, सिटी मिशन प्रबंधक सुशील गुप्ता, अभिषेक पठानिया, सिविल इंजीनियर आदित्य पाठक, अर्बन प्लानर अंजू, सामुदायिक प्रबंधक बबली, सफाई पर्यवेक्षक विजय कुमार, जिला समन्वयक मुनीश जस्सल, वालंटियर राजविंदर कौर, नगर निगम में सम्मिलित पंचायतों के सचिव, जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

## यूएई में डिलीवरी राइडर्स के पदों के लिए 22 तक कर सकते हैं पंजीकरण

**अनंत ज्ञान, ऊना।** श्रम व रोजगार विभाग तथा एचपीएसइडीसी के संयुक्त तत्वावधान में मैसर्ज जेएसडीसी ग्रुप ऑफ कंपनीज द्वारा संयुक्त अरब अमीरात में पुरुष अभ्यर्थियों के लिए डिलीवरी राइडर्स के पद भरे जा रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी ऊना अक्षय शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वीं पास तथा बेसिक इंग्लिश का ज्ञान आवश्यक है। अभ्यर्थियों की आयु 20 से 37 वर्ष के बीच होनी चाहिए। रंग दृष्टि-दोष तथा गर्दन और मुंह पर टैटू नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को 2500 एइडी मासिक वेतन, प्रतिदिन 10 घंटे ड्यूटी तथा सप्ताह में 6 दिन कार्य करना होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थी वेब लिंक (गूगल फॉर्म) के माध्यम से 22 नवंबर तक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण लिंक जिला रोजगार कार्यालय ऊना के फेसबुक पेज पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी दूरभाष नं. 01975-226063 पर संपर्क कर सकते हैं।

## चिंतपूर्णी महोत्सव के नाम पर दिया पंजाबी कल्चर को बढ़ावा : बलवीर

**अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी**

चिंतपूर्णी महोत्सव जो अंब में मनाया गया, उसमें पुलिस द्वारा किए गए सभी इंतजाम असफल हुए हैं। पूर्व विधायक बलवीर चौधरी ने चिंतपूर्णी में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि कांग्रेस के नेता महज अपनी सियासत चमकाने के लिए धार्मिक स्थलों का सहारा लेने लगे हैं।

बलवीर चौधरी ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बताना चाहिए कि पिछली बार जब चिंतपूर्णी महोत्सव मनाया गया था, तब उपमुख्यमंत्री ने भरी सभा में कहा था कि हम महोत्सव के लिए चिंतपूर्णी मंदिर से कोई पैसा नहीं ले रहे, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि मंदिर से महोत्सव के नाम पर मंदिर न्यास से 50 लाख रुपए लिया गया, जो कि महोत्सव पर खर्च किया गया। बलवीर चौधरी ने कहा कि महोत्सव पर पंजाबी कल्चर को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का तो केवल लोगों को ठगने का ही काम रह गया है, कभी ऊना उत्सव, कभी हरोली उत्सव, कभी शिवबाड़ी उत्सव कभी पीपलू मेला सब कुछ अपने आप को चमकाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महोत्सव के नाम पर कहा जा रहा है कि हिमाचली संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो महोत्सव मनाया जाते हैं क्या उसमें कितने हिमाचल के कलाकारों को बुलाया जाता है। माता के नाम पर पिंडी को स्थापित करने मां की पावन पिंडी के स्वरूप को महोत्सव में स्थापित करने का अधिकार किसने दिया। उपमुख्यमंत्री के पास मंदिर का विभाग है, लेकिन चिंतपूर्णी मंदिर में आज तक संध्या भजन तक शुरू नहीं करवा सके। कांग्रेस के नुमाइंदे माता चिंतपूर्णी के नाम पर राजनीति चमका रहे हैं। बलबीर चौधरी ने कहा कि इस महोत्सव के आयोजन को प्रदेश की जनता को बताएं कि माता की पिंडी रूप स्थापित कर तथा पवित्र ज्योत स्टेज पर विराजमान कर,,, निंद्रा नी आउंदीया तेरे बाजों निंद्रा नी अआंउदीयां,,,, क्या यह गीत स्टेज पर प्रस्तुत कर समाज को और मां के भक्तों को क्या संदेश देना चाहते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल में आनी कॉलेज द्वितीय

**अनंत ज्ञान, आनी।** राजकीय महाविद्यालय ऊना में 12 से 15 नवंबर तक आयोजित हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल (ग्रुप-3) में आनी महाविद्यालय ने प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 44 कॉलेजों ने भाग लिया। लेफ्टिनेंट अशोक भारद्वाज व सहायक आचार्य पंपी के नेतृत्व में आनी कॉलेज की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. नरेंद्र पॉल ने टीम इंचार्ज सहित सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### अनीश के सिर सजा मिस्टर हिमालय का खिताब

**अनंत ज्ञान, मनाली।** पर्यटन नगरी मनाली में रविवार शाम बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें राज्य भर के युवाओं ने अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। इसमें तीन युवतियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में होटलियर एसोसिएशन के निवर्तमान उपाध्यक्ष रोशन ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई दी और हौसला बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में 55 युवाओं और तीन युवतियों ने भाग लिया। सुंदरनगर से आए 23 साल के अनीश वर्मा ओवर ऑल विजेता बने, उन्हें मिस्टर हिमायलय के खिताब से नवाजा गया। कुल्लू के अरुण ठाकुर को मिस्टर कुल्लू का खिताब मिला। शिमला की स्नेहा मिस हिमायलय बनी, जबकि नेरचौक के अक्षय सिपहिया मिस्टर हिमायलय, क्लासिक फिजिकल रहे। 65 किलोग्राम के वर्ग में कर्ण ने गोल्ड मेडल जीता। बेजनाथ के दीपक ने 60 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड और मिस्टर हिमालय की मास्टर केटेगिरी का खिताब अपने नाम किया। निरमंड के प्रियांशु ने 50 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीता।

### 26 को ढालपुर में जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री इवेंट

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** कुल्लू जिला एथलेटिक्स संघ की बैठक सोमवार को आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री इवेंट 26 नवंबर को ढालपुर ग्राउंड कुल्लू में आयोजित किया जाएगा। संघ के सचिव युवराज वर्मा ने बताया कि पंजीकरण सुबह 8:30 बजे से शुरू होगा और पहला कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे से शुरू होगा। इस आयोजन में एथलीट (पुरुष और महिला) आयु वर्गों में भाग ले सकते हैं जो अंडर-16, अंडर-18, अंडर-20 और ओपन श्रेणी हैं, जो एथलीट मानकों को पूरा करेंगे, उन्हें राज्य स्तरीय क्रॉस कंट्री इवेंट के लिए भेजा जाएगा, जो 14 दिसंबर को मंडी में आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में एकलव्य भारद्वाज (समन्वयक), मीना, मिनेंद्र, भीम सेन, रवीन, पवन, ऋषव निधि जी शामिल थे। विभिन्न आयु वर्गों के लिए विवरण और आयु मानदंड इस प्रकार हैं। अंडर-16 छात्र वर्ग 2 किलोमीटर, अंडर-16 छात्रा वर्ग 2 किलोमीटर, अंडर-18 छात्र वर्ग 6 किलोमीटर, अंडर-18 छात्रा वर्ग- 4 किलोमीटर, अंडर-20 छात्र वर्ग- 8 किलोमीटर, अंडर-20 छात्रा वर्ग- 6 किलोमीटर, ओपन पुरुष वर्ग- 10 किलोमीटर, ओपन महिला वर्ग- 10 किलोमीटर, अंडर-16 छात्र व छात्रा, जोकि 13.12.2010 और 27.01.2012 के मध्य जन्मे, अंडर-18 छात्र व छात्राएं 13.12.2008 व 27.01.2010 के बीच जन्मे, अंडर-20 छात्र व छात्राएं 13.12.2006 व 27.01.2008 के बीच जन्में हों। किसी भी संदेह के लिए। प्रतिभागी 98051-08100 (युवराज वर्मा) या 88946-46233 (एकलव्य भारद्वाज) से संपर्क कर सकते हैं।

### सलग्रां की सुनीता ने थामा भाजपा का दामन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग।** लाहौल-स्पीति में राजनीतिक गतिविधियों ने रफ्तार पकड़ ली है। वन विभाग में निदेशक सलग्रां गांव से संबंध रखने वाले कांग्रेसी नेता तोग चंद की बहू सुनीता ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया। भाजपा में उनका स्वागत भाजपा हिमाचल प्रदेश किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष संजीव देष्टा, लाहौल-स्पीति भाजपा के प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर, तथा लाहौल-स्पीति के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता रवि ठाकुर की मौजूदगी में किया गया। इस मौके पर रवि ठाकुर ने सुनीता का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। शामिल होने के बाद सुनीता ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस से लोगों का विश्वास उठ चुका है और जनता बदलाव चाहती है। भाजपा नेताओं ने भी दावा किया कि आने वाले समय में न केवल हिमाचल प्रदेश में भाजपा सरकार बनेगी, बल्कि लाहौल-स्पीति विधानसभा सीट पर भी भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से विजय मिलेगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रिगजिन हायरापा, महिला मोर्चा अध्यक्ष मीना ठाकुर, मंडल अध्यक्ष तेंजिन कटोच, बलदेव शर्मा उपाध्यक्ष भाजपा लाहौल-स्पीति भी मौजूद रहे।

### आज विभिन्न जगह नशा मुक्त भारत अभियान

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** उपायुक्त कुल्लू ने निर्देश दिए हैं कि जिले में 'नशा मुक्त भारत अभियान' शिक्षा विभाग (उच्च एवं प्रारंभिक शिक्षा), आईटीआई शमशी, पॉलिटेक्निक कॉलेज सेउबाग, सरकारी कॉलेजों और युवा सेवा एवं खेल अधिकारी सहित विभिन्न संस्थान 18 नवंबर को स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे। सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के प्रमुख जन-जागरूकता अभियान 'नशा मुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष सफलतापूर्वक पूरे होने के उपलक्ष्य में, विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर, 18 नवंबर को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में एक राष्ट्रीय स्तर का भव्य समापन समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभियान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालना, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और नशामुक्त समाज के निर्माण के सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना है। इस अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ नारा लेखन, रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता मैराथन/साइक्लोथॉन/वॉकथॉन रैली सामुदायिक जागरूकता अभियान खेल और शारीरिक गतिविधियां सभी संबंधित विभागों को इन गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

### भारत विकास परिषद ने बांटे 17 टेंट

**अनंत ज्ञान, बंजार।** झनियार गांव में हाल ही में हुई भीषण आगजनी के बाद राहत व पुनर्वास कार्यों में निरंतर सहयोग मिल रहा है। भारत विकास परिषद द्वारा गांव के प्रभावित परिवारों के लिए 17 टेंट उपलब्ध करवाए गए, जिससे अस्थायी आवास की तत्काल समस्या का समाधान हो सकेगा। भारत विकास परिषद के प्रदेश के वित्त सचिव आदित्य करीर ने सभी प्रभावितों को टेंट प्रदान किए। बंजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र शौरी ने भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों व सदस्यों का ह्रदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में संगठन द्वारा दिया गया यह सहयोग अत्यंत सराहनीय है और प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विधायक शौरी ने बताया कि प्रशासन, विभिन्न सामाजिक संगठनों और दानी सज्जनों के सहयोग से राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी और सरकार व स्थानीय प्रशासन से पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की बात कही गई है।

### प्रेरणा ने जैवलिन थ्रो में जीता सिल्वर मेडल

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग।** एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय लाहौल की कक्षा 12वीं की छात्रा प्रेरणा ने ओड़िशा में आयोजित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में जैवलिन थ्रो में दूसरा स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। यह उपलब्धि और भी प्रेरणादायक है, क्योंकि प्रेरणा ने इससे पहले राष्ट्रीय स्पोर्ट्स 2022 में तीसरा स्थान (ब्रॉन्ज मेडल) भी जीता था। कठिन परिस्थितियों के बावजूद प्रेरणा ने लगातार दो राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपने असाधारण साहस, मेहनत व लगन का प्रमाण दिया है। स्कूल के कोच चंद्रेश ठाकुर ने बताया कि प्रेरणा ने हर चुनौती का सामना हिम्मत से किया और पिछले वर्षों में लगातार अपनी तकनीक व प्रदर्शन को बेहतर बनाया। प्रेरणा की सफलता केवल खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

### राष्ट्रीय कार्यशाला को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

**अनंत ज्ञान, मनाली।** भारत में भू प्रशासन में आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर मनाली में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा रहा है। राष्ट्रीय कार्यशाला के सफलता पूर्ण आयोजन को लेकर निदेशक, हिमाचल प्रदेश भू-अभिलेख, अभिषेक वर्मा ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने जिले के अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल स्पेन रिसोर्ट का दौरा किया और तैयारियों का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। भू-प्रशासन में पारदर्शिता, दक्षता और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्व विभाग, हिमाचल प्रदेश के भू-अभिलेख निदेशालय द्वारा 'भारत में भू प्रशासन में आधुनिक तकनीकों को अपनाने' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 20 और 21 नवंबर, किया जा रहा है। यह कार्यशाला ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच नवाचारों, सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए एक उच्च स्तरीय मंच प्रदान जाना है। इससे भारत में भू-प्रशासन के आधुनिकीकरण के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार किया जा सके। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के प्रधान सचिवों, सचिवों, निदेशकों, सेटलमेंट आयुक्तों तथा भू-प्रशासन से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम तकनीकों पर विचार-विमर्श होगा। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक हिमाचल प्रदेश भू अभिलेख डॉ. राखी सिंह, एसडीएम कुल्लू निशांत ठाकुर, एसडीएम मनाली रमन शर्मा, जिला राजस्व अधिकारी गणेश कुमार सहित राजस्व व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# मनाली-लेह सड़क पर अब थम जाएगी वाहनों की आवाजाही

**कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

अनंत ज्ञान स्पैशल

**केलांग।** अगर आप इस साल मनाली होते हुए लेह तक सड़क यात्रा नहीं कर पाए हैं, तो अब आपको अगले साल तक इंतजार करना होगा। 20 नवंबर से मनाली-लेह राजमार्ग आधिकारिक तौर पर बंद होने जा रहा है। हालांकि, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मनाली लेह मार्ग में वाहनों की आवाजाही फिलहाल सुचारू है। बारालाचा दर्रे सहित शिंकुला व कुंजम दर्रे में पानी जमने लगा है। इससे मार्ग में सफर अब जोखिम भरा हो गया है, जिसके मद्देनजर 20 नवंबर को आधिकारिक तौर यह मार्ग वाहनों के लिए बंद हो जाएगा। लिहाजा, लेह- लद्दाख में कोई काम शेष रह गया है तो उसे 20 नवंबर से पहले पहले निपटा लें। उपायुक्त लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने दर्रे बंद करने की आधिकारिक सूचना जारी कर दी है। अब अगले साल ही बारालाचा सहित अन्य दर्रे यातायात के लिए बहाल होंगे। दो सप्ताह पहले बर्फबारी होने के बावजूद लेह मार्ग पर वाहनों की आवाजाही सुचारु है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से दर्रों में तापमान माइनस के पार चला गया है। बर्फ व पानी जमने से सफर जोखिम भरा हो गया।

### अत्यंत आपात स्थिति में ही करें यात्रा

**ऊंचे** पर्वतीय दर्रों पर कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मनाली-लेह राजमार्ग से जाने की योजना बना रहे लोगों को एहतियात बरतनी चाहिए। बारालाचा, तगलांग-ला और अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में छायादार क्षेत्रों में चौबीसों घंटे बर्फ की एक परत जमी रहती है, जिससे वाहनों के फिसलने की संभावना बढ़ जाती है।रोहतांग ला और तंगलांग ला के बीच अचानक बर्फबारी की स्थिति में, जो असामान्य नहीं है और अक्सर अप्रत्याशित भी होती है, लोगों के बिना किसी सहारे के फंस जाने की बहुत संभावना है। उच्च हिमालय में संचार मुश्किल है और संपर्क लगभग न के बराबर है। प्रशासन ने सख्त सलाह दी है कि लेह की यात्रा केवल अत्यंत आपात स्थिति में ही करें।

**आपदा** प्रबंधन लाहौल-स्पीति ने बीआरओ की रिपोर्ट के मद्देनजर इस मार्ग को सफर के लिए असुरक्षित पाया है। सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है, अब कभी भी दर्रों में भारी बर्फबारी हो सकती है, ऐसे हालात में जान जोखिम में पड़ सकती है। पर्यटक अब मनाली लेह के बीच पड़ने वाले दर्रों के अब अप्रैल मई में ही दीदार कर सकेंगे। दूसरी ओर स्पीति घाटी भी लाहौल घाटी से कट जाएगी। अब 20 नवंबर से मनाली लेह मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद होने का रही है। **किरण भड़ाना, उपायुक्त लाहौल-स्पीति।**

### सरचू से हटाई अस्थायी चौकी

**पुलिस** ने सरचू से अस्थायी चौकी भी हटा ली है साथ ही अस्थायी ढाबे भी हट गए हैं, अब इन मार्गों पर सफर करना बहुत ही जोखिम भरा हो गया। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख की सीमा पर स्थित सरचू में पुलिस चौकियां भी अगले साल तक हटा दी गई हैं।

# तेलंगाना की तर्ज पर एससी और एसटी विकास निधि कानून हो लागू

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

शोषण मुक्ति मंच हिमाचल प्रदेश की कुल्लू ईकाई का एक प्रतिनिधिमंडल डीसी कुल्लू से मिला। मंच की कुल्लू इकाई की ओर से प्रदेशव्यापी आह्वान पर जिलाधीश कुल्लू के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में बढ़ते दलित उत्पीड़न, भेदभाव और अधिकारों पर हमलों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई व ठोस नीतिगत कदम उठाने के लिए मुख्यमंत्री एक ज्ञापन भेजा।

मंच के सह सचिव राम चंद ने बताया कि हाल ही में राज्य के विभिन्न जिलों में दलित समाज पर अत्याचार, भेदभाव और हिंसा की घटनाऐं लगातार बढ़ रही हैं। विशेष रूप से कुल्लू के सैंज में दलित महिला पर हुए हमले व मौत और रोहडू में दलित बच्चे सिकंद्र की मौत जैसी घटनाएं व हमीरपुर में दराटी से हमला कर महिला की हत्या, मंडी में महिला पर एसिड फेंकने की घटना समाज की संवेदना और राज्य की न्याय व्यवस्था दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि संविधान द्वारा प्रदत समानता, न्याय और सम्मान के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करवाई जाए। शोषण मुक्ति मंच के सह संयोजक राम चंद ने कहा कि प्रदेश में अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत लंबित मामलों की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच की जाए, दोषियों की तत्तकाल गिरफ्तारी की जाए तथा तेलंगाना की तर्ज पर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति विकास निधि कानून हिमाचल में लागू किया जाए। साथ ही 85वें संविधान संशोधन को पूर्ण रूप से लागू करने पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता व सुरक्षा प्रदान करने, सभी नई भर्तियों में आरक्षण रोस्टर लागू करने ,सरकारी व शैक्षणिक संस्थाओं में भेदभाव के मामलों की जांच के लिए राज्य स्तरीय निगरानी समिति गठित करने की मांग भी उठाई गई। संगठन द्वारा यह मांग भी की गई कि अल्पसंख्यक समुदायों पर धर्म के नाम पर हो रहे भेदभाव और हमलों पर तुरंत रोक लगाने तथा सांप्रदायिकता फैलाने वाले व्यक्तियों व संगठनों पर कड़ी कार्रवाई करने की अपील की गई। यह संघर्ष सिर्फ दलित समुदाय का नहीं ,बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संघष है । हिमाचल प्रदेश को प्रगतिशील राज्य कहा जाता है, पर दलित समाज की सुरक्षा अब भी सुनिश्चित नहीं है।

# आउटसोर्स कर्मियों के लिए बनाई जाए नीति

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** हिमाचल प्रदेश इंटक के अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विभिन्न विभागों में सरकार के द्वारा आउटसोर्स नीति के तहत कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, लेकिन उनके लिए अभी तक कोई भी नीति नहीं बनाई गई है। सोमवार को पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि इससे हजारों कर्मचारी निराश हो रहे हैं, ऐसे में आउटसोर्स कर्मचारी की स्थायी नियुक्ति के लिए सरकार को पॉलिसी बनानी चाहिए। इसके अलावा प्रदेश में दैनिक भोगी कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के कार्यकाल के दौरान हिमाचल प्रदेश में विभिन्न विभागों में दैनिक भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी, जिन्हें बाद में नियमित किया गया था, लेकिन उसके बाद यह नियुक्तियां बंद कर दी गई हैं। सरकार को चाहिए कि दैनिक भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति फिर से शुरू की जानी चाहिए। इसके अलावा ठेकेदारी प्रथा के तहत भी कई कर्मचारियों को विभिन्न विभागों से हटाया गया है और वह आज बेरोजगार घूम रहे हैं, ऐसे में सरकार को चाहिए कि ठेकेदारी प्रथा को बंद किया जाए।

# यूरनाथ पंचायत में फाइव-जी उत्सव का आगाज

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

डीसी लाहौल-स्पीति का गांव पहुंचने पर महिलाएं स्वागत करती हुईं।

लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन द्वारा सर्दियों की शुरुआत के साथ ही पंचायत स्तर पर जनसंवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से फाइव-जी (गोजी, गप्पा, गांव, गुड गवर्नेंस) उत्सव की अभिनव पहल का सोमवार को आगाज हुआ।

इसी क्रम में यूरनाथ पंचायत में महिला मंडल भवन में जनसंवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने की। जिले के लगभग सभी विभागों के अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे। डीसी ने कहा कि सर्दियों के दौरान जिले में गतिविधियां कम हो जाती हैं और कृषि कार्य भी बंद रहते हैं। ऐसे में फाइव-जी जैसे संवाद कार्यक्रम प्रशासन और पंचायत निवासियों के बीच दूरी कम करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्थानीय लोगों से सर्दियों में अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया। बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी एवं बहुलाभकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा की गई तथा यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी पात्र लाभार्थी किसी योजना से वंचित न रह जाए। विशेष रूप से एकल नारी, वरिष्ठ नागरिकों और दूरदराज के परिवारों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया।

स्थानीय जनता ने पंचायत के गांव क्योर, क्वारिंग तथा गुमरंग-सकलिंग-जुंगछूमि सड़क को ग्रिमस रोड के माध्यम से पूरा करवाने की मांग रखी। इसके अलावा यूरनाथ पंचायत को केलांग टाउन की बिजली लाइन से जोड़ने तथा सर्दियों में पेयजल समस्या का समाधान करने का आग्रह किया। डीसी किरण भड़ाना ने इन सभी मांगों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत के विभिन्न स्थानों पर सोलर लाइटें स्थापित करने और अलग-अलग गांवों में सामूहिक सोलर वाटर हीटर लगाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान महिला मंडल की महिलाओं ने स्थानीय, पौष्टिक और पारंपरिक व्यंजन परोसे, जिनका सभी ने आनंद लिया। पंचायत प्रधान विजय आनंद सहित स्थानीय निवासियों ने उपायुक्त का खतक पहनाकर स्वागत किया।

# गुशैनी व बंजार में 300 महिलाओं को बांटी पोषण किट

**अनंत ज्ञान, बंजार।** केंद्रीय सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'कुपोषण मुक्त भारत' अभियान को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को गुशैनी और बंजार क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार को समर्पित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बंजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र शौरी द्वारा गुशैनी व बंजार अलग अलग स्थानों पर कुल मिलाकर 300 महिलाओं को पोषण किट वितरित की गईं, ताकि उन्हें आवश्यक पोषक तत्वों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।इस अवसर पर विधायक शौरी ने कहा कि 'सही पोषण... देश रोशन' केवल एक नारा नहीं बल्कि देश के स्वास्थ्य और विकास की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि यह पहल महिलाओं के पोषण स्तर को मजबूत करने, एनीमिया की रोकथाम और परिवारों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विधायक शौरी ने स्वास्थ्य विभाग, आशा कार्यकर्ताओं और महिला समूहों द्वारा किए जा रहे सहयोग की भी सराहना की।

# मनाली थाना की टीम ने गोवंश से भरा ट्रक पकड़ने में की कामयाबी हासिल

**अनंत ज्ञान, मनाली**

पर्यटन नगरी मनाली में एक बार फिर गो तस्करी का मामला सामने आया है।

थाना मनाली की टीम ने गोवंश से भरा ट्रक पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। ट्रक 5 मे गाय व 6 बैल बरामद हुए, जिन्हें गोशाला को भेजा गया है। ट्रक के चालक और सह चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ पशु क्रूरता का मामला दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गश्त पर तैनात पुलिस टीम को कंट्रोल रूम कुल्लू सूचना प्राप्त हुई थी कि गोवंश से भरा एक एचआर नंबर का ट्रक कुल्लू से मनाली की तरफ को निकला है। सूचना के बाद मनाली पुलिस ने बुद्धा चौक मनाली में नाकाबंदी कर दी। सुबह 9.20 बजे प्रात: एक ट्रक एचआर नम्बर कलाथ से मनाली की ओर आया। मुख्य आरक्षी योग राज ने रोकने का ईशारा किया तो ट्रक चालक ट्रक को भगाकर मनाली की तरफ ले गया और बुद्धा चौक से करीब 150 मीटर बाईं तरफ ट्रक को रोका गया।

ट्रक को चैक करने पर ट्रक को उपर पराली से लदा हुआ पाया गया। ट्रक में पराली के नीचे 5 गाय व 6 बैल जीवित पाए गए। ट्रक का नंबर एचआर 58 ई – 4982 को तुरंत कब्जे में लिया गया। ट्रक चालक शौयब अली पुत्र शराफत अली निवासी 369/1 सलमान फारसी मस्जिद के पास अजाद कलौनी सहारनपुर उत्तर प्रदेश व परिचालक अब्दुल वाहिद पुत्र रईश अहमद निवासी 87, किरथपुर कलौनी नगर पालिका परिषद सहारनपुर उत्तर प्रदेश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। डीएसपी केडी शर्मा ने बताया कि पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दोनों को अदालत में पेश किया जा रहा है।

# डॉ. सुमेध कौल ने रघुनाथ अस्पताल में संभाला मेडिकल डायरेक्टर का पदभार

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

रघुनाथ अस्पताल कुल्लू में वरिष्ठतम व प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमेध कौल ने सोमवार को मेडिकल डायरेक्टर का पदभार संभाल लिया है। इसी के साथ ही डॉ. गीता कौल ने भी रघुनाथ अस्पताल में सीनियर मेडिकल ऑफिसर एवं इंचार्ज-इमरजेंसी सर्विसेज के रूप में योगदान शुरू कर दिया है।

रघुनाथ अस्पताल प्रबंधन के अनुसार डॉ. सुमेध कौल को जिला कुल्लू में सबसे अनुभवी, अत्यंत कुशल और विश्वसनीय प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी, जटिल स्त्री रोग उपचार, और उत्कृष्ट चिकित्सा निर्णय क्षमता में उनका अनुभव अतुलनीय है। उनके जुड़ने से रघुनाथ अस्पताल के क्लिनिकल मानक और भी सशक्त होंगे। वहीं, डॉ. गीता कौल एक दक्ष, अनुभवी व समर्पित चिकित्सा अधिकारी हैं, जिन्होंने कई वर्षों तक इमरजेंसी, जनरल मेडिकल केयर और क्रिटिकल मामलों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता व त्वरित निर्णय लेने की योग्यता से रघुनाथ अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं को नई गति और मजबूती मिलेगी। 'डॉ. सुमेध कौल और डॉ. गीता कौल का रघुनाथ अस्पताल से जुड़ना अत्यंत गौरव की बात है। उनका अनुभव, विशेषज्ञता और सेवा-भावना अस्पताल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। यह कदम मरीजों को उच्च स्तरीय, सुरक्षित और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।'

# पेंशन बढ़ोतरी संबंधी विषयों पर हुई विस्तार से चर्चा

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** कुल्लू जिला पीएनबी वेटनर्ज एंड रिटायर्ड एसोसिएशन की त्रिमासिक बैठक प्रधान एलके सूद की अध्यक्षता में कुल्लू के बाशिंग में संपन्न हुई। बैठक के नए सदस्यों के स्वागत के अलावा पेंशन बढ़ोतरी संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा विभिन्न कोर्ट में चल रहे मामलों पर भी जानकारी उपलब्ध कराई गई। संघ द्वारा किए जा रहे समाजिक कार्यों में बच्चों को वित्त प्रबंध संबंधी जानकारी से जागरित करने का भी निर्णय लिया गया। कुछ दिन पहले हुए राज्यस्तरिय समारोह के लिए गए निर्णयों के बारे के भी उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया। अंत में संघ के अध्यक्ष व उप-प्रधान ने धन्यवाद संबोधन के साथ बैठक का समापन किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी अनिल कुमार ने दी।

# कुल्लू जिला कराटे टीम ने झटके 39 पदक

जिला कुल्लू कराटे टीम कोच व अन्य गणमान्य लोगों के साथ।

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

जिला कुल्लू की कराटे टीम ने बैजनाथ में हुई इंटर स्कूल व सीनियर स्टेट कराटे चैंपियनशिप में 21 स्वर्ण,10 रजत और 8 कांस्य पदकों के साथ 39 पदकों पर कब्जा जमाया।

टीम ने सेंसई हरीश शर्मा व कोच मीना शर्मा के नेतृत्व में भाग लिय। इसमें कुल्लू के विभिन्न स्कूलों से 38 कराटे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस प्रतियोगिता में सेंसई रजनीश कुमार, सेंसई सोनू कुमार, सेंसई राकेश कुमार, अभी शर्मा, कुमकुम शर्मा, सानिया ठाकुर ने ऑफिशियल की भूमिका निभाई। कुमिते के विभिन्न आयु व भार वर्गों में पदमा बोध, दार्शिक डोगरा, श्रीजा गोयल, रुप लाल, राहुल, रोहित, आकृति शर्मा, चन्नय शर्मा, काव्या शर्मा, कुमकुम शर्मा, शिवम, सानविक तमंग, अंशुल ठाकुर, दृष्टि ठाकुर, गंगा ठाकुर, मायरा ठाकुर, सानिया ठाकुर, सिहोना ठाकुर, सिमरन ठाकुर, वीनस ठाकुर, वैभव ने स्वर्ण पदक हासिल किए। तृषा ठाकुर, आयुष सिंह, सैजल शर्मा, रेयांश शर्मा, अभी शर्मा, ओजस्वी, सान्वी जोशी ने रजत पदक व अर्णव भारद्वाज,आयेशा ठाकुर, विहान ठाकुर, सोनम ने कांस्य पदक हासिल किए।

काता में सैजल शर्मा, गंगा ठाकुर, सोनम ने रजत पदक और श्रीजा, ओजस्वी, नीरज सूरी ने कांस्य पदक जीते। इनकी इस उपलब्धि पर जिला कराटे संघ के चेयरमैन वेद प्रकाश, वाईस चेयरमैन राकेश कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीलम उपाध्याय, उपाध्यक्ष सुधांशु सूद, महासचिव केएस पराशर, सह सचिव नरोत्तम चंद व लीला बहादुर कार्की, सदस्य यादव ने बधाई दी।

**दौरा** अनुराधा ने कहा, बच्चों को गुणात्मक व रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध करवाना मुख्य उद्देश्य

# 18 लाख से निर्मित प्राथमिक स्कूल भवन का किया उद्घाटन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, काजा**

सगनम में 18 लाख से निर्मित राजकीय प्राथमिक पाठशाला के लोकार्पण के दौरान विधायक।

विधायक जिला लाहौल-स्पीति अनुराधा राणा ने कहा कि बच्चों को गुणात्मक व रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य है।

अनुराधा राणा ने सोमवार को विधिवत पूजा-अर्चना करने के उपरांत स्पीति घाटी के सगनम में 18 लाख रुपए की लागत से निर्मित राजकीय प्राथमिक पाठशाला सगनम-2 के भवन का उद्घाटन करने के उपरांत बोल रही थी। उन्होंने कहा कि इस नए भवन के निर्माण से जहां क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होगी। वहीं, इस क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं भी मिलेंगी। राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों व दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षा के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सरकारी स्कूलों में सीबीएसई आधारित शिक्षा प्रदान करेगी तथा पहली कक्षा से इंग्लिश मीडियम को विशेष तरजीह दी जाएगी, ताकि आज के आधुनिक व प्रतिस्पर्धा के युग में सरकारी स्कूल के विद्यार्थी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शामिल होकर आगे बढ़ सकें। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वर्तमान प्रदेश सरकार गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अनुराधा राणा ने कहा कि प्रदेश में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में यह स्कूल स्थापित कर बच्चों को घरद्वार पर ही आधुनिक शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य व सड़कों के सुदृढ़ीकरण व विस्तारिकरण पर प्राथमिकता दे रही है, ताकि ग्रामीण व दुर्गम क्षेत्रों में लोगों की आर्थिक स्थिति में और सुधार हो सके। विधायक अनुराधा राणा ने स्कूली बच्चों से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें पढ़ाए जा रहे विषयों से संबंधित कुछ सवाल भी पूछे तथा अध्यापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान विधायक ने सगनम व कुंगरी में लोगों की समस्याएं भी सुनीं और जनता से प्राप्त समस्याओं के त्वरित निपटारे के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम काजा शिखा, एसडीएम जगदीश चंद, बीडीओ अंशुल, एक्सइएन पीडब्ल्यूडी संजय शर्मा, जनजातीय सलाहकार परिषद सदस्य छेवांग रिंगजिन व वीरभगत, ब्लॉक अध्यक्ष सरतोलो, पूर्व महिला ब्लॉक अध्यक्ष पूनम, छटुप दौरजे, कुंजम गटुक, छिमेद गटुक, रामकिशन सहित पार्टी के अनेक गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# 20 को धूमधाम से मनाया जाएगा महासंघ का स्थापना दिवस: अमर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू**

जिला कुल्लू में हिमाचल प्रदेश अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ की बैठक जिला अध्यक्ष अमर चंद ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

महासंघ के जिला महामंत्री तुले राम ने बताया कि बैठक में 20 नवंबर को कुल्लू में आयोजित होने वाले महासंघ के स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष महासंघ प्रदेशभर के हजारों कर्मचारियों की उपस्थिति में स्थापना दिवस को ऐतिहासिक रूप में मनाने जा रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर जिला इकाई ने सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप ठाकुर और महासचिव भरत शर्मा के संदेश को बैठक में साझा किया गया। इसमें उन्होंने इसे प्रदेश कर्मचारी एकता, अधिकारों की रक्षा और सम्मान का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों के कर्मचारी संगठन भाग लेंगे और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण समस्याओं पर व्यापक मंथन होगा। स्थापना दिवस में मुख्य मुद्दों पर चर्चा होगी वेतन विसंगतियां, पदोन्नति में देरी, महंगाई भत्ता व अन्य भत्तों में वृद्धि, संविदा व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का नियमितीकरण, विभागों में रिक्त पदों को भरना, एनपीएस के 12,000 करोड़ रुपए, एनएसडीएल से वापस लाने का मुद्दा, छूटे हुए विभागों के लिए पुरानी पेंशन बहाली से जुड़े प्रावधान आदि अन्य मुद्दों पर मंथन किया जाएगा।

### विभिन्न विभागों से प्राप्त मांग-पत्रों का संकलन

**बैठक** में स्पष्ट किया गया कि सभी मांगपत्रों को संकलित कर एक सामूहिक ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा, ताकि कर्मचारियों की आवाज मजबूती से सरकार तक पहुंच सके। जिला अध्यक्ष अमर चंद ठाकुर ने कहा कि यह स्थापना दिवस केवल समारोह नहीं होगा, बल्कि कर्मचारियों की एकता का प्रदर्शन और भविष्य की रणनीति तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। जिला महासंघ के महासचिव तुले राम ने सभी कर्मचारियों से 20 नवंबर को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति का आह्वान किया।

# पत्नी की हत्या कर फरार चल रहे पति को पुलिस ने दबोचा

**अनंत ज्ञान, मानपुरा**

पुलिस थाना मानपुरा के तहत निचला खेड़ा में पत्नी की हत्या कर फरार हुए आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें अन्य राज्यों में दबिश दे रही थीं। इसी बीच पुलिस को इनपुट मिली के आरोपी इसी क्षेत्र में है। इसके बाद पुलिस ने बीबीएन में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। बताते चलें कि बीते 7 नवंबर की रात को आपसी झगड़े के बाद चुन्नू कुमार साहनी, निवासी जिला सिवान, बिहार ने पत्नी संगीता (32) की हत्या कर दी थी और कमरे को बाहर से कुंडी लगाकर फरार हो गया था। सूचना के बाद एसपी व एसडीपीओ बद्दी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था और एसएफएल की टीम ने साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी गठित की गई थी। इसके बाद आरोपी चुन्नू कुमार साहनी (32) निवासी जिला सिवान, बिहार को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी बद्दी अशोक वर्मा ने बताया के आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है और कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। जांच जारी व आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है जिसके बाद सारा सच सामने आएगा।

# युवाओं को नशे से दूर रखना आवश्यक: शांडिल

**अनंत ज्ञान, सोलन।** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि युवा नशे से दूर रहे और अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में उपयोग करें। डॉ. शांडिल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सोलन द्वारा आयोजित आगाज-2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश व प्रदेश के विकास के लिए युवाओं को नशे से दूर रखना आवश्यक है। वर्तमान में नशा समाज के लिए चुनौती बना हुआ है। नशे के निराकरण के लिए युवाओं को खेलों, पढ़ाई व अन्य सकारात्मक गतिविधियों की ओर आकर्षित करना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि नशे से दूर रहे और अपनी असीमित ऊर्जा का उपयोग अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने में उपयोग करें। डॉ. शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में मादक पादर्थ चिट्टे के खिलफ व्यापक जन आंदोलन आरंभ किया गया है। इस आंदोलन के तहत नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना, नशे से युवाओं को दूर रखना और नशा माफियों पर कार्रवाई करना है।

# ठेके पर होगी 7 वार्डों की सफाई

## ठेकेदार के माध्यम से 102 नए सफाई कर्मचारियों की तैनाती

**आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो**

**सोलन।** शहर में बिगड़ती सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए नगर निगम ने 7 वार्डों की सफाई का जिम्मा ठेकेदार को दिया है।

इसके लिए 102 नए सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इससे जहां शहर में सफाई व्यवस्था बनाए रखना आसान होगा, वहीं पंचायतों से नगर निगम में जुड़े क्षेत्रों में भी सफाई व्यवस्था सुदृढ़ होगी। इसके साथ कलेक्शन सेंटरों से देर से उठने वाला कूड़ा भी समय पर निपटाया जाएगा। बता दें कि नगर निगम की कार्यप्रणाली से सोलन को स्वच्छ शहर समृद्ध शहर बनाने योजना को सिरे चढ़ाना चुनौती बन गया है। ऐसे कर्मचारियों की कमी से जूझ रही नगर निगम ने अब सफाई का जिम्मा निजी हाथों में सौंपने का निर्णय लिया है। पिछले दो माह से कर्मचारियों की कमी के कारण कलेक्शन सेंटरों पर दिनभर गंदगी पसरी रहती थी। अब निगम ने नई तैनाती कर दी है। नगर निगम के पास अब 352 सफाई कर्मचारी हो गए हैं। निगम बनने के बाद शहर में कुल 17 वार्ड हो गए हैं। इनमें कई पंचायत क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। नगर निगम बनने के बाद से सफाई कर्मचारियों की तैनाती ठेकेदार के माध्यम से की जा रही है। पिछले कुछ समय से कर्मचारियों की कमी खलने लगी थी। शहर के सात वार्डों में कूड़े के ढेर लगे रहते थे। गंदगी से राहगीर परेशान हो रहे थे, वहीं स्वच्छता रैंकिंग सुधारने के दावे भी कमजोर पड़ने लगे थे। कर्मचारियों की कमी के कारण कूड़ा समय पर नहीं उठ रहा था और शहर की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। घर-घर से कूड़ा एकत्र तो हो जाता था, लेकिन कर्मचारी उसे कलेक्शन सेंटर पर रखकर चले जाते थे। यहां से डंपिंग साइट तक कूड़ा पहुंचाने के लिए अलग कर्मचारियों की ड्यूटी थी, मगर पिछले कुछ दिनों से कूड़े के ढेर शहरभर में नजर आ रहे थे।

सोलन शहर के सपरून बाइपास में कलेक्शन के लिए रखा गया कूड़ा।

### इन वार्डों में होगी तैनाती

**नगर** निगम ने ठेकेदार के माध्यम से नियुक्त किए कर्मचारियों को वार्ड नंबर 3, 4, 9, 11, 15, 16 और 17 में तैनात किया गया है। इन्हें कलेक्शन सेंटरों से कूड़ा समय पर निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। शहर के सात वार्डों में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए 102 कर्मचारियों की तैनाती की गई है। ठेकेदार के माध्यम से लगाए गए ये कर्मचारी समय पर कूड़ा निपटाने का कार्य करेंगे, जिससे सफाई व्यवस्था में सुधार होगा। उम्मीद है कि इससे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में मदद मिलेगी।

**उषा शर्मा, महापौर, नगर निगम सोलन**

# सिलेंडर चोरी के मामले में आरोपी डेराबस्सी से गिरफ्तार

**अनंत ज्ञान, सोलन**

पुलिस थाना सदर सोलन में देयोठी निवासी पवन कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि यह भारत गैस से एलपीजी सिलेंडरों के बेचने का कार्य करता है। इसके पास एक गाड़ी पिकअप है।

इसमें यह शिवालिक ब्योमेटल कंपनी बाईपास सोलन समीप चंबाघाट के पास सिलेंडर स्टोर करके रखता है। इसके अतिरिक्त इनके पास एक फोर वहीलर टेंपो भी है, जिसे अजय निवासी धर्मपुर चलाता है। अजय उपरोक्त पिकअप से टेंपो में सिलेंडर लोड करके आगे सप्लाई करता है। 14 नवंबर को चालक अजय ने खाली सिलेंडर उपरोक्त पिकअप गाड़ी में रखे थे तथा वह भरे हुए सिलेंडरों को टेंपो में डालकर सप्लाई करने के लिए गया था। 15 नवंबर को जब यह उक्त पिकअप (स्टोर) के पास पहुंचा, तो देखा कि पिकअप से 18 भरे हुए और 32 खाली सिलेंडर गायब थे, जिन्हें कोई नामालूम व्यक्ति चुराकर ले गया। इस पर उपरोक्त अभियोग पुलिस थाना सदर सोलन में पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान पुलिस थाना सोलन की टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास, शहर सोलन व अन्य संभावित ठिकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहनतापूर्वक विश्लेषण किया गया। इसके अतिरिक्त तकनीकी साक्ष्यों का भी अवलोकन किया गया।

अन्वेषण के दौरान वारदात में संलिप्त वाहन पिकआप जो कि वारदात के समय बिना नंबर प्लेट के थी उसको सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टोल प्लाजा चंडीमंदिर पर ट्रैक की गई। इस वाहन की जांच पड़ताल करके इस वारदात में संलिप्त आरोपी गुरजंट सिंह पुत्र कर्मवीर सिंह निवासी रविदास मंदिर रामदासिया मोहल्ला लालडू तहसील डेराबस्सी जिला मोहाली पंजाब उम्र 22 वर्ष को पुलिस थाना सदर सोलन की टीम द्वारा लालडू पंजाब से गिरफ्तार किया गया। चोरी हुए सिलेंडरों को बरामद कर लिया गया है। मामले में संलिप्त वाहन पिकअप को जब्त करके पुलिस ने कब्जे में लिया। आरोपी के पूर्व अपरॉधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले में जांच जारी है।

## न्यूज ब्रीफ

### जैतक में महिला ने फंदा लगाकर दी जान

**अनंत ज्ञान, नाहन।** नाहन ब्लॉक तहत आने वाले गांव के तहत आने वाले जमटा क्षेत्र के जैतक गांव की निवासी एक 62 साल की महिला खेत में फंदा लगा लिया। फंदे पर लटकी महिला की पहचान लाजवंती के रूप में हुई है, जो कि खेत में एक पेड़ पर लटकी हुई थी। घटना के बाद महिला के परिवार वाले तुरंत उसको मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। डीएसपी हेडक्वार्टर रमाकांत ठाकुर ने बताया कि जानकारी के अनुसार लाजवंती पत्नी रमेश चंद, निवासी ग्राम जैतक, नजदीक जमटा अपने में खेत में फंदा के बाद बेहोश मिली। डीएसपी ने बताया कि लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया गया है। मामले में जांच जारी है।

### बंद फैक्टरी से चोरी के मामले में आरोपी काबू

**अनंत ज्ञान, सोलन।** जोगिंदर सिंह ने पुलिस थाना सदर सोलन में शिकायत दर्ज करवाई कि रबौन स्थित उनकी बंद पड़ी फैक्टरी 'भारत ऑर्गेनिक्स' में चोरी हो गई है। फैक्टरी वर्ष 2013 से सेल्स विवाद के कारण बंद थी। 15 नवंबर को बाहर से लौटने पर उन्होंने देखा कि फैक्टरी में रखा घर, रसोई और बाथरूम का सामान, फर्नीचर, गीजर, हीटर, ब्लोअर, टीवी आदि गायब थे। सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोगों को पिछले दिनों शाम के समय बोरे में सामान भरकर ले जाते हुए देखा गया। चोरी हुए सामान की कीमत लगभग 60,000 रुपए आंकी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवा कुमार (26) पुत्र दलीप कुमार, निवासी बठोल (वर्तमान रिहाइश हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रबौन) को गिरफ्तार किया। एसपी सोलन गौरव सिंह के अनुसार आरोपी पहले भी चोरी के मामलों में संलिप्त रहा है और उसके खिलाफ थाना धर्मपुर में शटरिंग प्लेटें चोरी करने का मामला दर्ज है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर चार दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है।

### 5 ग्राम चिट्टे सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

**अनंत ज्ञान, सोलन।** जिला सोलन पुलिस की एसआईयू टीम धर्मपुर क्षेत्र में गश्त के दौरान गुप्त सूचना पर एक मोहिंद्रा पिकअप से चिट्टा/हेरोइन बरामद करने में सफल रही। सूचना मिली थी कि सूरज नामक युवक लंबे समय से नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त में संलिप्त है और आज भी बड़ी मात्रा में चिट्टा धर्मपुर में बेचने की फिराक में है। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए सूरज पुत्र मनसुख राम, निवासी घडसी, तहसील कसौली (उम्र 29) को पकड़कर उसके कब्जे से करीब 5 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की। आरोपी के खिलाफ थाना धर्मपुर में मामला दर्ज किया गया। जांच में पाया गया कि वह पहले भी तीन आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है, जिनमें बाइक व बिजली की तारें चोरी के प्रयास तथा नशीले पदार्थों की तस्करी के केस शामिल हैं। मामले की जांच जारी है।

### प्राथमिक शिक्षक संघ सोलन का किया विस्तार

**प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान, कंडाघाट।** राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी विस्तार के लिए विगत दिन कंडाघाट के एक निजी होटल में बैठक आयोजित की गई। इसमें जोगा सिंह अध्यक्ष, नितांत कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनोहर सिंह महासचिव की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इन पदाधिकारियों ने कार्यकारिणी का विस्तार किया और इसमें 60 अन्य सदस्यों को मनोनीत किया। मनोनीत सदस्यों को संघ के संविधान की शपथ दिलाई और प्राथमिक अध्यापकों के हित और कल्याण के लिए कार्य करने का दृढ़ संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में खंड अध्यक्ष सोलन राजकुमार जसवाल, खंड अध्यक्ष कुठार शमशेर सिंह, खंड अध्यक्ष अर्की योगेश शर्मा, खंड अध्यक्ष धुंधन नरेंद्र शर्मा, खंड अध्यक्ष धर्मपुर अमित बंसल, खंड अध्यक्ष रामशहर सुनील कौशल, खंड अध्यक्ष नालागढ़ तेजवीर कौर, खंड अध्यक्ष पट्टा महलोग राम सिंह, खंड अध्यक्ष बद्दी दौलत राम और खंड कंडाघाट के अध्यक्ष सुमेश कुमार अपनी समस्त खंड कार्यकारिणी के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

### बिजली बिलों का समय पर करें भुगतान

**अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट।** बिजली उपमंडल दाड़लाघाट ने क्षेत्र के सभी बिजली उपभोक्ताओं को चेतावनी दी है कि वे अपने लंबित बिजली बिल समय पर जमा करें, ताकि बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहे। विभाग ने स्पष्ट किया कि समय पर बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन बिना किसी अतिरिक्त सूचना के काट दिए जाएंगे। सहायक अभियंता ई. विमल अत्रि ने बताया कि जिन घरों में स्मार्ट मीटर लगे हैं, उन्हें मुद्रित बिल नहीं मिलेगा और वे अपना बिल एचपीएसईबीएल मोबाइल ऐप के माध्यम से देख व डाउनलोड कर सकते हैं। बिल भुगतान एचपीएसईबीएल ऐप, वेबसाइट, भीम ऐप, गूगल पे, अमेजन पे, पेटीएम, फोनपे, मोबिक्विक, पेजैप, फ्रीचार्ज आदि माध्यमों से किया जा सकता है। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए उपभोक्ता कार्यालय या 01796-248327 पर संपर्क कर सकते हैं।

### दिव्यांगों के लिए भवन न होने से असुविधा

**अनंत ज्ञान, शिलाई।** जिला सिरमौर के दिव्यांग जनों को मुख्यालय नाहन में ठहरने और सुविधाओं की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले दिव्यांगों को नाहन में रात बिताने या जरूरी कार्य करने में आर्थिक और शारीरिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस मुद्दे को जिला सिरमौर दिव्यांग संगठन कई बार सरकार के समक्ष उठाता रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हाल ही में संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर ने सरकार और जिलाधीश का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए नाहन में दिव्यांगों के लिए भवन निर्माण की मांग की। उनका उद्देश्य दिव्यांगों को रात्री ठहराव और विभिन्न कार्यक्रमों के लिए उचित और सुरक्षित सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपने कार्य संपन्न कर सकें।

### डीएसपी दाड़लाघाट नवीन झाल्टा ने संभाला कार्यभार

**अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट।** नवनियुक्त डीएसपी नवीन झाल्टा ने दाड़लाघाट में अपना कार्यभार संभाल लिया। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि मीडिया और जनता के सहयोग से पुलिस अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर सकती है। उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। डीएसपी झाल्टा ने कहा कि पुलिस और पत्रकार समाज में छिपी बुराइयों को उजागर करने में एकजुट होकर काम करें। ट्रैफिक सुधार के लिए जोर देते हुए उन्होंने चिह्नित क्षेत्र का निरीक्षण और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। विशेषकर दो बड़े उद्योगों के कारण बढ़े मार्ग दबाव को नियंत्रित करने के लिए। नशा-निवारण पर जोर देते हुए उन्होंने चिह्नित सहित सभी नशे के सौदागरों पर सख्त कार्रवाई का संदेश दिया। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष पहल की जाएगी। इससे पहले वे स्टेट विजिलेंस और किन्नौर व सोलन में डीएसपी रह चुके हैं। दाड़लाघाट में पूर्व डीएसपी संदीप शर्मा शिमला तैनात हो गए हैं।

# झाड़माजरी के फॉयल प्रिंटिंग उद्योग में आग

## करोड़ों रुपए का नुकसान, दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

**अनंत ज्ञान, बद्दी**

औद्योगिक क्षेत्र बद्दी के तहत झाड़माजरी में टोल बेरियर के निकट श्री राधे इंडस्ट्री में तड़के करीब ढाई बजे अचानक आग लगने से उद्योग जलकर राख हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार एल्युमिनियम फॉयल प्रिंटिंग में अग्निशमन विभाग को 2 बजकर 45 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक उद्योग जल चुका था। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने दो घंटे की जद्दोहद के बाद आग पर काबू पाया और साथ लगते मकानों को बचाया। आग उद्योग की बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और प्रथम मंजिल में लगी। इससे कंपनी के अंदर पड़ा सारा कच्चा माल जल गया और तैयार माल भी जलकर राख हो गया। उद्योग की सारी मशीनरी, सारे कंप्यूटर, पेकिंग मशीन और मेटीरियल शटर तथा भवन में दरारें भी आ गईं। आग लगने के दौरान ब्लास्ट भी हुए। इससे एक बार आग बुझाने वाले कर्मी भी घबरा गए। इसी बीच कंपनी के मालिक नरेंद्र लुबना को भी सूचना दी वह भी तुरंत पंचकूला से मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सब कुछ राख हो चुका था। समाचार लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका। अग्निशमन अधिकारी बद्दी हेमराज ने बताया कि सूचना मिलते ही कर्मी फायर टेंडर के साथ मौके पर पहुंचे।

करीब दो घंटे की जद्दोहद के बाद आग पर काबू पाया गया। चार आग बुझाने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। कंपनी के मालिक नरेंद्र लुबना ने बताया कि मशीनरी, कच्चा और तैयार माल, कंयूटर, जल कर राख हो गए हैं। कंपनी के भवन में भी दरारें आ गई हैं। आग तीनों मंजिल में लगी और आग से करीब एक करोड़ से डेढ़ करोड़ का नुकसान होने की संभावना है।

# मंडेरवा नदी पर पुल निर्माण में देरी पर सख्ती विधायक ने कार्य में तेजी लाने के दिए आदेश

**अनंत ज्ञान, नाहन**

विधायक अजय सोलंकी ने बिक्रम बाग पंचायत दौरे के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुना व कई मुद्दों पर तत्काल निर्णय लेने के निर्देश जारी किए।

मंडेरवा नदी पर निर्माणाधीन पुल के कार्य में देरी पर उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि काम में और विलंब न हो। सोलंकी ने बिक्रमबाग पंचायत में ग्रामीणों से मुलाकात कर पेयजल, सड़क, बिजली, कृषि संबंधी समस्याओं और सामाजिक कल्याण योजनाओं से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा की। ग्रामीणों की प्रमुख व लंबित मांग मंडेरवा नदी पर बन रहे पुल के कार्य में तेजी लानी थी। विधायक ने स्थिति का प्रत्यक्ष निरीक्षण करते हुए संबंधित विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुल निर्माण कार्य तुरंत गति पकड़े, ताकि स्थानीय लोगों को आवागमन की दिक्कतों से राहत मिल सके। विधायक सोलंकी ने जनसुनवाई के दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया। शेष मामलों पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कई परिवारों ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। विधायक सोलंकी ने सभी का स्वागत किया और उन्हें पार्टी की नीतियों एवं विकास कार्यक्रमों से अवगत करवाया।

# दिव्यांगों को नौकरियों में नहीं दिया जा रहा आरक्षण

**अनंत ज्ञान, नाहन।** विभिन्न मांगों को लेकर पिछले लंबे समय से संघर्षरत दिव्यांग कल्याण संघ ने प्रदेश सरकार पर अनदेखी के आरोप लगाए हैं। जिला मुख्यालय नाहन में जिला दिव्यांग कल्याण संघ की जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। इसमें दिव्यांगों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कल्याण संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा लगातार दिव्यांगों की अनदेखी की जा रही है और यही कारण है कि आए दिन उन्हें सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। दिव्यांगों को नौकरियां पर आरक्षण नहीं मिल रहा है और कई उच्च शिक्षा प्राप्त कर चुके दिव्यांग आज भी और रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। प्रदेश सरकार से लगातार हर जिला में दिव्यांग भवन बनाने की मांग भी की जा रही है, ताकि दिव्यांग यहां अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सके साथ ही यहां दूरदराज से पहुंचने वाले दिव्यांगों के लिए रहने की सुविधा भी उपलब्ध हो।

# कृषि विभाग से बिलों का भुगतान न होने पर ट्रांसपोर्टर परेशान

**अनंत ज्ञान, सराहां**

जिला सिरमौर के ट्रांसपोर्टर कृषि विभाग द्वारा समय पर अपने बिलों का भुगतान न होने से काफी आहत हैं। इनके मुताबिक पूरे जिले के 6,35,209 के बिलों का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। सराहां के ट्रांसपोर्टर विनोद शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024-25 में स्पोर्ट फॉर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी प्रोग्राम के तहत जिला सिरमौर के किसान एक्सपोजर के लिए कृषि विभाग द्वारा मशोबरा भ्रमण पर गए थे। उनके तीन टूर लगे थे, जिसमें तीन बसों को सराहां से मशोबरा, सराहां से पांवटा साहिब व सराहां से शिमला के लिए कृषकों को ले जाने के लिए दिसंबर 2024 में बुक किया गया था। इसके अतिरिक्त गेस्ट हाउस, स्वीट शॉप, बुक सेलर, खाना आदि के पेमेंट भी देनी थी, जिसका भुगतान अभी तक नहीं किया गया। प्रति वर्ष 31 मार्च तक सारी पेमेंटो का भुगतान किया जाता था। पहली बार ऐसा हुआ है कि 31 मार्च के बाद वर्ष 2025 समाप्ति की ओर है, लेकिन ट्रांसपोर्टर को बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

महंगाई के इस आलम में समय पर बिलों का भुगतान न होने से उन्हें जो परेशानी हो रही है, उसका अंदाजा आम जनमानस द्वारा लगाया जा सकता है। उन्होंने अपील की है कि जल्द उनके बिलों का भुगतान किया जाए। इस विषय पर सिरमौर जिले के कृषि विभाग के उपनिदेशक राज कुमार से बात की, तो उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से फरवरी, 2025 में ही बिल पास करके कोषागार अधिकारी को भेज दिए गय थे, जैसे ही वहां से फंड आएगा सभी को तुरंत भुगतान कर दिया जाएगा।

# सेवा भारती छात्रावास डगशाई को भेंट की वॉशिंग मशीन

**अनंत ज्ञान, सोलन।** भारत विकास परिषद सोलन द्वारा सेवा भारती छात्रावास डगशाई को प्रोजेक्ट चेयरमैन कर्नल अरूण कैंथला की अध्यक्षता में अन्नपूर्णा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत विकास परिषद, अन्नपूर्णा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। मंच का संचालन डॉ. रामगोपाल शर्मा ने किया। भारत विकास परिषद सोलन द्वारा सेवा भारती छात्रावास के संचालक को एक वाशिंग मशीन व दो इलैक्ट्रिक प्रेस भेंट की गई। वाशिंग मशीन ब्रिज मोहन सरकेक व दो प्रेस डॉ. एसएस परमार द्वारा भारत विकास परिषद सोलन के माध्यम से दान स्वरूप दी गई। विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया। उन्हें कैश प्राइज तथा भारत को जानो पुस्तक भेंट की।

# शिलाई में खेल मैदान से बिजली का पोल हटाने की मांग

**अनंत ज्ञान, शिलाई**

खेल मैदान के बीच लगा बिजली का पोल।

जिला सिरमौर के शिलाई विधानसभा क्षेत्र की सबसे लोकप्रिय और दशकों से बेहतरीन आयोजन के लिए प्रसिद्ध हिमालयन युथ स्पोर्ट्स एंड कल्चरल क्लब शिलाई का नाम सबसे पहले लिया जाता है।

इस क्षेत्र में लगातार पिछले 42 वर्षों से खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का बेहतरीन आयोजन बिना किसी सरकारी आर्थिक सहायता के सराहनीय प्रयास क्लब के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों की कड़ी मेहनत और जज्बे से यह सब संभव हो पा रहा है, तो वहीं स्थानीय युवाओं और जागरूक जनता के माध्यम से पंचायत की भूमि पर एक नए क्रिकेट खेल मैदान का निर्माण किया गया जिस मैदान के रूप में वर्तमान पंचायत प्रधान का भी विशेष सहयोग रहा है,जिस खेल मैदान शिलाई में वर्तमान में ऐतिहासिक क्रिकेट खेल-कूद प्रतियोगिता का बेहतरीन आयोजन हो रहा है, लेकिन इस खेल मैदान में एक बढ़ी बाधा और परेशानी अगर स्थानीय युवाओं और क्लब सदस्यों के जानकारी अनुसार देखने एवं सुनने को मिल रही है तो वह है इस खेल मैदान में बिजली के पोल के कारण बीच में तारों(कडक्टर) का आना, जिसका एक कारण ये भी बताया जाता है कि बिजली लाईन पहले बन चुकी थी और खेल मैदान का निर्माण हालही के वर्षों में किया गया है, लेकिन स्थानीय जनता और क्लब के युवा संबंधित विभाग और स्थानीय विधायक एवं हिमाचल प्रदेश सरकार में उद्योग एवं संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान से निवेदन कर रहे हैं कि पोल व तारों को किनारे में करके जनहित में इस समस्या का जल्द हल किया जाए, ताकि भविष्य में इस खेलकूद मैदान में यूं ही बेहतरीन खेलकूद प्रतियोगिताएं बिना किसी बाधा व परेशानी के होती रहे। स्थानीय युवाओं और क्लब के सदस्यों ने मांग दोहराई। इसमें क्लब के अध्यक्ष रमेश नेगी, वरिष्ठ पदाधिकारी तपेंद्र नेगी, कुलदीप चौहान, हितेंद्र नेगी, राहुल नेगी, जवाहर देसाई, रघुवीर ठाकुर, टीटु नेगी, बहादुर सिंह नेगी, कलदीप नेगी, रितेश तोमर, जगत तोमर आदि दर्जनों युवाओं और क्लब के सदस्यों ने मांग दोहराई है।

**कार्यक्रम** तकनीकी शिक्षा मंत्री ने की छठी आईआरबी के स्थापना दिवस की अध्यक्षता

# पुलिस जवान अदम्य साहस से निभाते हैं दायित्व : धर्माणी

**अनंत ज्ञान, नहान**

नगर एवं ग्राम योजना, आवास और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने छठी भारत आरक्षित वाहिनी धौलाकुआं, जिला सिरमौर के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में परेड के निरीक्षण व मार्च पास्ट के पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस जवानों को पुरस्कृत भी किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश के पुलिस जवान अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने छठी वाहिनी के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन पुलिस जवानों की कर्तव्यनिष्ठा, देश के प्रति समर्पण भाव और योगदान को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि पुलिस जवान का मूल कर्तव्य कानून और व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों को रोकना और उसकी जांच करना, जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना, यातायात को नियंत्रित करना, शिकायतों का निवारण करना, तत्परता से आपातकालीन प्रतिक्रिया के अतिरिक्त महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा तथा समुदाय के सभी वर्गो के बीच सद्भाव रखने का भी प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पुलिस कर्मचारियों की डाइट मनी को 210 रुपये से बढ़ाकर 1 हजार रुपए किया गया। हालही में आयोजित हुई पुलिस भर्ती पूरी पारदर्शिता से संपन्न हुई, जिसके तहत प्रदेश में 1100 पुलिस जवानों की भर्ती की जा रही है जिन्हें शीघ्र ही नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त आने वाले समय में पुलिस विभाग में रिक्त पद भरने की प्रक्रिया जारी है। धर्माणी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान पुलिस विभाग में अधिकारी एवं कर्मचारियों की रुकी हुई पदोन्नति में तेजी लाई गई। हिमाचल पुलिस पूरी मुस्तैदी से कार्य करती है, अनेकों पुलिस के जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने कर्तव्य का निर्वहन किया है। उन्होने कहा कि कोई भी प्रार्थी जब पुलिस अधिकारी के पास किसी भी समस्या के निराकरण के लिए जाता है तो उसकी त्वरीत कार्यवाही का भरोसा होता है। पुलिस से लोगों को न्याय की उम्मीद होती है। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई पर ही पूरे मामले की दिशा तय होती है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में सरकार ने नशे के कारोबार के प्रति जीरो टॉलरेस की नीति अपनाई जा रही है। करोड़ो रुपए की संपतियों को जब्त किया गया है तथा अनेक अपराधियों को सलाखों के पिछे डाला गया है। प्रत्येक नागरिक को प्रण लेना है-चिट्टे को भगाना है। इस कारोबार को जड़ से मिटाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में संलिप्त सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को आधुनिक वाहन उपलब्ध करवाए गए ताकि समुचित पेट्रोलिंग हो सके, जिससे कानून व्यवस्था को कायम रखा जा सके और यातायात व्यवस्था को भी सूचारु रखा जा सके। मुख्यातिथि द्वारा पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए वर्ष के श्रेष्ठ कर्मचारियों में एएसआई संदीप कुमार, कांस्टेबल राजेश कुमार, चतुर्थ श्रेणी कर्मी मदन लाल के अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

मार्चपास्ट का निरीक्षण करते तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी।

# पाइनग्रोव स्कूल में एनईपी 2020 पर क्षमता निर्माण कार्यशाला

पाइनग्रोव स्कूल, सुबाथू ने एनईपी 2020 पर एक प्रेरक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन।

**अनंत ज्ञान, सोलन**

पाइनग्रोव स्कूल, सुबाथू ने एनईपी 2020 पर एक प्रेरक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया, जो समय की आवश्यकता- शिक्षार्थी-केंद्रित, समग्र और भविष्य-तैयार शिक्षा की ओर एक साहसिक बदलाव है। हमें पाइनग्रोव समुदाय के दो प्रतिष्ठित शिक्षकों द्वारा सत्र का नेतृत्व करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

देवेंद्र गुमरा एक बहुमुखी विद्वान, जिनका सीखने का जुनून सच्ची शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाता है। सोनिया कपूर एक ऊर्जावान और अनुभवी शिक्षिका, जो शिक्षण समुदाय में अपने गतिशील योगदान के लिए जानी जाती हैं। उनकी अंतर्दृष्टि ने पूरे कमरे को रोशन कर दिया और शिक्षकों को बताया कि एनईपी 2020 कक्षाओं को रचनात्मकता, जिज्ञासा और आनंददायक सीखने के जीवंत स्थानों में कैसे बदल सकता है। इस कार्यक्रम में चार स्कूलों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और टैगोर वनस्थली स्कूल, द फ्लोरेंस स्कूल, पाइनग्रोव स्कूल धर्मपुर और पाइनग्रोव स्कूल, सुबाथू के 50 समर्पित शिक्षकों के एक जीवंत समूह को एक साथ लाकर एक सच्चा सहयोगात्मक व समृद्ध शिक्षण वातावरण तैयार किया।

इस दिन का समापन समृद्ध दृष्टिकोण, सार्थक चिंतन और एक उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ हुआ। अंत में पाइनग्रोव स्कूल, सुबाथू के हेड टीचर पंकज शर्मा ने सभी को न्यू एजुकेशन पॉलिसी एनईपी 2020 के बारे में प्रेरित करके कक्षाओं को रचनात्मकता, जिज्ञासा व आनंददायक सीखने के जीवंत स्थानों में कैसे बदलाव ला सकते हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### ट्रस्ट ने आयोजित किया 189वां अन्न भंडारा

**अनंत ज्ञान, पंचकूला।** अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए पुरुषोत्तम दास रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, पंचकूला में सेवा भाव से 189वां अन्न भंडारा आयोजित किया गया। इस भंडारे में जरूरतमंदों और राहगीरों को श्रद्धा-भाव से भोजन वितरित किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक व समाजसेवी अमिताभ रुंगटा ने कहा कि अन्न भंडारे का आयोजन धार्मिक होने के साथ-साथ सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो निस्वार्थ भाव से जनसेवा के कार्यों में अग्रणी होता है, समाज उसे सम्मान की दृष्टि से देखता है। इतना ही नहीं, उसकी छवि ऐसी बन जाती है कि जरूरतमंद ही नहीं, अन्य लोग भी उससे जुड़े रहने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने कहा कि अन्न भंडारे जैसे सेवा कार्यक्रम समाज के अन्य वर्गों को भी प्रेरित करते हैं, जिससे लोग अपने-अपने स्तर पर जनसेवा में योगदान देकर समाज में अपनी सकारात्मक पहचान स्थापित कर सकते हैं। अमिताभ रुंगटा के अनुसार, ऐसे आयोजनों से समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना और प्रबल होती है। भंडारे के आयोजन में अनुपमा रुंगटा, चैतन्य रुंगटा, सुरेश जांगरा और निधि संधु विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने ट्रस्ट के सदस्यों के साथ मिलकर सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाई और भक्तिभाव से भोजन वितरण किया।

### आदर्श पब्लिक स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** आदर्श पब्लिक स्मार्ट स्कूल सेक्टर 20 चंडीगढ़ ने स्कूल परिसर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की प्रधानाचार्या सुनीता ठाकुर ने मशाल प्रज्वलित करके की और सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया। स्कूल के प्रधानाचार्यों ने सभी विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। खेलकूद प्रतियोगिता के अंत में प्रधानाचार्या सुनीता ठाकुर ने प्रतिभागियों की सराहना की और विजेताओं को पदक, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्या ने जीवन में खेलों के महत्व के बारे में बताया। जूनियर और सीनियर विंग के छात्रों ने बग रेस, बनी रेस, जेली फिश रेस, आइसक्रीम के साथ हर्डल रेस, रिंग हुल्ला हू रेस, हुला हूप, सैक रेस, थ्री लेग्ड रेस, वन लेग रेस, ब्लाइंडेड फोल्ड से मटका तोड़ना, म्यूजिकल चेयर, मटका रेस, स्लो साइकलिंग, स्किपिंग रोप, खो-खो और नेट बॉल जैसे मनोरंजक खेलों और राष्ट्रीय खेलों का आनंद लिया। शिक्षकों के लिए भी हर क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया।

### मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया चक्का जाम

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** पंजाब सरकार द्वारा लागू की जाने वाली किलोमीटर स्कीम के विरोध में सोमवार को एक बार फिर पनबस और पीआरटीसी कर्मचारियों ने चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है और अभी तक किसी भी मांग को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कर्मचारियों ने कहा कि आज सरकार को पनबस का टेंडर खोलना था, लेकिन इसे पोस्टपोन कर दिया गया, जबकि पीआरटीसी के मामले में भी सरकार की ओर से कोई उचित कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों ने बताया कि जब तक सरकार कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक बसों का संचालन बंद रहेगा। चक्का जाम के कारण आम यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

### स्कूलों को नहीं मिल रही सरकारी ग्रांट

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** राजकीय स्कूलों में ग्रांट और अन्य योजनाओं की राशि भेजने में बैंक खातों की त्रुटियां आड़े आती हैं। शिक्षा विभाग ने बैंक खातों की खामियों को लेकर सख्ती दिखाई है तो वित्त विभाग की ओर से स्कूलों के बैंक खातों का डाटा तलब किया गया है। 19 नवंबर को उच्चस्तरीय बैठक में शिक्षा विभाग की ओर से बैंक खातों की रिपोर्ट पेश करनी होगी। वित्त विभाग द्वारा बैंक खातों डाटा तलब करने से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से सोमवार को राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को राजकीय स्कूलों में प्रशासनिक और वित्तीय रिकार्ड अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर स्पष्ट हिदायत दी गई है कि 19 नवंबर को वित्त विभाग के साथ उच्चस्तरीय बैठक है, जिसमें स्कूलों के बैंक खातों और वित्तीय रिकार्ड की समीक्षा की जाएगी। बैठक से पहले एमआईएस पोर्टल पर सरकारी स्कूलों में बैंक खातों का पूरा डाटा अपडेट किया जाए। विभाग की ओर से सख्त लहजे में हिदायत दी गई है कि डाटा अपडेट करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# जानवी जिंदल ने फ्रीस्टाइल स्केटिंग में 6 नए गिनीज रिकॉर्ड किए अपने नाम

**अनंत ज्ञान, मोहाली**

सांसद और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू जानवी जिंदल और उनके पिता मुनीश जिंदल को नकद पुरस्कार प्रदान करते हुए।

चंडीगढ़ की 18 वर्षीय जानवी जिंदल ने फ्रीस्टाइल स्केटिंग में छह नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

इसके साथ ही वह सबसे अधिक, कुल 11 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड रखने वाली भारत की पहली महिला बन गई हैं। पहले से दर्ज पांच रिकॉर्ड के अलावा, जानवी को हाल ही में पुष्टि हुए छह नए रिकॉर्ड्स में 30 सेकेंड में इनलाइन स्केट्स पर सबसे अधिक 360-डिग्री स्पिन, एक मिनट में सबसे अधिक 360-डिग्री स्पिन और 30 सेकेंड में इनलाइन स्केट्स पर एक-पहिया 360-डिग्री स्पिन शामिल हैं। इससे पहले जुलाई 2025 में भी जानवी फ्रीस्टाइल स्केटिंग की कई श्रेणियों में पांच गिनीज खिताब जीत चुकी थीं। इन उपलब्धियों के साथ जानवी भारत की दूसरी सबसे बड़ी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक बन गई हैं, उनसे आगे केवल महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके नाम 19 रिकॉर्ड दर्ज हैं। गौरतलब है कि जानवी ने यह उपलब्धि सिर्फ 17 वर्ष की उम्र में हासिल की है।

जानवी ने अपने पिता मुनीश जिंदल के साथ राज्यसभा सांसद और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू से मुलाकात की, जिन्होंने उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई दी और भविष्य में भी अपनी खेल आकांक्षाओं को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी असाधारण प्रतिभा और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों को देखते हुए, सांसद सतनाम संधू ने उन्हें 11,000 रुपए का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप के तहत चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में एडमिशन की पेशकश की। राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू ने कहा, '18 वर्षीय जानवी के नाम 11 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज होना एक असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने अपनी लगन, अनुशासन और असाधारण प्रतिभा से देश को गौरवान्वित किया है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने हमेशा खेलों तथा युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया है। प्रतिष्ठित माका ट्रॉफी जीतने से लेकर विभिन्न खेलों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैडल विजेता तैयार करने तक हमारी उपलब्धियां हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। हमें जानवी के इस सफ़र में उनका साथ देने में खुशी हो रही है और हमें पूरा विश्वास है कि वह भविष्य भविष्य में और ऊंचाइयों को छुएंगी।' उन्होंने कहा, 'जानवी के नाम 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी भारतीय युवा द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रिकॉर्ड दर्ज हैं। उनके कुल 21 रिकॉर्ड में 11 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 8 इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया व वर्ल्डवाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एक-एक रिकॉर्ड शामिल हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र के 14 वर्षीय गणित के प्रतिभाशाली आर्यन शुक्ला के नाम था, जिनके पास 18 वर्ष से कम उम्र में 6 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड थे।

# वेलवेट क्लार्क्स एक्सोटिका जीरकपुर में धूमधाम से मनाई केक मिक्सिंग सेरेमनी

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़**

जीरकपुर स्थित वेलवेट क्लार्क्स एक्सोटिका होटल में पारंपरिक क्रिसमस केक मिक्सिंग सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया, जिससे क्रिसमस के मौसम की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई।

क्रिसमस की गर्मजोशी और खुशियों को साझा करने के उद्देश्य से होटल ने विभिन्न क्षेत्रों से आए मेहमानों का स्वागत किया। होटल के जनरल मैनेजर मनिंदर जीत सिंह सिब्बल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम को बेहद आकर्षक और उत्सवी रंग में सजाया गया था। खूबसूरती से सजाए गए क्रिसमस ट्री, जगमगाती लाइट्स और क्रिसमस कैरोल्स की मधुर धुनों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। होटल के इन-हाउस गेस्ट्स, गणमान्य व्यक्तियों तथा स्थानीय प्रतिष्ठित नागरिकों ने इस पारंपरिक रस्म में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। होटल द्वारा वितरित प्लास्टिक ग्लव्स, टिश्यू एप्रन और सांता कैप पहनकर सभी प्रतिभागी 12 फुट लंबी स्टील टेबल के आसपास एकत्र हुए, जिस पर विभिन्न रंग-बिरंगे सूखे मेवों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया था। टेबल पर 75 किलोग्राम ड्राई फ्रूट्स को स्नोमैन और क्रिसमस ट्री की आकृतियों में सजाया गया था। इनमें अखरोट, बादाम, काजू, पिस्ता, खजूर, पीली किशमिश, काली किशमिश, सूखे खुबानी, अंजीर, ड्राइ जिंजर चिप्स, ऑरेंज पील, प्रून्स और क्रैनबेरी जैसे कई पौष्टिक और स्वादिष्ट तत्व शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत होते ही सभी मेहमानों ने उत्साहपूर्वक इन सभी सामग्रियों को मिलाना शुरू किया। सामग्री को क्रश, पैट, फ्लिप और टॉस करते हुए मेहमानों ने पूरा आनंद लिया। मिश्रण में विभिन्न प्रकार की लिकर मिलाई गई, जिसकी मनमोहक सुगंध ने पूरे माहौल को खुशियों और समृद्धि के संदेश से भर दिया। हंसी-खुशी, सामूहिक सहभागिता और उत्साह से भरे इस समारोह का नेतृत्व जनरल मैनेजर मनिंदर जीत सिंह सिब्बल ने किया, जिन्होंने हर अतिथि को विशेष और सम्मानित महसूस कराया।

# विशेषज्ञों ने साझा किया अनुभव, बेहतर इलाज पर दिया जोर

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़**

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र पंजाब ने अपने न्यू चंडीगढ़ कैंपस में हड्डियों और मांसपेशियों के कैंसर (ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी) पर दो दिन का एक सफल मेडिकल सम्मेलन आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश से हड्डियों के कैंसर के इलाज में माहिर डॉक्टर और बड़े विशेषज्ञ शामिल हुए।

उन्होंने एक-दूसरे के साथ अपना ज्ञान, नए शोध और मरीजों के इलाज के अनुभव साझा किए। इस मेडिकल कॉन्फ्रेंस का मुख्य एजेंडा हड्डी के ट्यूमर (गांठ), जो अच्छे या बुरे (कैंसर वाले) हो सकते हैं, उनके निदान (पहचान) और इलाज की बारीकी से समीक्षा करना था। इसमें शामिल डॉक्टरों को यह जानने में मदद मिली कि मरीज़ के ट्यूमर को पहचानने और सही इलाज की योजना बनाने में स्कैन और बायोप्सी की रिपोर्ट कितनी जरूरी होती है। होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के निदेशक डॉ. (प्रोफेसर) आशीष गुलिया जो (द इंडियन मस्कुलो स्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी) के अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने कहा कि इस तरह के मेडिकल कॉन्फ्रेंस बहुत जरूरी हैं। उन्होंने जोर दिया कि हड्डियों और सॉफ्ट टिश्यू के ट्यूमर वाले मरीज़ों के लिए सभी डॉक्टरों (इलाज करने वाले, स्कैन देखने वाले और बायोप्सी करने वाले) का मिलकर काम करना बहुत ज़रूरी है, ताकि मरीजों को सही और सबूतों पर आधारित बेहतरीन इलाज मिल सके। मेडिकल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए सभी लोगों ने इसकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि कैंसर के मुद्दे पर हुई वैज्ञानिक चर्चाएं बहुत अच्छी थीं और उन्हें अपने साथियों तथा बड़े विशेषज्ञों से बहुत कुछ सीखने और बात करने का मौका मिला। पंजाब और आस-पास के राज्यों के लोगों को बेहतरीन कैंसर इलाज देने के मकसद से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त, 2022 में साहिबजादा अजित सिंह नगर ज़िले के न्यू चंडीगढ़ (मोहाली) में इस 'होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र' को देश को समर्पित किया था। यह अस्पताल भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत काम करने वाले टाटा मेमोरियल सेंटर ने 660 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बनाया है। यह एक बड़ा अस्पताल है। इसमें 300 बेड हैं।

# सीटीयू 15 साल पुरानी बसों की जगह लेगा; निर्बाध सेवाएं जारी रखने के लिए अंतरिम व्यवस्था सुनिश्चित

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़**

चंडीगढ़ परिवहन उपक्रम (सीटीयू) ने 2010 में जेएनएनयूआरएम-I योजना के तहत 100 बसें खरीदी थीं। इनमें से 85 बसें अब अपना निर्धारित 15 साल का परिचालन काल पूरा कर चुकी हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इन 85 बसों को 19 नवंबर 2025 से चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया जाएगा। स्वच्छ और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन की ओर बढ़ते कदम के तहत, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसों को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और ऑपरेटर के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। प्रोटोटाइप इलेक्ट्रिक बस का वर्तमान में निरीक्षण और रेंज परीक्षण चल रहा है। डिलीवरी शेड्यूल के अनुसार, नवंबर 2025 के अंत तक 25 इलेक्ट्रिक बसें, दिसंबर 2025 के अंत तक 25 और जनवरी-फरवरी 2026 तक शेष 50 बसें उपलब्ध होने की उम्मीद है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस बदलाव के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा न हो, सीटीयू ने अंतरिम व्यवस्था लागू की है। ट्राई-सिटी क्षेत्र में सिटी बस सेवाओं को मज़बूत करने के लिए, वर्तमान में लंबे रूटों पर चलने वाली नॉन-एसी बसों का रूट डायवर्ट किया गया है। आस-पास के राज्य परिवहन उपक्रमों (एसटीयू) द्वारा संचालित सेवाओं के माध्यम से लंबे रूटों की कनेक्टिविटी बनी रहेगी, जिससे उन यात्रियों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा जो पहले इन डायवर्ट की गई बसों का उपयोग करते थे। सीटीयू जनता को आश्वस्त करता है कि सुविधा, सुरक्षा और सेवा की निरंतरता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

# विक्टर सिद्धू सचिव के पद पर पदोन्नत

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** चंडीगढ़ कांग्रेस ने विक्टर सिद्धू को तत्काल प्रभाव से चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव से सचिव के पद पर पदोन्नत किया है। उन्हें यह पदोन्नति पत्र चंडीगढ़ काँग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एच एस लक्क्री ने सौंपा। विक्टर सिद्धू को पदोन्नति पत्र सौंपते हुए प्रदेश अध्यक्ष एच एस लक्की ने विक्टर सिद्धू से संगठन को मजबूत करने और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों का पालन करने की उम्मीद जताई। उन्होंने विक्टर सिद्धू को अपने वार्ड के बीएलए (बूथ स्तरीय सहायक) को निर्धारित समय के अनुसार पार्टी कार्यालय में जल्द से जल्द जमा कराने की भी अपील की। विक्टर सिद्धू ने एचएस लक्की द्वारा सौंपे गए पदोन्नति पत्र पर आभार जताते हुए भरोसा दिलाया कि वो उन पर किए गए विश्वास, सौंपी गई जिम्मेदारी और पार्टी की विचारधारा व नीतियों को पूरी ईमानदारी और तन्मयता से निभाएंगे।

## देश-विदेश

# टैरिफ के बाद भारत और अमेरिका के बीच पहली डील

## जरूरत की 10% गैस यूएस से खरीदेगा भारत

**एजेंसी, नई दिल्ली**

**टैरिफ** विवाद के बीच भारत और अमेरिका ने पहली डील साइन की है। इस डील के तहत भारत अमेरिका से करीब 2.2 मिलियन टन एलपीजी खरीदेगा। यह भारत की सालाना जरूरत का 10% है। यह डील केवल एक साल यानी 2026 के लिए है। यह डील भारत की सरकारी तेल कंपनियां- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने अमेरिकी एनर्जी सप्लायर्स- चेवरॉन, फिलिप्स 66 और टोटल एनर्जीज ट्रेडिंग के साथ की है। पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने इसे हिस्टोरिक फर्स्ट बताया है।

**भारत पर अमेरिका ने 50% टैरिफ लगाया है :** ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के चलते भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाया है। इसमें 25% रेसीप्रोकल और रूसी तेल खरीद पर 25% पैनल्टी है। इसके अलावा, भारत का रु के साथ ट्रेड सरप्लस है। अब एनर्जी खरीद बढ़ाकर ट्रेड डील फाइनल करने की कोशिश है। (अनंत ज्ञान)

### पेट्रोलियम मिनिस्टर बोले भारत का बाजार अमेरिका के लिए खुला

**पेट्रोलियम** मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता एलपीजी मार्केट अमेरिका के लिए खुल गया है। हमने एनर्जी सप्लाई को डाइवर्सिफाई करने के लिए ये कदम उठाया है। 2.2 एमटीपीए का यह डील हमारे सालाना आयात का 10% है, जो रु गल्फ कोस्ट से आएगा। ये इंडियन मार्केट के लिए यूएस एलपीजी एलपीजी का पहला स्ट्रक्चर्ड कॉन्ट्रैक्ट है।' वहीं, कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा कि एनर्जी वो एरिया है जहां सबको साथ काम करना चाहिए। भारत एनर्जी का बड़ा प्लेयर है और हम यूएस समेत दुनिया भर से इंपोर्ट करते हैं। आने वाले सालों में रु के साथ एनर्जी ट्रेड बढ़ेगा। हम क्लोज फ्रेंड्स और नेचुरल पार्टनर्स हैं, इसलिए एनर्जी सिक्योरिटी में यूएस की रोल बढ़ेगी।' यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच भी यूएस को भारत का लीडिंग ऑयल-गैस सप्लायर बनाने पर बात हुई है।

### पूर्वी यूक्रेन के बालाक्लिया शहर पर रूसी मिसाइल हमला

**एजेंसी, कीव।** पूर्वी यूक्रेन के बालाक्लिया शहर पर रविवार रातभर जारी रूसी मिसाइल हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन किशोर भी शामिल हैं। खार्कीव क्षेत्रीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। रूस से सटे इस क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव ने 'टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप' पर बताया कि हमले से भारी तबाही हुई है। हमले में शहर के केंद्र में बहुमंजिला आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा और दर्जनों कारें नष्ट हो गईं। क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा जारी एक तस्वीर में बहुमंजिला ईंट की इमारत के क्षतिग्रस्त सामने वाले हिस्से को दिखाया गया है, जहां खिड़कियां उड़ गई हैं, ऊपरी मंजिल पर आग लगी हुई है और मलबा तथा टूटे हुए पेड़ों की शाखाएं बिखरी पड़ी हैं। (अनंत ज्ञान)

### 16वें वित्त आयोग ने राष्ट्रपति को सौंपी रिपोर्ट

**एजेंसी, नई दिल्ली।** 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में आयोग के सदस्यों ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की और 2026-31 की अवधि के लिए आयोग की अनुशंसाओं वाली रिपोर्ट औपचारिक रूप से उन्हें सौंपी। राष्ट्रपति भवन में हुई इस मुलाकात के दौरान आयोग ने अपनी प्रमुख सिफारिशों और विश्लेषण के मुख्य बिंदुओं के बारे में राष्ट्रपति को अवगत कराया। आयोग की यह रिपोर्ट महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि यह आने वाले पांच वर्षों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे, अनुदानों और वित्तीय ढांचे से संबंधित दिशानिर्देश तय करेगी। (अनंत ज्ञान)

# सोने के दाम में आई 2,080 रुपए गिरावट, चांदी 5237 रुपए सस्ती

**एजेंसी, नई दिल्ली**

**सोना-चांदी** के दाम में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम सोना 2,080 रुपए गिरकर 1,22,714 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,24,794 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 5,237 रुपए गिरकर 1,54,130 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

इससे पहले इसकी कीमत 1,59,367 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्तूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्तूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। (अनंत ज्ञान)

# कांगो में खदान ढहने से 80 की मौत कई लोगों के फंसे होने की आशंका

**एजेंसी, मुलोंडो**

**दक्षिण-पूर्वी** कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एक खदान ढह गई। इस हादसे में कम से कम 80 लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी ने घटना की जानकारी दी। यह हादसा लुआलाबा प्रांत के मुलोंडो में कलांडो खदान में हुई। प्रांत के गृह मंत्री रॉय कौम्बा मायोंडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि भारी बारिश और लैंडस्लाइड के खतरे के कारण खदान में जाने पर बैन लगा था। इसके बावजूद अवैध माइनिंग करने वाले खदान में जबरन खदान में घुस गए थे। डीआरसी की सरकारी एजेंसी SAEMAPE की रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर सैनिकों की फायरिंग से माइनिंग करने वालो में दहशत फैल गई और वे खदान के ऊपर पुल की ओर दौड़ पड़े, जिससे पुल ढह गया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें खदान के नीचे कई लोग खड़े दिखे तो खदान का बड़ा हिस्सा ढह गया और उसके मलबे में कई लोग दब गए। कई लोग भागने के दौरान एक-दूसरे के ऊपर गिर गए, जिससे उनकी जान गई। डीआरसी दुनिया में कोबाल्ट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कोबाल्ट इलेक्ट्रिक वाहनों और दूसरे प्रोजक्ट के लिए लिथियम-आयन बैटरी बनाने में इस्तेमाल होता है। (अनंत ज्ञान)

# कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंजी: महबूबा मुफ्ती

**एजेंसी, श्रीनगर।** पीडीपी चीफ और जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि 10 नवंबर को लाल किले पर हुआ विस्फोट देश भर में बढ़ती असुरक्षा की भावना और जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीतियों की विफलता को दिखाता है। महबूबा ने कहा कि आपने दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही हैं। आपने जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा करने के बजाय, आपकी नीतियों ने दिल्ली को असुरक्षित बना दिया है। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर की शाम कार ब्लास्ट हुआ था, जिसमें पुलवामा के रहने वाले डॉ. उमर ने खुद को विस्फोटक समेत उड़ा दिया था।

इस हमले में 13 लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं। दिल्ली, हरियाणा, जम्मू कश्मीर और यूपी पुलिस समेत एनआईए, एनएसजी, ईडी इस व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल की जांच कर रही हैं। अब तक इस मॉड्यूल से जुड़े 6 डॉक्टरों को गिरफ्तार किया जा चुका है। (अनंत ज्ञान)

# आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर 88 घंटे का ट्रेलर था पाकिस्तान फिर मौका देगा तो जवाब और कड़ा होगा

**एजेंसी, नई दिल्ली**

**आर्मी** चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि फिल्म तो शुरू भी नहीं हुई थी, बस 88 घंटे का ट्रेलर दिखा था।

अगर पाकिस्तान फिर मौका देता है तो हम उन्हें बताने में पीछे नहीं हटेंगे कि जिम्मेदार देश पड़ोसियों से कैसे पेश आते हैं। आर्मी चीफ दिल्ली में चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत प्रगति की बात करता है, इसलिए जो लोग आतंक फैलाते हैं, उन्हें रोकने के लिए सख्त कदम जरूरी हैं। भारतीय सेना भविष्य को जमीन से जुड़कर देखती है। हम पांच जेनरेशन के वॉरफेयर में लड़ रहे हैं और सेना उसी के अनुसार खुद को बदल रही है।

पहले युद्ध में फैसले लेने में दिन लग जाते थे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अगर युद्ध 48 घंटे में भी लड़ना पड़े तो देश की पूरी ताकत एक साथ लगानी होगी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि असली ताकत वही होती है जब दुश्मन को यकीन हो कि अगर उसने कोई गलती की तो भारत तुरंत कार्रवाई करेगा। आज भारत की डिफेंस क्षमता इतनी मजबूत हो चुकी है कि सामने वाला देश हमारे इरादों को गंभीरता से लेता है। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 5 नवंबर को दिल्ली में हुए 'इंडिया डिफेंस कॉन्क्लेव 2025' में कहा कि आज दुनिया में कई तरह के खतरे हैं और ये तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में कोई भी देश अकेले सुरक्षित नहीं रह सकता। अब सबको मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा- रक्षा क्षेत्र में मिलजुलकर की गई खोज (इनोवेशन) ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। (अनंत ज्ञान)

# द्विपक्षीय हवाई अभ्यास 'गरुड़': भारत व फ्रांस के लड़ाकू विमानों ने भरी उड़ान

**एजेंसी, नई दिल्ली**

**भारत** और फ्रांस की वायु सेनाओं के बीच द्विपक्षीय हवाई अभ्यास 'गरुड़' की शुरुआत हो गई है। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना के राफेल विमानों ने द्विपक्षीय हवाई अभ्यास के तहत समन्वित मिशनों की शुरुआत करते हुए उड़ान भरी। फ्रांस में 27 नवंबर तक चलने वाला यह अभ्यास दोनों वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन और गहन रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगा। अभ्यास गरुड़ में हिस्सा लेने के लिए भारतीय वायुसेना का एक दल फ्रांस गया है, जो 13 नवंबर को मोंट-डी-मार्सन एयर बेस पर उतरा है। इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई विमान और फ्रांसीसी वायु सेना के राफेल लड़ाकू विमान एक कृत्रिम युद्ध वातावरण में भाग लेंगे, जिसमें दोनों वायु सेनाओं के कौशल और व्यावसायिकता का प्रदर्शन होगा। यह अभ्यास अंतर-संचालन क्षमता को और बढ़ाएगा, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा और दोनों वायु सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा। हर दो साल में होने वाले हवाई अभ्यास 'गरुड़' का पिछला संस्करण पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर राजस्थान के जोधपुर में हुआ था, जिसमें भारत और फ्रांस के वायु सेना प्रमुखों ने अलग-अलग लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी थी। वायुसेना स्टेशन जोधपुर से तत्कालीन एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने फाइटर जेट राफेल और फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल के तत्कालीन प्रमुख जनरल स्टीफन मिल ने सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट उड़ाकर संयुक्त प्रशिक्षण मिशन के हिस्से के रूप में अभ्यास में भाग लिया था। (अनंत ज्ञान)

### नेपाल की पीएम सुशीला कार्की के खिलाफ अवमानना याचिका दायर

**एजेंसी, काठमांडू।** राजदूतों को वापस बुलाने के निर्णय को यथास्थिति रखने संबंधी सर्वोच्च अदालत के आदेश का पालन न करने पर अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अदालत अवमानना (कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट) से जुड़ी याचिका दर्ज की गई है। अधिवक्ता प्रेम सिलवाल की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई 23 नवंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रधान न्यायाधीश रही कार्की के खिलाफ दायर यह पहली रिट है। युवाओं के आंदोलन के बाद बनी वर्तमान सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में नियुक्त 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का निर्णय लिया था। इस निर्णय के खिलाफ दायर रिट पर सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश सारंगा सुवेदी और श्रीकांत पौडेल की संयुक्त पीठ ने सरकार के निर्णय को लागू किए बिना वर्तमान स्थिति बनाए रखने का अंतरिम आदेश जारी किया था। (अनंत ज्ञान)

# ड्रग ले जा रही बोट पर अमेरिका का हवाई अटैक

## 75 दिन में 21वां हमला; अब तक 83 मौतें, ट्रंप ने दिया था उड़ाने का आदेश

**एजेंसी, वॉशिंगटन**

**अमेरिका** ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक ड्रग तस्करी करने वाली नाव पर हवाई हमला किया, जिसमें तीन लोग मारे गए। अमेरिकी सेना ने यह जानकारी दी। यह सितंबर की शुरुआत से अब तक अमेरिकी सेना का ड्रग नावों पर किया गया 21वां हमला है।

आंकड़ों के अनुसार, इन हमलों में अब तक 83 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर हो रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने इन हमलों को अमेरिका में ड्रग्स सप्लाई रोकने के लिए जरूरी कदम बताया। न्याय विभाग ने इन हमलों को सही ठहराया है और कहा गया है कि इन ऑपरेशनों में शामिल अमेरिकी सैनिकों को मुकदमा चलाने से छूट मिलेगी। (अनंत ज्ञान)

### ट्रंप बोले- ड्रग तस्करी करने वाले पर की स्ट्राइक

**ट्रंप** ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था कि 'मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे।' अमेरिका ने 10 नवंबर को भी पूर्वी प्रशांत महासागर में दो संदिग्ध नावों पर हवाई हमला किया था। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि ये नाव ड्रग्स लेकर जा रहे थे। इसमें 6 लोग मारे गए थे। हेगसेथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि ये नावें आतंकवादी संगठनों से जुड़ी थीं और कोकीन तस्करी कर रही थीं। वहीं, अमेरिकी कांग्रेस के सांसदों, मानवाधिकार संगठनों और सहयोगी देशों ने इन हमलों की वैधता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि युद्ध क्षेत्र से बाहर हमले करने का कानूनी आधार साफ नहीं है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि उसके पास पूर्ण कानूनी अधिकार हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को वेनेजुएला की ड्रग संगठन 'कार्टेल डे लोस सोल्स' को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किया।

## स्पोर्ट्स विंडो

### दूसरे वनडे से मिचेल बाहर, निकोल्स कवर के तौर पर हुए टीम में शामिल

**एजेंसी, वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए नेपियर नहीं जाएंगे। रविवार को खेले गए पहले वनडे के दौरान उन्हें जांघ में तकलीफ हुई थी, जिसके बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की कि मिचेल अब क्राइस्टचर्च में अपने बाएं ग्रोइन की स्कैन जांच करवाएंगे। स्कैन के बाद ही उनकी आगे की उपलब्धता पर फैसला किया जाएगा। मिचेल ने हैगले ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ सात रन की जीत में अपना सातवां वनडे शतक लगाया, लेकिन बल्लेबाजी के दौरान जांघ में दर्द महसूस होने के कारण वह दूसरी पारी में फील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं उतरे। उनकी जगह हेनरी निकोल्स को कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। निकोल्स सोमवार को नेपियर में टीम के साथ जुड़ेंगे। निकोल्स ने आखिरी बार इस साल अप्रैल में वनडे खेला था। घरेलू फोर्ड ट्रॉफी में वह इस समय सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं–306 रन औसत 76.50 के साथ, जिसमें ओटागो और ऑकलैंड के खिलाफ लगातार दो शतक (117* और 138*) शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

### मारक्रम ने टीम में बनाए रखने पर एलएसजी का जताया आभार

**एजेंसी, नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम का मानना है कि आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को चीजों को ज्यादा जटिल बनाने की जरूरत नहीं है और उन्हें अगले सीजन अहम मौकों को भुना कर जीत हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एलएसजी ने अगले महीने होने वाली छोटी नीलामी से पहले उन्हें हाथ के बल्लेबाज मारक्रम को टीम में बरकरार किया है। मारक्रम ने 2025 सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों सहित 445 रन बनाए थे। उन्होंने ने एलएसजी के 'एक्स' पर साझा किये गये वीडियो में कहा कि यह बहुत अच्छा है। मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने कुछ अच्छे दोस्त बनाये और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। ऐसे में मैं रिटेन किए जाने के लिए बहुत आभारी हूं और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र का इंतजार कर रहा हूं। (अनंत ज्ञान)

### सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमों का निदेशक किया नियुक्त

**एजेंसी, कराची।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन (ए टीम) और अंडर-19 टीमों का निदेशक नियुक्त किया है। सरफराज पिछले साल से बोर्ड से जुड़े हुए हैं और अब दोनों टीमों से संबंधित सभी कार्यों का नेतृत्व करेंगे। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि आप कह सकते हैं कि वह पाकिस्तान शाहीन और जूनियर टीम के निदेशक हैं और जरूरत पड़ने पर उनके साथ विदेश दौरे पर भी जाएंगे। सूत्र के अनुसार, शाहीन और अंडर-19 टीमों के कोच, चयनकर्ता, सहयोगी स्टाफ के सदस्य अब सरफराज को रिपोर्ट करेंगे। सूत्र ने कहा कि यह दोनों टीमों के लिए कोच या सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति के संबंध में लिए गए किसी भी फैसले में शामिल होंगे। (अनंत ज्ञान)

### दीपिका का खूबसूरत अंदाज

**नई दिल्ली।** स्क्वैश प्लेयर दीपिका पल्लीकल भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक की पत्नी हैं। बताया जाता है पहले कार्तिक का प्यार कोई और था, लेकिन बाद में उनके बुरे दिनों में पल्लीकल ने उनका साथ दिया और दोनों में पहले दोस्ती हुई। दोस्ती बाद में धीरे-धीरे प्यार में बदल गई।

# जैनिक सिनर ने लगातार दूसरी बार एटीपी फाइनल्स का जीता खिताब

## वर्ल्ड नंबर-1 अल्काराज को हराया, इस साल विंबलडन फाइनल में भी दी थी मात

**एजेंसी, ट्यूरिन**

**इटली** के जैनिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। उन्होंने लगातार दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। तूरिन में खेले गए खिताबी मुकाबले में सिनर ने वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज को सीधे सेटों में 7-6, 7-5 से हराया।

यह इस सीजन में दोनों खिलाड़ियों के बीच एक और हाई-प्रोफाइल मुकाबला था, जिसमें सिनर ने जीत हासिल की। इससे पहले भी सिनर ने विंबलडन 2025 के फाइनल में अल्काराज को हराया था।

यह इस साल दोनों के बीच छठा मुकाबला था। सिनर ने अपने घरेलू इटालियन दर्शकों के सामने लगातार दूसरा एटीपी फाइनल्स खिताब जीता। यह अल्काराज के खिलाफ उनकी इस साल मात्र दूसरी जीत है-पहली जीत उन्होंने विंबलडन फाइनल में दर्ज की थी। सिनर ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय सीजन रहा। इस तरह अपने इटालियन प्रशंसकों के सामने इसे खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है। अल्काराज पहले ही वर्ष के अंत का नंबर 1 रैंकिंग सुनिश्चित कर चुके थे और एटीपी फाइनल्स में पहली बार खिताबी मुकाबला खेल रहे थे। इटालियन ओपन और सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भी दोनों भिड़े, दोनों बार अल्काराज विजेता रहे (सिनसिनाटी में सिनर बीमारी के चलते रिटायर हुए थे)। सिनर ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता-जहां उन्होंने फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को मात दी।

इस तरह दोनों ने 2025 में दो-दो मेजर खिताब जीते। कुल मिलाकर अल्काराज के नाम छह और सिनर के नाम चार ग्रैंड स्लैम हैं। पहले सेट में ही दर्शक 'ओले, ओले, ओले, ओले; सिन-नर, सिन-नर' के नारों से गूंज उठे। एक दर्शक तो सिनर को संत के रूप में दर्शाने वाला पोस्टर भी लेकर आया था। पहले सेट में 5-6 पर सिनर ने सेट प्वॉइंट बचाया और टाईब्रेक में शानदार लॉब शॉट से बढ़त बनाई, जिसके बाद उन्होंने सेट जीता। (अनंत ज्ञान)

## शुभमन गिल का गुवाहाटी टेस्ट में खेलना मुश्किल

**एजेंसी, नई दिल्ली**

**भारत** के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल का गुवाहाटी टेस्ट में खेलना मुश्किल है। पहले टेस्ट की पहली पारी में गिल तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर हर्ट हो गए थे। वहीं, दूसरे पारी में बैटिंग करने नहीं उतरे। गिल को गर्दन में ऐंठन की शिकायत के बाद शनिवार को कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें रविवार की शाम को डिस्चार्ज कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल का दूसरे टेस्ट में खेलना मुश्किल है। टीम मैनेजमेंट ने दूसरे मैच में उनके खेलने पर अभी फैसला नहीं किया है।

**अस्पताल से हुए डिस्चार्ज हुए**

टीम मंगलवार को कोलकाता से गुवाहाटी के लिए रवाना होगी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। पहली पारी के दौरान रिटायर हर्ट हुए शनिवार को गिल कोलकाता टेस्ट की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर के आउट होने के बाद 35वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। उन्होंने साइमन हार्मर की पहली दो बॉल पर कोई रन नहीं बनाया। इसके बाद तीसरी बॉल पर चौका लगाकर अपना खाता खोला, इसी दौरान स्वीप खेलने के प्रयास में उनकी गर्दन में परेशानी हुई। इसके बाद फिजियो आए और गिल उनके साथ मैदान से बाहर चले गए। गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाते हैं तो उप कप्तान ऋषभ पंत ही टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। कोलकाता टेस्ट से भी गिल के बाहर होने के बाद पंत ने ही टीम की कमान संभाली थी। कप्तान की गैरमौजूदगी में उप कप्तान ही टीम को लीड करता है। भारत पहला टेस्ट 30 रन से हारा भारतीय टीम रविवार को कोलकाता टेस्ट 30 रन से हार गई। (अनंत ज्ञान)

## कोई भी बाहर बैठे, दक्षिण अफ्रीका जीत का रास्ता ढूंढ लेगा: रबाडा

**एजेंसी, कोलकाता।** पसलियों में चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर रहे दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बावजूद जीत का रास्ता तलाशने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका की टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट मैच में भारत को तीन दिन के अंदर 30 रन से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका की यह पिछले 15 साल में भारतीय धरती पर पहली जीत थी जिससे उसने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। रबाडा ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका ढूंढ लेंगे। (कप्तान) तेम्बा (बावुमा) ने हमारे लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लेकिन वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था। बावुमा चोटिल होने के कारण पाकिस्तान में दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाने के बाद अंतिम एकादश में लौटे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, जो भी मैदान पर उतरेगा, हमारा मानना है कि वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा सकता है। दक्षिण अफ्रीका यहां के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन की सराहना की, जिसमें कप्तान बावुमा की दूसरी पारी में खेली गई 55 रन की पारी भी शामिल है। (अनंत ज्ञान)

## भारत को बेहतर फुटबालर तैयार करने के लिए अच्छे कोचों की जरूरत: लोथर

**एजेंसी, कोलकाता।** जर्मनी के महान फुटबालर लोथर मैथॉस का मानना है कि केवल सर्वश्रेष्ठ कोच ही अच्छे फुटबाल खिलाड़ी तैयार कर सकते हैं और भारत को अपने कोचों को प्रशिक्षित करने के लिए खेल के दिग्गजों और पूर्व खिलाड़ियों की सेवाएं लेने की जरूरत है। मैथॉस ने कहा कि विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश भारत ऐसी स्थिति में नहीं हो सकता कि वह फुटबाल विश्व कप में न खेले, जबकि केप वर्डे जैसे छोटे देश इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। जर्मनी की 1990 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य मैथॉस ने कहा कि आपको अच्छे फुटबालर तभी मिलते हैं जब वे सर्वश्रेष्ठ कोचों से सीखते हैं। भारत को बेहतर फुटबालर तैयार करने के लिए अच्छे कोचों की जरूरत है। एक अच्छा शिक्षक एक अच्छा छात्र तैयार करता है और जब आपके पास एक खराब शिक्षक या खराब प्रोफेसर होता है तो आपको अच्छे छात्र नहीं मिलते हैं। भारत को अपने कोचों को सिखाने के लिए अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ियों और प्रतिष्ठित कोचों की सेवाएं लेने की जरूरत है। (अनंत ज्ञान)

## पुर्तगाल ने आर्मेनिया को हराकर लगातार सातवीं बार फीफा विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

**एजेंसी, नई दिल्ली**

**पुर्तगाल** ने पोर्टो के एस्टादियो डो ड्रागाओ में खेले गए अपने अंतिम वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में आर्मेनिया को 9-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह पुर्तगाल का लगातार सातवां विश्व कप होगा।

रोबर्टो मार्टिनेज की टीम ने निलंबित क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में शानदार प्रदर्शन किया। अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए पुर्तगाल को जीत की जरूरत थी और टीम ने इसे दो हैट्रिक की मदद से बेहद प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया। एक ब्रूनो फर्नांडिस ने और दूसरी युवा जोआओ नेवेस ने लगाई। फीफा विश्व कप इतिहास में पुर्तगाल का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम ने पहली बार 1966 में हिस्सा लिया और शानदार खेल दिखाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, जहां उसने छह मैचों में पांच जीत दर्ज कीं और सिर्फ एक मुकाबला हारा। इसके बाद 1986 और 2002 के विश्व कप में पुर्तगाल का सफर ग्रुप स्टेज तक ही सीमित रहा, दोनों ही बार टीम ने तीन मैचों में एक-एक जीत हासिल की और दो मुकाबलों में हार का सामना किया।

2006 विश्व कप में पुर्तगाल ने अपने इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान पाया। इस अभियान में टीम ने कुल सात मैच खेले, जिनमें चार जीते, एक ड्रॉ रहा और दो में हार मिली। 2010 में टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची, जहां उसने चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और एक हार दर्ज की। 2014 में पुर्तगाल ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया, इस दौरान उसने तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की। 2018 में एक बार फिर टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची और चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और एक हार मिली। (अनंत ज्ञान)

## ऑस्ट्रेलियन ओपन: सात्विक-चिराग पर भारत की उम्मीदें टिकीं

**एजेंसी, नई दिल्ली**

सिडनी में मंगलवार से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पुरुष युगल के शीर्ष वरीय सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पर रहेगी। यह जोड़ी इस सीजन का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेगी। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता सात्विक-चिराग इस वर्ष भारतीय बैडमिंटन के कठिन दौर में लगातार चमकते रहे हैं। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और हांगकांग सुपर 500 तथा चाइना मास्टर्स सुपर 750 में उपविजेता रहे। विश्व नंबर एक की रैंकिंग में 18 सप्ताह बिताने के बाद मई में 27वें स्थान तक खिसकने वाली यह जोड़ी अब वापसी करते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच चुकी है।

**लक्ष्य और प्रणय लय की तलाश में**

वे अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ करेंगे। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के लिए यह टूर्नामेंट निरंतरता हासिल करने का मौका होगा। लक्ष्य ने लंबे समय के खराब दौर के बाद हांगकांग ओपन में फाइनल तक पहुंचकर दमदार वापसी की थी। जापान में पिछले सप्ताह वह सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य पहले दौर में चीनी ताइपे के सू ली यांग से भिड़ेंगे। 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय पिछले साल इस टूर्नामेंट के उपविजेता रहे थे। चोट से उबरकर लौटे प्रणय ने कुमामोटो (जापान) में अच्छा प्रदर्शन किया था। वह पहले मैच में कनाडा के ब्रायन यांग का सामना करेंगे। इसके अलावा, किदांबी श्रीकांत, जो इस साल मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे, पहले दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन-यी से भिड़ेंगे। अमेरिका ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा। किरण जॉर्ज को छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो की चुनौती मिलेगी। वहीं थरुण मन्नेपल्ली डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे। (अनंत ज्ञान)

### महिला एकल: आकर्षी का सामना ओलंपिक चैंपियन से होगा

**महिला** एकल में अकेली भारतीय आकर्षी कश्यप को कठिन शुरुआत मिलेगी, जहां उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपिक चैंपियन आन से यंग से होगा। लंबे अंतराल के बाद वापसी कर रही गैत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की जोड़ी महिला युगल में चौथी वरीय चीनी ताइपे की यान फेई चेन और लिआंग चिंग सन से भिड़ेगी। मिक्स्ड डबल्स में मोहित जगलान और लक्षिता जगलान का मुकाबला कनाडा के लिन याकुरा और क्रिस्टल लाई से होगा। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारतीय खिलाड़ियों के लिए यह सप्ताह अपने फॉर्म और लय को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मौका होगा।

## पाक ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, 3-0 से जीती वनडे सीरीज

**एजेंसी, रावलपिंडी**

पाकिस्तान ने रावलपिंडी में खेले गए तीसरे वनडे में श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान ने पहला मुकाबला 6 रन से और दूसरा मैच 8 विकेट से जीता था।

**फखर और रिजवान ने लगाए अर्धशतक**

तीसरे मुकाबले में श्रीलंका ने 212 रन का लक्ष्य रखा, जिसे पाकिस्तान ने फखर जमान और मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की मदद से 5.2 ओवर रहते हासिल कर लिया।

टॉस जीतकर पाकिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। श्रीलंका ने शुरुआत अच्छी की। पथुम निसांका और कमिल मिशारा ने पहले 8 ओवर में 50 रन जोड़ दिए। निसांका के बोल्ड होने के बाद रन गति धीमी पड़ गई। कुसल मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन स्ट्राइक रोटेशन नहीं हो सका। डेब्यू कर रहे बाएं हाथ के स्पिनर फैसल अकरम ने लगातार दबाव बनाते हुए दो विकेट लिए। पवन रत्नायके ने 32 रन बनाकर टीम को संभाला, जबकि समरविक्रमा 48 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। श्रीलंका की पूरी टीम 211 रन पर आउट हो गई। वसीम जूनियर ने 3 विकेट लिए, वसीम ने 10 ओवर गेंदबाजी की और 47 रन खर्च करते हुए 3 विकेट चटकाए। उनकी इकोनॉमी रेट 4.70 की रही। शाहीन अफरीदी ने 7.2 ओवर गेंदबाजी की और 1 मेडन ओवर के साथ 36 रन देकर 1 विकेट लिए। उनकी इकोनॉमी रेट 4.90 की रही। हारिस रऊफ ने 9 ओवर गेंदबाजी की और 1 मेडन के साथ 38 रन देकर 2 विकेट चटकाए। फैसल अकरम ने 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 42 रन देकर 2 विकेट लिए। उनकी इकॉनमी रेट 4.20 की रही। फहीम अशरफ ने 9 ओवर में 43 रन देकर 1 विकेट लिए। फखर जमान ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारी लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत धीमी रही। हसीबुल्लाह बिना रन बनाए आउट हुए, लेकिन फखर जमान ने तेजी से रन बनाकर टीम को संभाला। (अनंत ज्ञान)

**क्वालीफाई** नॉर्वे की टीम ने 1998 के बाद पहली बार विश्व कप में बनाई अपनी जगह

# नॉर्वे ने इटली को 4-1 से हराया

**एजेंसी, मिलान (इटली)**

नॉर्वे ने रविवार रात इटली को उसके घर में 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया। नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार फुटबाल विश्व कप में जगह बनाई है, जबकि मेजबान इटली को लगातार तीसरी बार प्लेऑफ का रास्ता अपनाना पड़ा। नॉर्वे ने क्वालीफाइंग अभियान को आठों मैच जीतकर पूरा किया और चार बार की विश्व चैंपियन इटली से छह अंक आगे रहते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

इटली को बेहतर गोल अंतर के चलते अगले दौर में जाने के लिए नौ गोल से जीत की जरूरत थी, इसलिए उसने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मैच के 10वें मिनट में फ्रांसेस्को पियो एस्पोसितो ने नजदीकी दूरी से गोल कर इटली को बढ़त दिलाई। पहली पारी के अधिकांश समय तक मेजबान टीम हावी रही और कई मौके बनाए, जबकि नॉर्वे को केवल एक आधा मौका मिला, जब एंटोनियो नुसा का शॉट बार के ऊपर चला गया। दूसरे हाफ में नॉर्वे ने पूरी तरह बदला हुआ खेल दिखाया। 63वें मिनट में नुसा ने बॉक्स के भीतर से शानदार लेफ्ट-फुट शॉट लगाकर बराबरी कर ली। खेल के अंतिम चरणों में नॉर्वे ने नियंत्रण हासिल कर लिया और 78वें मिनट में इटली की रक्षा में हुई बड़ी गलती के कारण एर्लिंग हालांड को खाली जगह मिल गई। उन्होंने क्रॉस को आसानी से वॉली करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। सिर्फ एक मिनट बाद हालांड ने अपना दूसरा गोल दागा और अभियान में अपने गोलों की संख्या 16 कर ली। इंजरी टाइम में जॉर्गन स्ट्रैंड लार्सन ने चौथा गोल कर नॉर्वे की बड़ी जीत सुनिश्चित की। (अनंत ज्ञान)

### इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर दिलाई जीत

**एजेंसी, तिराना (अल्बानिया)।** इंग्लैंड फुटबाल टीम के कप्तान हैरी केन ने अंतिम पलों में दो गोल दागकर अपनी टीम को अल्बानिया पर 2-0 की जीत दिलाई और फीफा वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर्स अभियान को एक ऐतिहासिक परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया। मैच लंबे समय तक गोलरहित रहा और ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड पहली बार अंक गंवा सकता है, लेकिन 74वें मिनट में एक कॉर्नर पर अल्बानिया की डिफेंस चूक गई और केन ने नजदीक से गेंद को गोल में डाल दिया। आठ मिनट बाद केन ने मार्कस रैशफोर्ड के लंबे क्रॉस पर स्टीक हेडर मारकर बढ़त को 2-0 कर दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड टीम यूरोप की पहली ऐसी टीम बन गई जिसने छह या उससे अधिक मैचों वाले वर्ल्ड कप क्वालिफाइंग ग्रुप में सभी मुकाबले जीतकर और एक भी गोल खाए बिना क्वॉलिफाई किया हो। इंग्लैंड ने ग्रुप-के के आठों मैच जीतकर कुल 24 अंक हासिल किए। हैरी केन ने कहा कि यह वाकई मुश्किल मुकाबला था, शायद इस ग्रुप का सबसे कठिन। हमें धैर्य रखना था और मजबूत डिफेंस भी करना था। (अनंत ज्ञान)

## टेस्ट क्रिकेट को किया जा रहा पूरी तरह से बर्बाद: हरभजन

**एजेंसी, नई दिल्ली।** भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ईडन गार्डन्स जैसी कम तैयार और गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच को 'टेस्ट क्रिकेट का विनाश' करार देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति खिलाड़ियों के वास्तविक विकास में बाधा डालती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 30 रनों से हार गया और यह मुकाबला तीन दिन के अंदर ही समाप्त हो गया। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिस तरह का काम किया है, जिस तरह की पिचें इतने वर्षों से बनाई जा रही हैं, मैं उसे देखता आ रहा हूं। कोई इसके बारे में बात नहीं करता, क्योंकि जब टीम जीत रही होती है, तो सब ठीक लगता है। कोई विकेट ले रहा होता है और कोई विकेट लेकर महान बन रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में सबको लगता है कि सब ठीक चल रहा है। यह चलन अभी से शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चला आ रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का गलत तरीका है। इस मैदान पर 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के दौरान 13 विकेट झटकने वाले हरभजन ने कहा कि अब इस मुद्दे पर विचार करने का समय आ गया है क्योंकि ऐसी पिचें खिलाड़ियों के विकास में योगदान नहीं देतीं। उन्होंने कहा कि आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप बस चक्की में बंधे बैल की तरह चक्कर लगा रहे हैं। आप जीत तो रहे हैं, लेकिन कोई वास्तविक लाभ नहीं है। एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

## राजस्थान रॉयल्स ने द्रविड़ की जगह संगकारा को फिर से बनाया मुख्य कोच

**एजेंसी, नई दिल्ली।** भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका में निभा रहे थे। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर पोस्ट किया कि क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए, मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइजी में लौटे थे। टी-20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की 'संरचनात्मक समीक्षा' के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले सत्र तक अपने कप्तान रहे संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड किया है। इसके बदले में उसने रविंद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया है। (अनंत ज्ञान)